राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

क्रांति समय

कार्यालय ऑफिस

क्रांति समय दैनिक समाचार में
प्रेसनोट, नोटिस, वेपार संबंधित संपर्क करें
पता:- एस.टी.पी.आई-सुरत-395023
संपर्क नं.-7490923915
ईमेल:-info.krantisamay@gmail.com

सुरत गुजरात से प्रकाशित, मुंबई, उत्तरप्रदेश, बिहार, राजस्थान, मध्यप्रदेश, उतरांचल, उतराखंड, दिल्ली, हरियाणा में प्रकाशित

सुरत-गुजरात, संस्करण रविवार 23 नवम्बर 2025 वर्ष-8,अंक-266 पृष्ठ-08 मूल्य-01 रूपये

Website : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

■ यूपी में अवैध घुसपैठियों के लिए बनेंगे

अस्थायी डिटेंशन सेंटर

■ सीएम योगी का निर्देशः सख्त कार्रवाई करें

एजेंसी

लखनऊ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने प्रदेश के सभी जिलाधिकारियों को अवैध घुसपैठ पर त्वरित और सख्त कार्रवाई के स्पष्ट निर्देश जारी किए हैं। उन्होंने कहा कि प्रदेश की कानून व्यवस्था, राष्ट्रीय सुरक्षा और सामाजिक समरसता सर्वोच्च प्राथमिकता है और किसी भी प्रकार की अवैध गतिविधि को बर्दाश्त नहीं किया जाएगा।मुख्यमंत्री ने निर्देश दिए हैं कि प्रत्येक जिला प्रशासन अपने क्षेत्र में रहने वाले अवैध घुसपैठियों की पहचान सुनिश्चित करे और नियमानुसार कार्रवाई शुरू करे। मुख्यमंत्री ने यह भी निर्देश दिया है कि घुसपैठियों को रखने के लिए प्रत्येक जनपद में अस्थायी डिटेंशन सेंटर बनाए जाएं। इन केंद्रों में विदेशी नागरिकता के अवैध व्यक्तियों को रखा जाएगा और आवश्यक सत्यापन की प्रक्रिया पूरी होने तक वहीं आवास सुनिश्चित किया जाएगा। मुख्यमंत्री ने कहा कि डिटेंशन सेंटर में रखे गए अवैध घुसपैठियों को तय प्रक्रिया के तहत उनके मूल देश भेजा जाएगा।

■ दिल्ली सरकार रेजिडेंट वेलफेयर एसोसिएशन्स को

10 हजार इलेक्ट्रिक हीटर बांटेगी

नई दिल्ली। दिल्ली सरकार राजधानी में विभिन्न रेजिडेंट वेलफेयर एसोसिएशन (RWA) को 10,000 से अधिक इलेक्ट्रिक हीटर बांटेगी। ये हीटर चौकीदारों को दिए जाएंगे ताकि वे सर्दियों के दौरान ठंड से बचने के लिए लकड़ी और कोयला न जलाएं। यह पहल दिल्ली की हवा की गुणवत्ता बेहतर बनाने के प्रयासों के तहत की जा रही है। उट रेखा गुप्ता ने कहा कि दिल्ली में हवा की गुणवत्ता को बेहतर बनाने के लिए सभी को कोशिश करना होगी। खुले में लकड़ी कोयला जलाने से हवा खराब होती है। इलेक्ट्रिक हीटर एक सुरक्षित, स्वच्छ और पर्यावरण के अनुकूल विकल्प है। सरकार का मानना है कि यह छोटा सा कदम भी दिल्ली में प्रदूषण कम करने में अहम भूमिका निभा सकता है।

दिल्ली-एनसीआर में 'ग्रेप' और सख्त

ट्रैफिक जाम होगा खत्म, बसें-मेट्रो के बढ़ेंगे फेरे, ये नियम बदले

एजेंसी

नई दिल्ली। दिल्ली-एनसीआर की जहरीली हवा से लोगों को राहत दिलाने के लिए वायु गुणवत्ता प्रबंधन आयोग (सीएक्यूएम) ने एक अहम फैसला लिया है। आयोग ने ग्रेडेड रिस्पॉन्स एक्शन प्लान (ग्रेप) को और सख्त बना दिया है। सीएक्यूएम की ओर से 21 नवंबर को जारी नए नियमों के तहत अब हवा की गुणवत्ता 'खराब' होने पर ही ट्रैफिक को सुचारू बनाने, बिजली की आपूर्ति सुनिश्चित करने और सार्वजनिक परिवहन बढ़ाने जैसे कदम उठाए जाएंगे। पहले ये कदम ""बहुत खराब"" हवा में ही लगाए जाते थे। इससे प्रदूषण को जल्दी काबू करने में मदद मिलेगी। सीएक्यूएम ने 20 नवंबर को स्टेकहोल्डर्स से चर्चा के बाद ये बदलाव किए हैं। इसका मकसद वैज्ञानिक डेटा, विशेषज्ञ सलाह और पिछले साल के अनुभवों से सीख लेकर हवा को और बिगड़ने से रोकना है। सीएक्यूएम ने सभी एजेंसियों को तुरंत इन नियमों को लागू करने का निर्देश दिया है। आयोग के अध्यक्ष का कहना है कि ये बदलाव हवा की गुणवत्ता को बिगड़ने से पहले रोकने के लिए हैं। मौसम की भविष्यवाणी के साथ मिलकर वह जल्दी एक्शन लेंगे। विशेषज्ञों का मानना है कि ये कदम सर्दियों में स्मॉग की समस्या को कम करेंगे, खासकर जब एक्यूआई तेजी से बढ़ता है। ऐसे में ग्रेप के नियमों में मुख्य बदलाव किए गए हैं। ग्रेप 1 (पहले ये कदम स्टेज 2 में थे, अब स्टेज 1 में शिफ्ट हो गए) -बिजली की बिना रुकावट सप्लाई दें, ताकि डीजल जेनरेटर (डीजी सेट) का इस्तेमाल न हो। -ट्रैफिक सिग्नल पर कर्मचारियों की तैनाती बढ़ाकर जाम कम करें। -अखबार, टीवी और रेडियो पर अलर्ट दें, प्रदूषण के स्तर बताएं और लोगों को ""करें-न करें"" की सलाह दें। -सीएनजी/इलेक्ट्रिक बसें और मेट्रो की संख्या बढ़ाएं, फेरे तेज करें। ऑफ-पीक घंटों में सस्ते रेट लगाकर यात्रा बढ़ावा दें। -दिल्ली और गुरुग्राम, फरीदाबाद, गाजियाबाद, गौतम बुद्ध नगर में सरकारी और म्यूनिसिपल ऑफिसों के समय अलग-अलग करें। -बाकी एनसीआर इलाकों में राज्य सरकारें फैसला लें। -केंद्र सरकार दिल्ली-एनसीआर के अपने ऑफिसों के समय पर विचार करे। -एनसीआर सरकारें/दिल्ली सरकार सार्वजनिक, म्यूनिसिपल और प्राइवेट ऑफिसों में 50 फीसदी स्टाफ को काम पर बुलाएं, बाकी वर्क फ्रॉम होम करें। -केंद्र सरकार अपने कर्मचारियों के लिए वर्क फ्रॉम होम पर फैसला ले।

जी20 समिट में मेलोनी से मिले मोदी: ब्राजीली राष्ट्रपति को गले लगाया

बोले: जी20 का पुराना डेवलपमेंट मॉडल बदलना जरूरी

एजेंसी

नई दिल्ली/ केप टाउन। पीएम मोदी ने जोहान्सबर्ग में शनिवार को जी 20 समिट में इटली की प्रधानमंत्री जॉर्जिया मेलोनी और दुनियाभर के नेताओं से मुलाकात की। दौरान ब्राजीली राष्ट्रपति लूला डि सिल्वा को उन्होंने गले लगा लिया। इसके बाद मोदी ने समिट के पहले सेशन में भाषण दिया। उन्होंने वैश्विक चुनौतियों पर भारत का नजरिया दुनिया के सामने रखा। मोदी ने वैश्विक विकास के पुराने मानकों पर दोबारा सोचने की अपील की। उन्होंने कहा- G20 ने भले ही दुनिया की अर्थव्यवस्था को दिशा दी हो, लेकिन आज की विकास मॉडल ने बड़ी आबादी को संसाधनों से वंचित किया है और प्रकृति के अत्यधिक दोहन को बढ़ावा दिया है। अफ्रीकी देशों पर इसका असर सबसे ज्यादा दिखता है। साउथ अफ्रीका में हो रही इस साल की G20 समिट भारत के

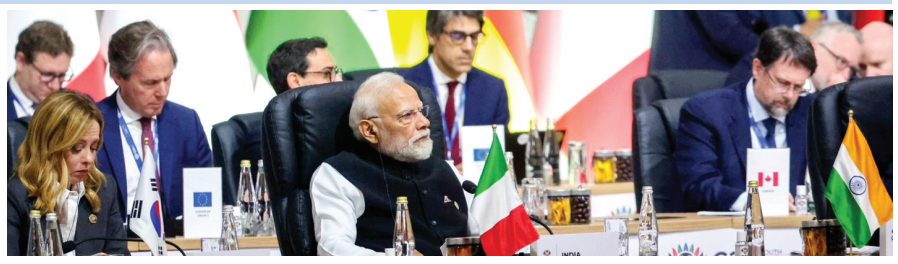

लिए इसलिए खास है क्योंकि 2023 में अपनी अध्यक्षता के दौरान भारत ने अफ्रीकन यूनियन को G20 का सदस्य बनवाया था। अब पहली बार अफ्रीका में समिट हो रही है। इसके चलते सभी अफ्रीकी देशों में भारत का सम्मान बढ़ा है। शुक्रवार को पीएम मोदी के साथ अफ्रीका पहुंचने पर स्थानीय कलाकारों ने उनके सम्मान में जमीन पर लेटकर स्वागत किया। ट्रम्प, पुतिन और जिनपिंग की गैरमौजूदगी में भारत समिट का सबसे प्रमुख चेहरा बन गया है। पीएम मोदी समिट के तीनों अहम सत्रों में आर्थिक विकास, क्लाइमेट रेजिलियंस और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस जैसे मुद्दों पर भारत का पक्ष रखेंगे। भारत की ग्लोबल साउथ लीडरशिप और विकासशील देशों की आवाज को मजबूती से पेश करने के लिए यह समिट बड़ा मंच साबित होगी। 1.वैश्विक पारंपरिक ज्ञान भंडार : इसका मकसद दुनिया के लोक ज्ञान, पारंपरिक चिकित्सा और सामुदायिक प्रथाओं को एक साथ लाना है। 2. G20-अफ्रीका स्किल इनिशिएटिवः अफ्रीकी युवाओं के लिए कौशल विकास, ट्रेनिंग और रोजगार के नए अवसर बढ़ाने की योजना। 3. ड्रग-टेरर नेक्सस के खिलाफ G20 इनिशिएटिवः प्रधानमंत्री ने इसे अहम बताते हुए कहा कि ड्रग तस्करी, अवैध पैसों का नेटवर्क और आतंकवाद की फंडिंग आपस में जुड़े हैं। यह पहल इन्हें रोकने के लिए सदस्य देशों के वित्तीय, सुरक्षा और शासन तंत्र को एकजुट करेगी।मोदी के मुताबिक, इस फ्रेमवर्क से ड्रग नेटवर्क पर सख्त चोट की जा सकेगी और आतंकवाद की फंडिंग भी कमजोर होगी। अफ्रीका में चल रहे G20 समिट में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा कि अब वक्त आ गया है कि दुनिया पुराने विकास मॉडल पर दोबारा सोचे।

शशि थरूर बोले: चुनाव बाद पार्टियां एक साथ आएं

■ ट्रम्प-ममदानी के साथ आने की तारीफ की

नई दिल्ली। कांग्रेस सांसद शशि थरूर ने अमेरिकी प्रेसिडेंट डोनाल्ड ट्रम्प की न्यूयॉर्क के नए मेयर जोहरान ममदानी के साथ व्हाइट हाउस में हुई मीटिंग की तारीफ की है। उन्होंने कहा कि चुनावों के दौरान एक-दूसरे पर तीखे हमले करने के बावजूद डेमोक्रेटिक भावना को बनाए रखा गया। दोनों अमेरिकी नेताओं का एक वीडियो शेयर करते हुए थरूर ने पर लिखा- चुनाव में सभी पार्टियां अपनी-अपनी विचारधार के साथ जोश से लड़ें, बिना किसी रोक-टोक के। लेकिन एक बार जब चुनाव खत्म हो जाए तो देश के हित के लिए एक-दूसरे के साथ सहयोग करना सीखें। मैं भारत में भी ऐसा ही देखना चाहता हूं। भाजपा थरूर के इस बयान की तारीफ कर रही है। भाजपा प्रवक्ता शहजाद पूनावाला ने कहा कि थरूर ने पोस्ट के जरिए अपनी पार्टी के नेताओं को याद दिलाया है कि वे गांधी परिवार के बजाय देश को पहले रखें। 8 नवंबर को लाल कृष्ण आडवाणी का 98वां जन्मदिन था। थरूर ने पर आडवाणी के साथ वाली अपनी तस्वीर पोस्ट करते हुए उन्हें जन्मदिन की शुभकामनाएं दी थी। उन्होंने लिखा- लालकृष्ण आडवाणी जी को उनके 98वें जन्मदिन की हार्दिक शुभकामनाएं! जनसेवा के प्रति उनकी अटूट प्रतिबद्धता, उनकी विनम्रता और शालीनता और आधुनिक भारत की दिशा तय करने में उनकी भूमिका अमिट है।

महाराष्ट्र: कार ने बाइकों को कुचला

■ 4 की मौत और 3 घायल, ड्राइवर को हार्टअटैक आने से हादसा हुआ

एजेंसी

ठाणे। महाराष्ट्र में ठाणे जिले के अंबरनाथ शहर में शुक्रवार शाम 6.42 बजे कार चला रहे शख्स को हार्टअटैक आ गया। इसके बाद अनकंट्रोल कार सामने से आ रहे वाहनों से जा टकराई और पलट गई। शहर के फ्लाईओवर पर इस हादसे में 4 लोगों की मौत हुई है, 3 लोग घायल हैं। पूरी घटना फ्लाईओवर के पास मौजूद इमारत पर लगे CCTV में रिकॉर्ड हुई है। इसमें नजर आ रहा है कि फ्लाईओवर पर बहुत क्राउड है। दोनों और से वाहनों का आवाजाही लगी है। तभी 6 बजकर 42 मिनट

पर तेज रफ्तार कार सामने से आ रहे दो टू-व्हीलर समेत 4 से 5 बाइकों से टकराती है और पलट जाती है। वीडियो में नजर आ रहा है कि कार जब बाइकों से टकराती है तब टक्कर के कारण बाइक सवार एक व्यक्ति हवा में कई फीट उछलता है और फ्लाईओवर से दूसरी तरफ नीचे जाकर गिरता है। सड़क से भी लोग गुजर रहे होते हैं, लेकिन गनीमत रही कि सड़क पर खड़े लोगों को चोट नहीं आई। हादसे के बाद फ्लाईओवर और सड़क दोनों पर लोगों की भीड़ जमा हो जाती है। इसके बाद घायलों को अस्पताल पहुंचाया जाता है।

दिल्ली- आईएसआई कनेक्शन वाला हथियार तस्करी नेटवर्क पकड़ा

एजेंसी

नई दिल्ली। दिल्ली पुलिस की क्राइम ब्रांच ने शनिवार को क्रक कनेक्शन वाले एक बड़े इंटरनेशनल हथियार तस्करी नेटवर्क का खुलासा किया। पुलिस ने बताया कि इस गिरोह से जुड़े चार तस्करों को गिरफ्तार किया गया है, जो पाकिस्तान से ड्रोन के जरिए हाईटेक हथियार मंगवाकर लॉरेंस, गोगी जैसे गैंगस्टरों को सप्लाई करते थे। क्राइम ब्रांच के मुताबिक, उन्हें इनपुट मिला था कि कुछ तस्कर दिल्ली में हथियार सप्लाई करने वाले हैं। इसके बाद रोहिणी एरिया में ट्रैप बिछाकर आरोपियों को पकड़ा गया। पुलिस ने मौके से तुर्की

और चीन में बने 10 हाई-टेक पिस्टल और 92 जिंदा कारतूस बरामद किए। पुलिस का कहना है कि बरामद किए गए हथियार बहुत आधुनिक हैं और इनके पीछे बड़ा नेटवर्क काम कर रहा था। इससे लग रहा है कि यह तस्करी का संगठित और हाई-फंडेड मॉड्यूल था। पुलिस के मुताबिक यह रैकेट पाकिस्तान से ऑपरेट हो रहा था। हथियार पहले तुर्किये और चीन से पाकिस्तान पहुंचाए जाते, फिर वहां से ड्रोन के जरिए पंजाब में गिराए जाते थे।

धनखड़ बोले: भगवान करे कोई नैरेटिव के चक्कर में न फंसे

भोपाल में कहा: जो जागकर भी सोया, उसे जगा नहीं सकते, इस्तीफे का सवाल टाला

एजेंसी

भोपाल। पूर्व उप राष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने भोपाल के रवींद्र भवन में कहा कि भगवान करे कोई नैरेटिव के चक्कर में न फंसे। जो समझना नहीं चाहते, हर हाल में बात को धूमिल करेंगे। जो जागकर भी सोया हो, उसे जगा नहीं सकते। वे यहां राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के अखिल भारतीय कार्यकारिणी सदस्य डॉ. मनमोहन वैद्य की पुस्तक हम और यह विश्व के विमोचन कार्यक्रम में शामिल हुए थे। यह उपराष्ट्रपति पद से इस्तीफा देने के बाद उनका पहला बड़ा सार्वजनिक संबोधन था। कार्यक्रम के अंत में जब उनसे पूछा गया कि उन्होंने उपराष्ट्रपति पद से इस्तीफा क्यों दिया, तो उन्होंने हाथ जोड़ लिए, गाड़ी में बैठे और बिना कुछ बोले चले गए। धनखड़ ने कहा कि मैंने विचार-विमर्श के बाद तय किया कि अब अंग्रेजी में संबोधन करूंगा, क्योंकि जो लोग समझना ही नहीं चाहते, वे हर हाल में बात को गलत नैरेटिव में ढाल देंगे। उन्होंने कहा कि राष्ट्र के व्यापक कॉन्सेप्ट को सीमित कर दिया गया है। व्यक्ति अकेले नहीं लड़ सकता, लेकिन संस्था लड़ सकती है। धनखड़ ने कहा- बहुत पुरानी बात है और बड़ी मुश्किल है... जो सोया हुआ है, उसे जगा सकते हैं, पर जो जागकर भी सोया हुआ है, उसे नहीं

जगा सकते। बल प्रयोग भले कर लो। संबोधन के दौरान उन्हें सहयोगी ने फ्लाइट का टाइम याद दिलाया तो धनखड़ बोले- मैं फ्लाइट पकड़ने की चिंता में अपने कर्तव्य को नहीं छोड़ सकता। धनखड़ ने कहा कुछ लोगों ने बड़ा हाहाकार कर दिया है। खुद को चुनौतियों के बीच मजबूत रखो। देशभक्ति बहुत जरूरी है। देश के प्रति अपने भाव समझो और वो करो जो देशहित में हो। देश के प्रति आपके कर्तव्य हैं, उन्हें पूरा करो। यह भी देशभक्ति है। बिना किसी बात को समझे, किसी दौड़ में शामिल मत हो। बात को समझो, देखो। अपनी जड़ों को मत छोड़ो, अपनी जड़ों से हमेशा जुड़े रहो। अपने दिमाग के टॉनिक के लिए हमेशा अध्ययन करो। समझो, अच्छी चीज समझो। समाज की सुदृढता के लिए प्रयासरत रहो। आज हमारा भारत बदल रहा। अतीत के गौरव को याद दिलाता है। कोई भी सेक्टर हो, हम आगे बढ़ रहे हैं। कार्यक्रम में मनमोहन वैद्य ने अपने संबोधन की शुरूआत में जगदीप धनखड़ को अपना अभिभावक कहा। वैद्य ने कहा एक घटना ने मेरे अंदर के लेखक को जाग्रत किया। वैद्य ने कहा- बेवजह विरोध करने से संघ का फायदा होता है। संघ के तृतीय वर्ग के प्रशिक्षण वर्ग में प्रणव मुखर्जी को बुलाया गया था। वह संघ जॉइन नहीं करने वाले थे। उन्हें सिर्फ संबोधन देना था, लेकिन उनका बहुत विरोध हुआ। बेवजह विरोध देखकर मैंने लेखन की शुरूआत की। कार्यक्रम में वृंदावन के श्री आनंदम धाम आश्रम के पीठाधीश्वर ऋतेश्वर महाराज और वरिष्ठ पत्रकार विष्णु त्रिपाठी विशिष्ट अतिथि थे। उपराष्ट्रपति पद से इस्तीफा देने के बाद यह धनखड़ का पहला बड़ा सार्वजनिक संबोधन था। एयरपोर्ट पर धनखड़ की अगवानी के लिए कोई भाजपा नेता नहीं पहुंचा। इस पर पूर्व मुख्यमंत्री दिग्विजय सिंह ने टिप्पणी की कि भाजपा के लिए वही अहम होता है, जो उनके काम आए। "यूज एंड थ्रो यही नीति है भाजपा की।"

बर्फ से ढंका बद्रीनाथ धाम, उत्तराखंड में जमने लगी झील

राजस्थान में सर्दी से थोड़ी राहत, मध्य प्रदेश के 7 जिलों में शीतलहर

एजेंसी

नई दिल्ली। उत्तर भारत के पहाड़ी राज्यों में बर्फबारी जारी है। उत्तराखंड के चमोली में स्थित बद्रीनाथ धाम में गुरुवार को नवंबर की पहली बर्फबारी हुई थी। इसके बाद पूरा मंदिर परिसर बर्फ की सफेद चादर से ढंक गया। यहां का तापमान माइनस 6 डिग्री सेल्सियस तक पहुंच गया है। चमोली जिले की ही शेषनेत्र झील भी जम गई है। वहीं 14500 फीट की ऊंचाई पर स्थित पिथौरागढ़ का आदि कैलाश इलाके में भी बर्फबारी हुई है। इससे इलाके की सभी झीलें जम गई हैं। इलाके की सुंदरता को देखने पर्यटक भी पहुंच रहे हैं। इधर, राजस्थान में सप्ताह भर बाद सर्दी से राहत मिली है, शुक्रवार को न्यूनतम तापमान भी 1 डिग्री तक बढ़कर कई शहरों में सिंगल से डबल डिजिट में आ गया। अगले 2 सप्ताह तक तापमान में गिरावट नहीं होगी। हालांकि, उत्तरी-पश्चिमी हवा से धुंध (स्मॉग) छानी शुरू हो गई है। इससे दिन में धूप अन्य दिनों के मुकाबले कमजोर रही है। मध्य प्रदेश में बीते दो दिन में सर्दी से 2 लोगों की मौत हो गई। शुक्रवार को भोपाल, इंदौर समेत 7 जिलों में शीतलहर चली। पचमढ़ी में पहली बार पारा 5.8 डिग्री सेल्सियस पहुंच

गया। नर्मदापुरम में विजिबिलिटी 500 मीटर दर्ज की गई। एक स्टडी में कहा गया है कि पिछले दशक (2015-2024) में भारत का औसत तापमान लगभग 0.9 डिग्री सेल्सियस बढ़ा है। जिसके चलते देश में हीट वेव ज्यादा रहती है और हर दशक में गर्म दिनों की संख्या में 5 से 10 दिन का इजाफा हो रहा है। स्टडी में पता चला है कि 1950 के दशक के बाद से साल के सबसे गर्म दिन में पश्चिमी और उत्तर-पूर्वी भारत में तापमान में 1.5-2 डिग्री सेल्सियस की बढ़ोतरी भी दर्ज की गई। यह रिपोर्ट भारत, नार्वे और नेपाल के क्लाइमेट एक्सपर्ट की टीम ने मिलकर तैयार की है।राजस्थान में तेज सर्दी के बीच उत्तरी-पश्चिमी हवा से धुंध (स्मॉग) छानी शुरू हो गई है। इससे दिन में धूप अन्य दिनों के मुकाबले कमजोर रही। रात का न्यूनतम तापमान भी 1 डिग्री तक बढ़कर कई शहरों में सिंगल से डबल डिजिट में आ गया। पिछले 24 घंटे के दौरान हिल स्टेशन माउंट आबू को छोड़कर सबसे ठंडा शहर सीकर के पास फतेहपुर रहा, जहां न्यूनतम तापमान 6.6 डिग्री सेल्सियस दर्ज हुआमध्य प्रदेश में पिछले 15 दिन से कड़ाके की ठंड पड़ रही है।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

शराब की लुभावनी पैकेजिंग के खतरे एवं सुप्रीम कोर्ट की चिंता

जब सरकार तंबाकू पर बड़ी और भयावह चेतावनियों को अनिवार्य कर चुकी है, तो शराब जिसका स्वास्थ्य पर प्रभाव कई मामलों में उतना ही विनाशकारी है, उसकी पैकेजिंग पर भी समान कठोर नियम लागू होना चाहिए। समाज में शराब की बढ़ती स्वीकृति का बड़ा कारण यह भी है कि शराब उद्योग ने पैकेजिंग को ही आकर्षक विज्ञापन का माध्यम बना दिया है। जहां शराब विज्ञापन पर कानूनी रोक है, वहां कंपनियां रंगीन बोतलों और खूबसूरत बॉक्सों को ही प्रचार का तरीका बना लेती हैं। यह परोक्ष विज्ञापन है, जो कानून की भावना का उल्लंघन करता है और युवाओं को नशे की ओर ले जाता है।

(लेखक- ललित गर्ग)

हाल ही में देश की शीर्ष अदालत ने शराब की पैकेजिंग को लेकर जो गंभीर टिप्पणी की है, वह केवल कानूनी हस्तक्षेप नहीं बल्कि सामाजिक चेतना को झकझोरने वाली चेतावनी है। अदालत ने स्पष्ट कहा है कि शराब को इस तरह आकर्षक और लुभावना बनाकर प्रस्तुत करना सार्वजनिक स्वास्थ्य के साथ-साथ संस्कृति एवं सामाजिक के साथ खिलवाड़ है। चमकीली बोतलें, विदेशी डिजाइन, चटकदार रंग और ग्लैमरस बॉक्स-ये सब रणनीतियां लोगों को, विशेषकर युवाओं को, महिलाओं को शराब की ओर खींचने का साधन बन चुकी हैं। शराब की यह भ्रामक एवं बाजारवादी पैकेजिंग एक गंभीर एवं नया खतरा है। यह प्रवृत्ति केवल बाज़ार का विस्तार नहीं बल्कि पूरे समाज के स्वास्थ्य, नैतिकता और मानसिक संतुलन पर गहरा हमला है। जन-स्वास्थ्य से खिलवाड़ करने वाली शराब कम्पनियों की दुराग्रही सोच एवं गुमराह करने वाली पैकिंग एक आपराधिक कृत्य है। जूस पैक जैसे दिखने वाले टेट्रा पैक में बेची जा रही शराब अनेक खतरों को आमंत्रण है।

आज जब देश शराब की वजह से होने वाली बीमारियों, दुर्घटनाओं, हिंसा, पारिवारिक विघटन और मानसिक अवसाद जैसी समस्याओं से जूझ रहा है, तब शराब को 'फैशनेबल' बनाकर बेचना एक बहुत बड़ा खतरा बन जाता है। शराब कंपनियों ने पैकेजिंग को आधुनिकता, प्रतिष्ठा और स्टाइल से जोड़ दिया है, जिससे युवा वर्ग इसे किसी उपलब्धि जैसा मानने लगा है। सामाजिक और मनोवैज्ञानिक रूप से यह पैकेजिंग व्यक्ति के मन में यह भ्रम पैदा करती है कि शराब पीना आधुनिकता का प्रतीक है, जबकि वास्तविकता यह है कि शराब हर रूप में शरीर और मन के लिए घातक ज़हर है। शराब के घातक एवं दुष्प्रभाव किसी से छिपे नहीं हैं। यह धीरे-धीरे शरीर को भीतर से खोखला करते हुए नशे की अंधी गलियों में धकेल देती है। लिवर सिरोसिस, हृदय रोग, उच्च रक्तचाप, कैंसर, मानसिक असंतुलन, अवसाद और नींद की गंभीर समस्याएं शराब सेवन की सीधी देन हैं। सड़क दुर्घटनाओं में मरने वाले हजारों लोग शराब पीकर गाड़ी चलाने के कारण अपनी जान गंवाते हैं। घरेलू हिंसा, अपराध और परिवारों के टूटने में शराब की भूमिका लंबे समय से प्रमाणित है। ऐसे में शराब को आकर्षक पैकेजिंग में परोसना मानो लोगों को स्वेच्छा से विनाश के रास्ते पर भेजने जैसा है।

सुप्रीम कोर्ट ने इसीलिए चिंता जताई है कि शराब की बोतलों की पैकिंग ऐसी नहीं होनी चाहिए जो उपभोक्ता को उसकी वास्तविक हानियों से दूर ले जाए। चेतावनियां अक्सर बोतल के किनारे इस तरह लगाई जाती हैं कि वे दिखती ही नहीं। कंपनियां स्वास्थ्य चेतावनियों को ढककर अपने उत्पाद की सुंदरता को आगे करती हैं। यह न केवल अनैतिक है बल्कि स्वास्थ्य संबंधी नीतियों की मूल भावना के भी विरुद्ध है। जब सरकार तंबाकू पर बड़ी और भयावह चेतावनियों को अनिवार्य कर चुकी है, तो शराब जिसका स्वास्थ्य पर प्रभाव कई मामलों में उतना ही विनाशकारी है, उसकी पैकेजिंग पर भी समान कठोर नियम लागू होना चाहिए। समाज में शराब की बढ़ती स्वीकृति का बड़ा कारण यह भी है कि शराब उद्योग ने पैकेजिंग को ही आकर्षक विज्ञापन का माध्यम बना दिया है। जहां शराब विज्ञापन पर कानूनी रोक है, वहां कंपनियां रंगीन बोतलों और खूबसूरत बॉक्सों को ही प्रचार का तरीका बना लेती हैं। यह परोक्ष विज्ञापन है, जो कानून की भावना का उल्लंघन करता है और युवाओं को नशे की ओर ले जाता है। ऐसे में सादे, सरल और सामान्य पैकेजिंग की दिशा में कदम बढ़ाना आवश्यक है, ताकि शराब किसी 卐लक्ज़री उत्पाद卐 की तरह न दिखे, बल्कि उसका स्वरूप ही लोगों को चेतावनी देने वाला बने।

यह भी चिंताजनक है कि शराब उद्योग का उद्देश्य केवल बिक्री बढ़ाना है, भले ही उससे समाज कितना भी प्रभावित क्यों न हो। वे यह नहीं देखते कि शराब कितने घर बर्बाद कर रही है, कितने लोग बीमार हो रहे हैं और कितनी जिंदगियां संकट में हैं। इस मानसिकता के खिलाफ कानूनी कार्रवाई बेहद आवश्यक है। शराब की ग्लैमरस पैकेजिंग पर रोक लगाने से न केवल उपभोक्ताओं में जागरूकता बढ़ेगी, बल्कि समाज में नशामुक्ति की दिशा में एक महत्वपूर्ण वातावरण भी बनेगा। सरकारों के लिये राजस्व का बड़ा जरिया शराब है, इसलिये सरकारें भी शराब के खिलाफ खुलकर सामने नहीं आती। सुप्रीम कोर्ट की इस चेतावनी को केवल उद्योगों के लिए ही नहीं, बल्कि सरकार, समाज और परिवारों के लिए भी महत्वपूर्ण संदेश के रूप में देखा जाना चाहिए। शराब किसी भी रूप में स्वास्थ्य के लिए हानिकारक है और उसे आकर्षक बनाकर बेचना मानव जीवन के मूल्य को कम करना है। आज आवश्यकता है कि शराब की पैकेजिंग को नियंत्रित किया जाए, उसे सामान्य और गैर-आकर्षक बनाया जाए, स्पष्ट चेतावनियां लिखी जाएं और शराब को समाज में सम्मानजनक स्थान देने वाली प्रवृत्तियों पर रोक लगे। सरकार को भी स्वस्थ्य सुरक्षा को प्राथमिकता देते हुए ऐसे कानून बनाने चाहिए जो शराब उद्योग की विपणन चालों को सीमित करें।

आज शराब का प्रसार केवल स्वास्थ्य का संकट नहीं, बल्कि सामाजिक और सांस्कृतिक विघटन का बड़ा कारण बनता जा रहा है। शराब से जुड़े अपराधों और हिंसा की घटनाओं में चिंताजनक वृद्धि हुई है, विशेषकर महिलाओं के प्रति अत्याचार, घरेलू हिंसा, आर्थिक शोषण और मानसिक प्रताड़ना का बड़ा कारक शराब ही बन रही है। अनेक अध्ययन बताते हैं कि महिलाओं के खिलाफ होने वाली लगभग आधी हिंसक घटनाओं में शराब प्रमुख भूमिका निभाती है। नशे में धुत्त पुरुष अक्सर पारिवारिक तनाव, गुस्से और असंतुलन के कारण महिलाओं पर अत्याचार कर बैठते हैं, जिससे न केवल उनका आत्मसम्मान टूटता है बल्कि पूरा परिवार भय, असुरक्षा और अपमान के वातावरण में जीने को मजबूर हो जाता है। शराब का यह प्रभाव किसी एक वर्ग तक सीमित नहीं, बल्कि ग्रामीण से शहरी, गरीब से सम्पन्न वर्ग तक फैल चुका है और इसे अनदेखा करना अब समाज के लिए संभव नहीं।

चिंता का विषय यह भी है कि शराब अब केवल बार या नाइट क्लबों तक सीमित नहीं, बल्कि सामाजिक अवसरों-शादियों, जन्मदिनों, दफ्तर की पार्टियों, त्योहारों, यहां तक कि छोटे सामाजिक समारोहों में भी परोसी जाने लगी है। शराब को 'सामाजिकता का हिस्सा' और 'आधुनिकता का प्रतीक' बताकर जिस तरह से उसकी पैठ बढ़ाई जा रही है, वह एक खतरनाक सांस्कृतिक परिवर्तन का संकेत है। परिवारों में युवा पीढ़ी अपने बड़ों को शराब का उपभोग करते हुए देखकर इसे सामान्य मानने लगी है, जिससे किशोर अवस्था में ही शराब सेवन की शुरुआत हो जाती है। स्कूल-कॉलेज के छात्र फैशन, दबाव, दोस्तों की नकल और विज्ञापन जैसी पैकेजिंग के प्रभाव में आकर शराब की लत में डूब रहे हैं। यह पीढ़ी मानसिक एवं शारीरिक दोनों स्तर पर कमजोर होती जा रही है। शराब न केवल उनकी पढ़ाई, कैरियर एवं सोचने-समझने की क्षमता को नष्ट करती है, बल्कि भविष्य के परिवार एवं समाज की नींव तक को हिला देती है। इन बढ़ती चिन्ताओं का समाधान केवल कानून से नहीं, बल्कि सामाजिक जागरूकता, सांस्कृतिक पुनर्संयम और परिवारों में जिम्मेदार व्यवहार से ही संभव है।

समाज तभी सुरक्षित हो सकता है जब हम शराब को आकर्षण का नहीं, विनाश का प्रतीक मानें। उसकी पैकेजिंग में चमक-दमक नहीं, चेतावनी झलके। उसका सेवन आधुनिकता नहीं, दुर्बलता समझा जाए। यह चेतना तभी बढ़ेगी जब कानून भी कठोर होंगे और समाज भी सजग। सुप्रीम कोर्ट की चेतावनी इसी दिशा में एक गंभीर कदम है, अब सरकार और समाज की जिम्मेदारी है कि इसे वास्तविक सुधार में बदला जाए।

संपादकीय

त्रासदी की जवाबदेही

यह खबर विचलित करने वाली है कि दिल्ली में एक सोलह वर्षीय छात्र और जयपुर में एक नौ साल की छात्रा ने स्कूल की असहज स्थितियों के चलते आत्महत्या कर ली है। निस्संदेह, ये आत्महत्या की घटनाएं एक परेशान करने वाली सच्चाई को उजागर करती हैं। भारत के स्कूल, जिनका उद्देश्य बच्चों का पालन-पोषण और सुरक्षा करना है, तेज़ी से ऐसे स्थानों में बदल रहे हैं जहां क्रूरता, उपेक्षा और अनियंत्रित अधिकार बच्चों के जीवन को बर्बाद कर सकते हैं। ये त्रासदियां कोई असामान्य बात नहीं हैं; ये एक असफल व्यवस्था के लक्षण हैं। तीसरी भयावह घटना महाराष्ट्र के वसई की है जहां एक तेरह साल की छात्रा को किसी कारणवश स्कूल देर से पहुंचने पर शिक्षक ने अमानवीय सजा दी। छात्रा को स्कूल बैग के साथ सौ उठक-बैठक लगाने को बाध्य किया गया। यह तथ्य नजरअंदाज करते हुए कि वह एनीमिया से पीड़ित है। छात्रा कुछ देर के बाद बेहोश हो गई और कालांतर में उसकी मौत हो गई। निस्संदेह, एक छात्र व एक छात्रा की आत्महत्या और महाराष्ट्र के वसई में छात्रा की उठक-बैठक लगाने से हुई मौत एक परेशान करने वाली सच्चाई को उजागर करती है। स्कूल जिनका उद्देश्य छात्र-छात्राओं को पालन-पोषण और सुरक्षा करना था, वे बच्चों के जीवन पर संकट की वजह बन रहे हैं। वहां शिक्षकों की संवेदनहीनता, उपेक्षा और सख्त व्यवहार कई बच्चों का जीवन बर्बाद कर सकते हैं। ये त्रासदियां असामान्य बात नहीं, ये हमारी शिक्षा व्यवस्था की असफलता की कहानी कहती है। दिल्ली में, मेट्रो स्टेशन से छलांग लगाने वाले किशोर ने अपने शिक्षकों के हाथों अपमान का हृदय विदारक वर्णन करते हुए एक पत्र छोड़ा है। उसके माता-पिता ने छात्र के उत्पीड़न का आरोप शिक्षकों पर लगाया है। उनका आरोप है कि उसे छोटी-छोटी बात पर डांटा गया, निष्कासन की धमकी दी गई और सहपाठियों के सामने मजाक उड़ाया गया। आत्महत्या करने वाले छात्र के अभिभावकों द्वारा प्राथमिकी में बताया गया कि छात्र ने मन में आने वाले आत्महत्या के विचार से काउंसलर को अवगत कराया था। लेकिन शिक्षकों ने न तो माता-पिता को सूचित किया और न ही उसे इस दिशा में सोचने से रोकने के लिये कोई सलाह दी गई। निश्चित रूप से जब कोई छात्र अपनी किसी गंभीर समस्या का जिक्र करता है तो ऐसे में उदासीनता हिंसा का एक रूप ही कही जाएगी। वहीं दूसरी ओर जयपुर में नौ वर्षीय छात्रा की मौत के मामले में सीबीएसई की जांच में संस्थागत उदासीनता का आरोप लगाया है। बताया जाता है कि पिछले 18 महीने से छात्रा अन्य छात्राओं द्वारा परेशान की जा रही थी। जिस दिन छात्रा ने आत्महत्या की, उस दिन वह अपनी सहपाठियों द्वारा लिखी गई, अश्लील सामग्री से स्पष्ट रूप से व्यथित होकर 45 मिनट में पांच बार अपनी शिक्षिका के पास शिकायत लेकर गई थी। शिक्षिका ने उसकी दलीलों को खारिज कर दिया और उलटा उसे ही डांटा। निश्चित रूप से शिक्षिका ने छात्रा की देखभाल के अपने कर्तव्य का उल्लंघन किया। कमोबेश वसई की घटना भी शिक्षक की घोर संवेदनहीनता को ही दर्शाती है, जिसने एनीमिया से पीड़ित छात्रा से बैग के साथ सौ उठक-बैठक लगवाई। हालांकि, शिक्षक को गैर-इरादतन हत्या के आरोप में गिरफ्तार कर लिया गया है, लेकिन छात्रा का जीवन वापस नहीं लौटाया जा सकता। निश्चित रूप से तीन राज्यों में तीन विद्यार्थियों की मौत हमारी संवेदनहीन व्यवस्था को ही दर्शाती है। दरअसल, आज स्कूल में बच्चों की सुरक्षा के लिये कारगर कानून के अलावा भावनात्मक संकट की रिपोर्टिंग अनिवार्य करने की जरूरत है। स्कूलों में प्रशिक्षित परामर्शदाता होने चाहिए। साथ ही किसी बच्चे के भावनात्मक व शारीरिक शोषण रोकने के लिये सख्त दंड की व्यवस्था भी होनी चाहिए।

बिहार में आखिर नीतीश कुमार मुख्यमंत्री क्यों बने?

(लेखक- संजय गोस्वामी)

बिहार में सारी राजनीती में शतरंज के खेल में शह और मात में आखिर बीजेपी 2025 में सबसे बड़े दल 89 सीट लाकर भी अपना मुख्य मंत्री क्यों नहीं बना पाई इसकी खास वजह है। एनडीए में केंद्र में आंध्रप्रदेश के मुख्यमंत्री श्री चंद्राबाबू नायडू की अहम भूमिका थी। चुनाव के बाद चंद्रबाबू नायडू के बेटे नारे लोकेश पटना,इसलिए पहुंचे की कहीं बिहार में जेडूयू को तोड़कर या जेडीयू को छोड़कर बहुमत का आंकड़ा लेकर बड़ी पार्टी के नाते बीजेपी अपना सीएम का दावा राज्यपाल को न सौंप दें,और बीजेपी अपना मुख्यमंत्री न बना लें, 2024 के लोकसभा चुनाव के बाद जो सरकार बनाने की परिस्थिति थी ।उसमें बीजेपी बहुमत के आंकड़ो के साथ सरकार न बना लें क्योंकि उसके 89 विधायक थे सरकार बनाने हेतु 122 का नम्बर चाहिए था। जिसमें 19 चिराग पासवान के और हम के 5 और उपेंद्र कुशवाहा के 4 विधायक थे यानि कुल 28 की संख्या थी 89 में 28 जोड़ने से 117 विधायक थे सिर्फ 5 विधायक तो चाहिए था जिसमें बसपा का 1 आई आई सी का 1 1निर्दलीय और 3 तो हो गया बाकी तो बहुमत साबित के समय एआईएमआईएम के 5 विधायक उपस्थित ही नहीं होते,तो सरकार तो बीजेपी की बन ही जाती इसलिए एआईएमआईएम के प्रमुख ओबैसी को डर लगने लगा और चुनाव परिणाम के बाद नीतीश कुमार को सीएम के सवाल पर बीजेपी की खामोशी से ये पता चल रहा था कि , बीजेपी नीतीश कुमार को बिहार के मुख्यमंत्री बनाने के मूड में नहीं है क्योंकि राज्य पाल भी उनके पार्टी का ही है, और महाराष्ट्र में उनका प्रयास भी सरकार बनाने में सफल रहा था जानकारी के अनुसार इसलिए चंद्रा बाबू नायडू से नीतीश ने सहयोगी दल होने के नाते सपोर्ट माँगा और वो नीतीश कुमार को मुख्य मंत्री बनाने के लिए अड़ गए थे क्योंकि उन्हें भी अपने राज्य में भविष्य में टी डी पी को सत्ता में बनाए रखना है ।इसलिए सारी राजनीती गतिविधियों की जानकारी के लिए उनके पुत्र पटना में थे, ताकि यदि बीजेपी क़ोई चाल चले तो केंद्र में उनके 15 सांसद और 12 सांसद जेडीयू के केंद्र में समर्थन वापस ले लेती,और जानकारों के अनुसार केंद्र में सरकार का गिरना तय था, क्योंकि शिव सेना के शिंदे गुट के भी 6 सांसद भी इधर महाराष्ट्र की सियासत से निकाय चुनाव और पार्टी तोड़ने को लेकर खुश नहीं थे। ऐ सब यदि समर्थन वापस लेते तो केंद्र में सरकार गिर सकता था, क्योंकि जब बहुमत साबित होना रहता है तो बीजेपी के भी 240 सासंद में कितने गैरहाजिर रहते ऐ भी एक प्रश्नचिन्ह था। क्योंकि कुछ तो नाराजगी पार्टी के अंदर है चूँकि अटलजी के समय जब एआईआईडीमके के प्रमुख ने 1998 में अटलजी के सरकार से समर्थन वापस लेकर अविश्वास प्रस्ताव लाया था, तो 1वोट से सरकार गिर गई थी इसलिए बीजेपी सेंटर में क़ोई रिश्क नहीं लेना चाहती थी इसलिए नीतीश कुमार बाल बाल बचे और मुख्यमंत्री बनने में कामयाब हुए इधर जेडीयू ने अपने सहयोगी दल को ऐ समझाने में कामयाब हुए की यदि मैं यानी नीतीश सरकार बिहार में नहीं रहूँगा तो आपकी पार्टी तो छोटी छोटी है और बीजेपी उसे आसानी से तोड़ देगी,यही कारण था कि जो बीजेपी ने नीतीश कुमार को सीएम पद का ऐलान नहीं कर पा रही थी क्योंकि उसे लगा कि 89 सीट लाकर राज्यपाल बड़े दल के रूप में सरकार बनाने के लिए आमंत्रित करेंगी, इसलिए नीतीश ने सबको समझाया आप भले ही पार्टी का नेतृत्व कर रहें हैं लेकिन विधायक तो पाला बदल सकते हैं, इसलिए पहले ही चिराग पासवान, जितन राम मांझी, और उपेंद्र कुशवाहा ने एनडीए की बैठक से पहले ही बिहार के मुख्यमंत्री पद के लिए नीतीश कुमार का ऐलान कर दि थी,क्योंकि 2020 में वीआईपी तो एनडीए के साथ थी बाद में विधायक तोड़ने के बाद महागठबंधन में चले गए और इस बार के चुनाव में महागठबंधन में उप मुख्यमंत्री के पद का भी मुकेश सहनी ने करवा दिया। अब चुनाव के बाद जिस तरह बिहार में डिप्टी सीएम सम्राट चौधरी को गृह मंत्री का पद मिला है, इससे ऐ लगता है कि अभी भी खेल ख़त्म नहीं हुआ क्योंकि विपक्ष के नेता तेजस्वी यादव इसपर सवाल कर रहें हैं कि नीतीश सरकार से 20 साल बाद गृह मंत्रालय लेकर भाजपा उन्हें कमजोर कर दि है, सम्राट चौधरी पहले आरजेडी में थे बाद में 2023 में अचानक बीजेपी में प्रदेश अध्यक्ष की हैसियत से पार्टी में आएं जबकी प्रशांत किशोर की डिजिटल टीम ने शिल्पी मर्द केस पर सम्राट चौधरी का नाम जोड़ा था और उसको लेकर आर के सिंह ने भी सवाल उठाये थे, बाद में उन्हें पार्टी से 6 साल के लिए निलंबित कर दिया दरअसल सम्राट चौधरी का अहम रोल 2024 में जब आरजेडी से जे डी यू ने समर्थन वापस लेकर विधायक के जोड़ तोड़ और तेजस्वी यादव का विधायक को अपने आवास में कैद कर उनके घर से विधायक को उठाकर कहीं रास्ते से पकड़ कर जिसमें बीजेपी बाद में विधानसभा में बहुमत साबित करने में पहले स्पीकर को हटाया और बाद में बहुमत साबित किया ऐ बिल्कुल वैसा ही था जब 2018 के महाराष्ट्र के चुनाव में बीजेपी और शिव सेना के बीच मुख्यमंत्री पद को लेकर तकरार हुआ और एक दिन देवेंद्र फड़नवीस और अजीत पवार ने मिलकर राजभवन में मुख्य मंत्री और अजीत पवार ने उप मुख्यमंत्री पद की शपथ तो ले ली लेकिन बाद में शिव सेना के विधायक, एनसीपी और कांग्रेस ने मिलकर सरकार बनाने का दावा पेश किया और बहुमत सिद्ध होने तक सारे विधायक एक होटल से दूसरी होटल में शिफ्ट होते गए हालांकि 2022 में शिव सेना में एक नाथ शिंदे की बगावत के बाद उसकी सरकार गिर गई, आज ऐ स्थिति है कि ना तो शिंदे सरकार में संतुष्ट नजर आ रहें हैं और ना हि उद्धव ठाकरे को उनका निर्णय सही लग रहा है इससे जो क्षेत्रीए पार्टी है ।उसमें गलत मैसेज गया जिसदिन बीजेपी को जेडीयू के सहयोग से सरकार बनानी थी। ठीक उस रात सम्राट चौधरी ने रात भर अपने विधायक की घेरा बंदी कर रहें थे अतः उस समय सम्राट चौधरी ने बीजेपी के विधायक को डराया था,और लगता है कि इन सबके कारण गृहमंत्री का इनाम मिला, लेकिन उनके बोल चाल से मालूम होता है ,की छवि बीजेपी के अच्छे नेताओं में नहीं है जैसे दूसरे डिप्टी सी एम विजय कुमार सिन्हा हैं, क्योंकि वो बीजेपी के कार्यकर्ता के रूप में जमीन से जुड़े हैं, दरअसल सम्राट चौधरी, पूर्व मंत्री बिहार सरकार शकुनि चौधरी के पुत्र हैं जो आरजेडी के कट्टर नेता थे। अतः आदमी का स्वभाव कुछ दिनों में नहीं बदलता है उसके लिए परिवार में आप किस तरह पले बढ़े उस पर निर्भर करता है।

अहिंसा का स्वरूप

सामान्यतः अहिंसा को निषेधार्थक माना जाता है। 'न हिंसा -अहिंसा'- हिंसा का अभाव अहिंसा है, यह इसकी एकांगी परिभाषा है। इसको सर्वांगीण रूप से परिभाषित करने के लिए इसके विधेयार्थ और निषेधार्थ दोनों को समझना जरूरी है। किसी प्राणी के प्राणों का वियोजन नहीं करना, इस सूत्र का हिंसा के संदर्भ में जितना मूल्य है, उससे भी अधिक मूल्य है किसी भी प्राणी के प्रति अनिष्ट चिंतन के बहिष्कार का।

असत् विचार हिंसा है। असत् वचन सा है। जितना कुछ झूठ बोला जाता है, वह हिंसा की प्रेरणा से ही बोला जाता है। असत् चिंतन और असत् वाणी की तरह असत् व्यवहार मात्र हिंसा है, चाहे वह किसी के भी प्रति हो। मनुष्य की प्रवृत्ति सत् और असत् दोनों प्रकार की होती है। जिस प्रवृत्ति के साथ असत् शब्द का योग हो जाता है, वह हिंसा-संवलित ही होती है।

दूसरों के प्रति द्वेष की भावना, ईष्या, उन्हें गिराने का मनोभाव और उनकी बढ़ती हुई प्रतिष्ठा को रोकने के सारे प्रयत्न हिंसा में अंतर्गर्भित हैं। दूसरों के मन में भय उत्पन्न करना, उनके सामने दुखद परिस्थितियां उभार देने, उनके विकास के मार्ग में बाधा पहुंचाना आदि प्रवृत्तियां भी हिंसा की परिधि में समाविष्ट हैं। इन प्रवृत्तियों का सर्वथा निरोध अहिंसा का आदर्श है। यह अहिंसा का नेगेटिव पक्ष है।

अपने पॉजिटिव पक्ष में अहिंसा समता, मैत्री, संयम आदि उदात्त वृत्तियों से अनुबंधित है। यहां अहिंसा का वाच्यार्थ न मारने तक की सीमा में आबद्ध नहीं है। जहां यह प्रतिबद्धता जुड़ जाती है, अहिंसा का व्यापक अर्थ एक छोटे-से संदर्भ में समा जाता है। समता का धरातल असीम है। मैत्री की पौध इसी धरातल पर फली-फूली रह सकती है। इससे आत्मौपम्य की भावना जागृत होती है। आत्मतुला की बुद्धि से प्रेरित व्यक्ति कही अहिंसा को समझ सकता है और उसका पालन कर सकता है। जो व्यक्ति छोटे और बड़े, अनुकूल और प्रतिकूल हर प्राणी के प्रति समत्व बुद्धि का विकास करता है, वह अहिंसक होता है।

विचार मंथन

देश में नई श्रम संहिता लागू, 29 श्रम कानून के बदले अब 4 कानून

(लेखक- सनत जैन)

भारत सरकार ने शुक्रवार को लेबर संहिता के चार जो नए कानून तैयार किए हैं, उनको अधिसूचित कर दिया गया और अब ये देशभर में लागू हो गए हैं। इनके अनुसार ही अब कर्मचारियों को न्यूनतम वेतन की गारंटी दी गई है। ओवरटाइम भी वेतन से दो गुना देना होगा। एक साल काम करने के बाद अब कर्मचारियों को ग्रेच्युटी का लाभ मिल सकेगा। 40 साल की उम्र पूरी कर चुके श्रमिकों के लिए अब मुफ्त हेल्थ चेकअप कराने की जिम्मेदारी नियोक्ताओं पर डाली गई है। सरकार ने दावा किया है, कि 1920 से लेकर 1950 के बीच में देश में 29 श्रम कानून लागू थे, अब उन कानून को समाप्त कर दिया गया है। सोशल सिक्योरिटी कोड, इंडस्ट्रियल रिलेशंस कोड, वेजेस कोड और ऑक्यूपेशनल सेफ्टी हेल्थ एंड वर्किंग कंडीशंस कोड के नाम से नए कर कानून बनाए गए हैं। इनके जरिए अब किसी भी क्षेत्र का श्रमिक हो उसे इन कानून का लाभ मिलेगा। श्रमिकों में महिला और पुरुषों के बीच का भेद-भाव समाप्त किया गया है। अब दोनों को समान वेतन मिलेगा। ओवरटाइम करने पर वेतन का दोगुना भुगतान, नियौक्ता को करना अनिवार्य किया गया है। कर्मचारियों को हर माह की 7 तारीख तक अनिवार्य रूप से भुगतान प्राप्त हो, इसका भी प्रावधान नए कानून में किया गया है। श्रमिकों के लिए पीएफ, ग्रेजुएटी और सामाजिक सुरक्षा का प्रावधान भी किया गया है। नए कानून के अनुसार अब किसी कर्मचारी का वेतन रोका नहीं जा सकेगा। 26 हफ्ते की गर्भवती महिलाओं को मैटरनिटी लीव देना अनिवार्य किया गया है। वर्क फ्रॉम होम की सुविधा को भी अब कानून बनाया गया है। महिला के निर्भर परिवारजनों में अब सास-ससुर को भी शामिल कर दिया गया है। महिला चाहे तो वह अपने सास-ससुर को शामिल करने का विकल्प चुन सकती है। श्रमिकों की सुरक्षा के दायरे को बढ़ाया गया है। अभी तक 10 से कम कर्मचारी वाली इकाई पर श्रम कानून लागू नहीं होते थे, लेकिन अब इन पर भी श्रम कानून लागू होंगे। संस्थाओं को पांच फ़ीसदी राशि सोशल सिक्योरिटी फंड में देने का प्रावधान किया गया है। दुर्घटना रोजगार संबंधी और अन्य मामलों में वेलफेयर बेनिफिट्स लागू किए जाएंगे। यदि कर्मचारी माइग्रेट होता है तो ऐसी स्थिति में भी उसके अधिकार सुरक्षित किए गए हैं। श्रमिकों के लिए कार्यस्थल पर कैंटीन, पानी पीने की व्यवस्था और आराम इत्यादि का भी प्रावधान किया गया है। श्रमिकों के लिए पेड लीव की व्यवस्था भी श्रम कानून में की गई है। श्रम कानून में तीन नई परिभाषाओं को जोड़ा गया है। फिक्स्ड टर्म अपॉइंटमेंट, इसमें कर्मचारियों को एक निश्चित अवधि के लिए रखने की व्यवस्था है। अवधि समाप्त होने के बाद नौकरी खत्म हो जाएगी। श्रमिकों के लिए देश भर में न्यूनतम वेतनमान तय किया गया है। कोई भी राज्य इससे कम वेतन फिक्स नहीं करेगा। आवश्यक होने पर वह वेतनमान को ज्यादा कितना भी कर सकता है।

राष्ट्रीय स्तर पर बनाए गए सेफ्टी और हेल्थ स्टैंडर्ड को सारे देश में एक साथ लागू किया जा रहा है। सरकार ने श्रम कानून में जो परिवर्तन किए हैं उसमें श्रमिकों के लिए जो अच्छे प्रावधान किए हैं उनका प्रचार-प्रसार जोर-जोर से किया जा रहा है, लेकिन पुराने श्रम कानून में जिस तरह के अधिकार श्रमिकों को प्राप्त थे वह अधिकार नए कानून में खत्म कर दिए गए हैं। अब कर्मचारियों को नियोक्ता अपनी सुविधा अनुसार कांटेक्ट के आधार पर रख सकेंगे। नियम तो पहले भी बने हैं, लेकिन नियमों का पालन श्रमिकों के लिए हो नहीं पता है। पिछले 75 वर्षों में श्रमिकों की समस्याओं के लिए बहुत सारी विशेष अदालतें भी काम कर रहीं थीं, लेकिन इनसे बड़े स्तर पर कर्मचारियों को कोई लाभ मिला हो ऐसा देखने में नहीं आता है। श्रम कानूनो का पालन कराने के लिए सरकार ने प्रत्येक राज्य में बड़ी संख्या में अधिकारियों और इंस्पेक्टर्स की नियुक्ति कर रखी है, लेकिन वह सब कर्मचारियों के स्थान पर नियुक्ताओं की ज्यादा फिक्र करते हैं। नियुक्ताओं द्वारा उनकी जेब को भारी कर दिया जाता है जिसके कारण नियम कानून होते हुए भी पिछले 75 वर्षों से भारत के श्रमिक नियोक्ता की मर्जी और भगवान के भरोसे ही काम कर रहे थे। सरकार ने श्रम कानून में जो परिवर्तन किया है वह अंतरराष्ट्रीय दबाव में किया है। अंतरराष्ट्रीय स्तर पर श्रम कानून के बन जाने के बाद कर्मचारियों की नियुक्ति और काम के बारे में पारदर्शिता बन गई है, लेकिन लंबे समय तक कर्मचारियों की नौकरी सुरक्षित रहेगी इस बात की अब कोई गारंटी नहीं है। औद्योगिक संस्थानों में या बड़ी कंपनियों में जो कर्मचारी नियुक्त हो जाते थे वह नौकरी जॉइन करने से लेकर सेवानिवृत्ति तक कंपनी में काम करते रहते थे, लेकिन नए कानून में अब वह सुविधा खत्म हो गई है।

भारत में भी अब काम की संतुष्टि और एक समय सीमा के लिए कर्मचारियों को नियुक्त किया जाएगा, जैसे ही समय सीमा खत्म हो जाएगी वैसे ही नियोक्ता की जिम्मेदारी भी खत्म हो जाएंगे। भारत जैसे देश में इसमें श्रमिकों का भविष्य असुरक्षित हो जाएगा। अब नियोक्ता पर निर्भर होगा कि वह कर्मचारियों को रखना चाहें, उनकी समय सीमा का नवीनीकरण करें या नहीं, ऐसे में श्रमिकों को अब कितने दिन काम मिलेगा या उनका भविष्य क्या होगा अब यह सुरक्षित नहीं रहेगा। श्रमिकों को लेकर जो नए कानून बने हैं उसमें लाभ कम और नुकसान ज्यादा हैं। सरकार छोटे, मध्यम और बड़े सभी को एक ही कानून से हांकने जा रही है।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

इंडियन यूजर्स को झटका, एप्पल ने आईफोन 17 सीरीज पर बैंक कैशबैक ऑफर घटाया

नई दिल्ली।

एप्पल ने इंडियन यूजर्स को तगड़ा झटका दिया है। अगर आप आईफोन 17 सीरीज के किसी आईफोन को खरीदने की सोच रहे हैं, तो आपको अब पहले वाला बैंक कैशबैक ऑफर नहीं मिलेगा। एक रिपोर्ट के मुताबिक एप्पल अपनी नई आईफोन 17 सीरीज पर बैंक कैशबैक ऑफर में भारी कटौती कर रहा है। अब ऑफर 6 हजार रुपए से घटाकर सिर्फ एक हजार रुपए कर दिया है। इससे इंडियन बायर्स के लिए ये नए मॉडल और भी महंगे हो गए हैं। यह बदलाव ऐसे समय किया गया है जब आईफोन 17 का बेस मॉडल ग्लोबल सप्लाई की भारी कमी के कारण ई-कॉमर्स प्लेटफॉर्म और ऑफलाइन रिटेल स्टोर्स पर या तो काफी हद तक स्टॉक से बाहर हैं या स्टॉक लिमिटेड है। रिवाइज्ड कैशबैक स्ट्र• र 22 नवंबर से लागू हो गया है।

रिपोर्ट के मुताबिक जीरो-कॉस्ट ईएमआई प्लान में भी बदलाव किए जाएंगे। मनी कंट्रोल की रिपोर्ट में सूत्रों के हवाले से बताया है कि कैशबैक कम करने का एप्पल का फैसला सीधे तौर पर सप्लाई-चेन की मौजूदा बाधाओं से जुड़ा है, जिसने भारत समेत दुनिया भर में डिमांड और सप्लाई में असंतुलन पैदा कर दिया है। थैंक्सगिविंग सेल में अमेरिका और लूनर न्यू ईयर से पहले चीन जैसे प्रमुख बाजारों में फेस्टिव डिमांड बढ़ने के साथ एप्पल के इन क्षेत्रों में और ज्यादा इन्वेंट्री भेजने की उम्मीद है।

बता दें यही कारण है कि बेस आईफोन 17 खास तौर से 256जीबी और 512जीबी वाले वेरिएंट को ऑफलाइन रिटेल चैनल्स के साथ फ्लिपकार्ट और अमेजन पर भारी कमी का सामना करना पड़ रहा है। इस मामले के जानकार ने कहा कि सप्लाई-चेन की समस्याओं के कारण ग्लोबल शॉर्टेज के बावजूद दिवाली सीजन के लिए एक्सट्रा सप्लाई थी। अब, उन अन्य बाजारों को प्राथमिकता दी जा रही है जहां त्योहारी मौसम शुरू हो रहा है। दिसंबर तक आपूर्ति की स्थिति स्थिर होने की उम्मीद है। एप्पल ने कैशबैक ऑफर के बारे में अभी कोई बयान नहीं दिया है। हालांकि कंपनी की वेबसाइट पर लिखा है- एप्पल बिना किसी

सूचना के किसी भी समय इन नियमों और कैशबैक ऑफर को खत्म करने का अधिकार शर्तों को बदलने, विस्तारित करने या इंस्टेंट रखता है।

टाटा पावर ने भूटान परियोजना में एसपीवी में 40 प्रतिशत हिस्सेदारी खरीदी

- कंपनी ने ग्रीन पावर कॉर्पोरेशन के साथ वाणिज्यिक समझौते पर हस्ताक्षर किए

नई दिल्ली। टाटा पावर ने कहा कि उसने भूटान के एक विशेष उद्देशीय कोष (एसपीवी) में 1,572 करोड़ रुपये में 40 प्रतिशत हिस्सेदारी खरीदने के लिए डुक ग्रीन पावर कॉर्पोरेशन के साथ वाणिज्यिक समझौते पर हस्ताक्षर किए हैं। इसके तहत 1,125 मेगावाट की दोर्जिलुंग जलविद्युत परियोजना स्थापित की जानी है। दोर्जिलुंग भूटान की दूसरी सबसे बड़ी पनबिजली परियोजना होगी, और यह देश में अब तक सबसे बड़ी सार्वजनिक-निजी साझेदारी (पीपीपी) वाली परियोजना होगी।समझौते के तहत टाटा पावर ने तय ढांचे के अनुसार किस्तों में लगभग 1,572 करोड़ रुपये का इक्विटी निवेश करने का वादा किया है।यह परियोजना सितंबर 2031 में चालू होने वाली है, और इसका 80 प्रतिशत उत्पादन भारत को आपूर्ति किया जाएगा। इससे इलाके की ऊर्जा सुरक्षा और साफ बिजली की उपलब्धता को काफी बढ़ावा मिलेगा। इस परियोजना को विश्व बैंक का समर्थन है।इस रियायती समझौते पर थिम्पू में टाटा पावर के सीईओ और एमडी प्रवीर सिन्हा और डुक ग्रीन पावर कॉर्पोरेशन लिमिटेड (डीजीपीसी) के प्रबंध निदेशक दाशो छेवांग रिनजिन ने भूटान के प्रधानमंत्री ल्योंछेन शेरिंग तोबगे की मौजूदगी में हस्ताक्षर किए।

इस हफ्ते सोने और चांदी की कीमतों में गिरावट रही

- सोने में 1,648 रुपए और चांदी में 8,238 रुपए की कमी दर्ज की गई

नई दिल्ली। इस हफ्ते सोने और चांदी की कीमतों में गिरावट देखने को मिली है। इंडिया बुलियन एंड ज्वैलर्स एसोसिएशन (आईबीजेए) के अनुसार 15 नवंबर को 24 कैरेट सोना 1,24,794 रुपए प्रति 10 ग्राम पर था, जो 22 नवंबर तक घटकर 1,23,146 रुपए पर आ गया। इस तरह हफ्तेभर में सोने में 1,648 रुपए की गिरावट हुई। वहीं चांदी में गिरावट और अधिक रही, 15 नवंबर को चांदी 1,59,367 रुपए प्रति किलोग्राम पर थी, जो घटकर 1,51,129 रुपए रह गई। यानी चांदी में हफ्तेभर में 8,238 रुपए की कमी हुई। गौरतलब है कि अक्टूबर में सोना 1,30,874 रुपए और चांदी 1,78,100 रुपए के स्तर पर पहुंचकर ऐतिहासिक उच्च स्तर पर थी। आईबीजेए के भाव में 3 फीसदी जीएसटी, मेकिंग चार्ज और ज्वेलर्स मार्जिन शामिल नहीं होते, इसलिए शहरों में सोने के भाव अलग हो सकते हैं। आरबीआई के सॉवरेन गोल्ड बॉन्ड और कई बैंकों के गोल्ड लोन वैल्यूएशन इन रेट्स के आधार पर तय होते हैं। विशेषज्ञों के अनुसार, सोने और चांदी की कीमतों में अंतरराष्ट्रीय कारकों के कारण उतार-चढ़ाव जारी रह सकता है। सोने की कीमतों में गिरावट के मुख्य कारण हैं» अमेरिकी डॉलर का लगातार मजबूत होना, फेड की दिसंबर रेट-कट की उम्मीदों में कमी, अमेरिका की नॉन-फार्म पेरोल रिपोर्ट में देरी से बाजार में अनिश्चितता, जापान के कैरी-ट्रेड अनवाइंडिंग की चिंता, और अमेरिका की तकनीकी कंपनियों के मजबूत रिजल्ट के चलते निवेशकों का शेयर बाजार की ओर रुख। हालांकि, देश में शादी का पीक सीजन शुरू होने से घरेलू मांग मजबूत बनी हुई है। इससे उम्मीद है कि सोने की कीमतें जल्द ही 1.25 लाख रुपए प्रति 10 ग्राम के करीब लौट सकती हैं।

भारतीय शेयर बाजार में इस सप्ताह मिलाजुला रुख रहा

- सेंसेक्स और निफ्टी में मजबूती के बाद गिरावट दर्ज की गई

मुंबई।

भारतीय शेयर बाजार ने इस सप्ताह मिश्रित रुख प्रदर्शित किया। कंपनियों की दूसरी तिमाही की मजबूत आय रिपोर्ट और निवेशकों की लिवाली के चलते सप्ताह की शुरुआत बढ़त के साथ हुई, जबकि वैश्विक बाजारों में कमजोरी और मुनाफावसूली के चलते सप्ताह के अंत में गिरावट देखी गई। सप्ताह की शुरुआत में निवेशकों का उत्साह उच्च रहा। बीएसई सेंसेक्स सुबह के कारोबार में 234.42 अंक की बढ़त के साथ 84,797. 20 पर खुला और 388.17 अंक उछलकर 84,950.95 पर बंद हुआ। एनएसई निफ्टी ने भी 56.10 अंक की बढ़त के साथ 25,966.15 पर खुलकर 103.40 अंक ऊपर होकर 26,013.45 पर बंद किया। विशेषज्ञों का मानना है कि कंपनियों की बेहतर आय प्रदर्शन ने निवेशकों का विश्वास बढ़ाया। वैश्विक बाजारों में कमजोरी और मुनाफावसूली के दबाव के कारण मंगलवार को सेंसेक्स 292.95 अंक गिरकर 8 4,658 पर और निफ्टी 83.3 अंक गिरकर 25,930.15 पर खुला। दिन के अंत में सेंसेक्स 277.93 अंक की गिरावट के साथ 84,673.02 और निफ्टी 103.40 अंक गिरकर 25,910.05 पर बंद हुआ। रुपये में अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 8 पैसे की गिरावट दर्ज की गई। बुधवार को बाजार ने रिकवरी दिखाई। सेंसेक्स 513.45 अंक बढ़कर 85,18 6.47 और निफ्टी 142.60 अंक की बढ़त के साथ 26,052.65 पर बंद हुआ। गुरुवार को भी सेंसेक्स 446.21 अंक बढ़कर 85,632. 68 और निफ्टी 139.50 अंक ऊपर होकर 26,192.15 पर बंद हुआ। इस दौरान निवेशकों का रुझान बड़े शेयरों और मजबूत कंपनियों की ओर रहा। सप्ताह के अंतिम कारोबारी दिन सेंसेक्स 400.76 अंक गिरकर 8

5,231.92 और निफ्टी 124 अंक की गिरावट के साथ 25,068.15 पर बंद हुआ। विशेषज्ञों का कहना है कि वैश्विक बाजारों के दबाव और मुनाफावसूली के चलते बाजार सप्ताह के अंत में कमजोर हुआ। बाजार के जानकारों का कहना है कि सप्ताह भर भारतीय शेयर बाजार ने उतार-चढ़ाव देखा। मजबूत आय रिपोर्ट और निवेशकों की खरीदारी ने मध्य सप्ताह तक बाजार को हरे निशान में रखा, जबकि वैश्विक दबाव और मुनाफावसूली के चलते सप्ताह का अंत लाल निशान पर हुआ।

सेबी करने जा रहा है बाजार नियमों की बड़ी समीक्षा

- म्यूचुअल फंड ब्रोकरेज शुल्क में बदलाव पर होगा पुनर्विचार

नई दिल्ली । बाजार नियामक भारतीय प्रतिभूति एवं विनिमय बोर्ड (सेबी) ब्रोकरों और म्यूचुअल फंडों को नियंत्रित करने वाले पुराने नियमों में व्यापक बदलाव की तैयारी कर रहा है। 1990 के दशक में बने ये नियम वर्तमान बाजार संरचना के अनुरूप नहीं माने जा रहे, इसलिए सेबी 17 दिसंबर को होने वाली बोर्ड बैठक में इन्हें अपडेट करने पर निर्णय ले सकता है। इस पहल के तहत सेबी का उद्देश्य बाजार ढांचे को अधिक पारदर्शी, गतिशील और निवेशक-अनुकूल बनाना है। सेबी म्यूचुअल फंडों द्वारा नकदी बाजार में दिए जाने वाले ब्रोकरेज शुल्क की सीमा में प्रस्तावित कटौती पर भी पुनर्विचार कर रहा है। नियामक पहले इस सीमा को 12 आधार अंक से घटाकर 2 आधार अंक करने की योजना बना रहा था। हालांकि, अब उसका मानना है कि इतनी बड़ी कटौती से स्वतंत्र इक्विटी अनुसंधान पर नकारात्मक असर पड़ सकता है, जो बाजार की दक्षता के लिए महत्वपूर्ण है। वरिष्ठ अधिकारियों के अनुसार, शुरुआत में लगा था कि लागत कम होने से निवेशकों को लाभ मिलेगा, लेकिन संभावित साइड इफेक्ट को ध्यान में रखते हुए सेबी अपने रुख पर दोबारा विचार कर रहा है। बढ़ती एफएंडओ (फ्यूचर्स एंड ऑप्शंस) गतिविधियों के बीच नकदी बाजार को अधिक सं य बनाने पर भी सेबी की नजर है। नियामक ऐसे उपायों पर काम कर रहा है, जिनसे नकदी श्रेणी में शॉर्ट सेलिंग और अन्य ट्रेडिंग गतिविधियों को बढ़ावा मिले, ताकि बाजार में संतुलित भागीदारी सुनिश्चित की जा सके।

सरकार ने चार श्रम संहिताएं लागू कीं

- श्रमिक कल्याण और सुरक्षा में बड़ा बदलाव

नई दिल्ली। केंद्र सरकार ने एक ऐतिहासिक कदम उठाते हुए संसद द्वारा पारित चारों श्रम संहिताओं को तत्काल प्रभाव से लागू करने की घोषणा कर दी है। लगभग पांच वर्ष पहले 29 मौजूदा श्रम कानूनों में सुधार कर इन्हें चार व्यापक श्रम संहिताओं वेतन संहिता, औद्योगिक संबंध संहिता, सामाजिक

सुरक्षा संहिता और व्यावसायिक सुरक्षा, स्वास्थ्य व कार्य स्थिति संहिता के रूप में एकीकृत किया गया था। सरकार का कहना है कि इन संहिताओं का उद्देश्य श्रमिकों के हितों की रक्षा करना और श्रम व्यवस्था को बदलती कार्य परिस्थितियों के अनुरूप आधुनिक बनाना है। नई श्रम संहिताओं के तहत देश के सभी नियोक्ताओं के लिए प्रत्येक श्रमिक को नियुक्ति पत्र जारी करना अनिवार्य होगा। इसके साथ ही गिग और प्लेटफॉर्म कामगारों सहित संपूर्ण श्रमबल को सामाजिक सुरक्षा कवरेज उपलब्ध कराना होगा। न्यूनतम मजदूरी का भुगतान सुनिश्चित करने के अलावा 40 वर्ष से अधिक आयु के श्रमिकों के लिए मुफ्त वार्षिक स्वास्थ्य जांच भी अनिवार्य की गई है। महिलाओं को रात की पाली में काम करने की अनुमति देने के साथ कर्मचारियों राज्य बीमा लाभों का दायरा भी देशव्यापी किया गया है। ठेके पर तय अवधि के लिए काम करने वाले कामगार अब स्थायी श्रमिकों के समान सभी लाभों के पात्र होंगे और उन्हें पांच साल की बजाय केवल एक वर्ष बाद ग्रेच्युटी प्राप्त करने का अधिकार होगा।

बजट 2026-27 : वित्त मंत्री ने इंफ्रास्ट्रक्चर व ऊर्जा क्षेत्र के विशेषज्ञों के साथ की बैठक

- बैठक में उद्योग विशेषज्ञों और सरकारी शीर्ष अधिकारियों ने भाग लिया

नई दिल्ली (। वित्त वर्ष 2026-27 के केंद्रीय बजट की तैयारियों को गति देते हुए वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने शु वार को नई दिल्ली में बुनियादी ढांचा और ऊर्जा क्षेत्र के विशेषज्ञों के साथ 11वीं पूर्व-बजट परामर्श बैठक की अध्यक्षता की। बैठक का उद्देश्य आगामी बजट के लिए इन क्षेत्रों से जुड़े सुझावों और चुनौतियों पर विस्तृत चर्चा करना था, ताकि निवेश प्रोत्साहन, परियोजनाओं की गति और ऊर्जा सं मण से जुड़े मुद्दों को नीति निर्धारण में शामिल किया जा सके। बैठक में उद्योग जगत के कई प्रमुख प्रतिनिधि उपस्थित रहे। इनमें एफकॉन्स के प्रबंध निदेशक एस. परमशिवन, शापूरजी पलोनजी इंफ्रास्ट्र• र कैपिटल के निदेशक मनीष त्रिपाठी, जीएमआर ग्रुप के उप प्रबंध निदेशक के. नारायण राव, जेएम बैक्सी ग्रुप के निदेशक संदीप वाधवा और इंफ्राविजन फाउंडेशन के सीईओ जगन शाह शामिल थे। विशेषज्ञों ने नीति सुधार, परियोजना वित्तपोषण, लॉजिस्टिक्स दक्षता, हरित ऊर्जा और बुनियादी ढांचे के आधुनिकीकरण जैसे मुद्दों पर अपने विचार साझा किए। सरकारी पक्ष से बिजली मंत्रालय, नौवहन मंत्रालय, सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्रालय के सचिव, रेलवे बोर्ड के अध्यक्ष और भारत सरकार के मुख्य आर्थिक सलाहकारभी मौजूद रहे। वित्त मंत्रालय ने बताया कि प्राप्त सुझावों का बजट निर्माण में समुचित उपयोग किया जाएगा।

एक्सिस बैंक एनसीडी के ज़रिए 5,000 करोड़ तक जुटाएगा

नई दिल्ली। निजी क्षेत्र के एक्सिस बैंक ने कहा कि वह कारोबार बढ़ाने के लिए गैर-परिवर्तनीय डिबेंचर (एनसीडी) के जरिए 5,000 करोड़ रुपये जुटाने की योजना बना रहा है। यह बैंक के निदेशक मंडल द्वारा मंजूर 35,000 करोड़ रुपये के धन जुटाने की योजना का हिस्सा है। इसे निजी नियोजन के आधार पर ऋण प्रतिभूति जारी कर जुटाया जाएगा।एक्सिस बैंक ने शेयर बाजार को दी सूचना में कहा कि बैंक का निजी नियोजन के आधार पर 5,000 करोड़ रुपये तक के पूरी तरह से भुगतान वाले, सीनियर, रेटेड, सूचीबद्ध, अनसिक्योर्ड, करयोग्य, विमोचनयोग्य, दीर्घावधिक गैर-परिवर्तनीय डिबेंचर जारी करके कोष जुटाने का प्रस्ताव है।

सरकार डिजिटल कंटेंट पर सख्त नियंत्रण लाने की तैयारी में

- सरकार बदलेगी आईटी नियम, बदनाम करने वाली डिजिटल सामग्री पर लगेगी रोक

नई दिल्ली।

सरकार सूचना प्रौद्योगिकी (आईटी) नियम 2021 में संशोधन करने की योजना बना रही है। प्रस्तावित बदलावों के तहत डिजिटल प्लेटफॉर्म पर ऐसी सामग्री प्रसारित नहीं की जाएगी जो अश्लील, मानहानिकारक, जानबूझकर गलत, आधी-सच्चाई वाली या हिंसा बढ़ावा देने वाली हो। मंत्रालय का कहना है कि नया नियम कंटेंट को सभ्य और नैतिक मानकों के अनुरूप बनाएगा। संशोधन विशेषकर भाग-3 के अंतर्गत आने वाले डिजिटल वीडियो इंटरमीडियरी और ओटीटी प्लेटफॉर्म्स पर लागू होगा। इनमें यूट्यूब, इंस्टाग्राम, नेटफिलक्स, एमेजान, प्राइम वीडियो आदि शामिल हैं। इसके साथ ही समाचार चैनलों और अखबारों के डिजिटल पोर्टल भी इस दायरे में आएंगे।

मंत्रालय ने स्पष्ट किया है कि कोई भी डिजिटल सामग्री जाति, धर्म, नस्ल, राष्ट्रीयता या किसी समूह का अपमान नहीं करेगी, लोगों को अपराध के लिए उकसाएगी या हिंसा को बढ़ावा नहीं देगी। इसके अलावा, कंटेंट सामाजिक, सार्वजनिक या नैतिक जीवन की निंदा या बदनामी नहीं कर सकता। प्रस्ताव के अनुसार नियमों का उल्लंघन करने पर वही सजा दी जाएगी जो वर्तमान में अश्लील सामग्री प्रसारित करने पर लागू होती है।

इसके साथ ही डिजिटल कंटेंट के लिए रेटिंग सिस्टम लागू करने का प्रस्ताव है, ताकि सामग्री की प्रकृति के अनुसार वर्गीकरण हो सके। सूचना और प्रसारण मंत्रालय ने कहा है कि ये बदलाव अभी केवल प्रस्तावित हैं।

इन्हें लागू करने से पहले अंतिम प्र ि या और नियमों का निर्धारण किया जाएगा।

सरकार का उद्देश्य ऑनलाइन प्लेटफॉर्म पर फैलने वाली आपत्तिजनक और भड़काऊ सामग्री को नियंत्रित करना और डिजिटल कंटेंट को जिम्मेदार बनाना है।

देश में पेट्रोल-डीजल के रेट में बदलाव, कुछ शहरों में महंगा, कुछ में सस्ता

- दक्षिण भारत और पूर्वी राज्यों में तेल की कीमतों में गिरावट

नई दिल्ली।

देश की पेट्रोलियम कंपनियों ने शनिवार को पेट्रोल और डीजल के नए रेट जारी कर दिए। शु वार हो देश के कई शहरों में ईंधन की कीमतों में बदलाव देखने को मिला है। जहां उत्तर भारत के कुछ शहरों में पेट्रोल और डीजल महंगे हुए हैं, वहीं दक्षिण भारत और पूर्वी राज्यों में कीमतों में गिरावट दर्ज की गई है। दिल्ली के पड़ोसी शहर गुरुग्रा* में पेट्रोल 8 पैसे महंगा होकर 95.65 रुपए प्रति लीटर हो गया, जबकि डीजल 7 पैसे बढ़कर 88.10 रुपए प्रति लीटर पर पहुंचा। जयपुर में पेट्रोल 68 पैसे की बढ़ोतरी के साथ 105.40 रुपए प्रति लीटर और डीजल 61 पैसे महंगा होकर 90.82 रुपए प्रति लीटर हो गया। लखनऊ में पेट्रोल 5 पैसे बढ़कर 94.73 रुपए और डीजल 6 पैसे बढ़कर 87.86 रुपए प्रति लीटर हो गया। पटना में पेट्रोल 29 पैसे और डीजल 27 पैसे की बढ़ोतरी के साथ 'मशः 105.58 और 91.82 रुपए प्रति लीटर बिक रहा है। प्रयागराज में पेट्रोल 87 पैसे बढ़कर 95.53 रुपए और डीजल 1 रुपए महंगा होकर 88.79 रुपए प्रति लीटर हो गया। भुवनेश्वर में पेट्रोल और डीजल दोनों 18 पैसे घटकर 'मशः 100.93 और 92.51 रुपए प्रति लीटर बिक रहे हैं। तिरुवनंतपुरम में पेट्रोल 18 पैसे और डीजल 30 पैसे सस्ता होकर 107.30 और 96.18 रुपए प्रति लीटर पर पहुंच गया। आगरा में पेट्रोल और डीजल 5-5 पैसे सस्ते हुए। अंबेडकरनगर में पेट्रोल 29 पैसे और डीजल 26 पैसे की गिरावट के साथ 'मशः 95.31 और 88.49 रुपए प्रति लीटर पर बिक रहे हैं।

हिन्दुस्तान जिंक लिमिटेड ने फिर वैश्विक मंच पर भारत का नाम ऊँचा किया

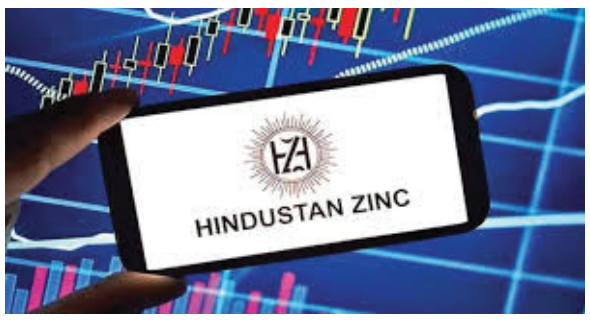

उदयपुर।

विश्व की सबसे बड़ी इंटीग्रेटेड जिंक प्रोड्यूसर और इंटरनेशनल काउंसिल ऑन माइनिंग एंड मेटल्स (आईसीएमएम) में एशिया की पहली कंपनी हिन्दुस्तान जिंक लिमिटेड ने फिर वैश्विक मंच पर भारत का नाम ऊँचा कर दिया है। कंपनी ने स्वीडन की गारपेनबर्ग जिंक खदान में आयोजित दुनिया की सबसे गहरी मैराथन में हिस्सा लेकर दो नए गिनीज वर्ल्ड रिकॉर्ड बनाए है। इस ऐतिहासिक उपलब्धि में कंपनी के सीईओ अरुण मिश्रा और सीओओ किशोर एस. ने 18 देशों के 57 प्रतिभागियों के साथ समुद्र तल से 1,120 मीटर नीचे, लगभग पूर्ण अंधकार, उच्च आर्द्रता और चुनौतीपूर्ण भूभाग के बीच मैराथन पूरी की।

इस मैराथन ने दो श्रेणियों में गिनीज रिकॉर्ड कायम किए द डीपेस्ट मैराथन (इंडिविजुअल), द डीपेस्ट अंडरग्राउंड मैराथन डिस्टेंस रन (टीम)। इसके साथ ही मिश्रा इन श्रेणियों में स्थान पाने वाले पहले भारतीय बन गए हैं, जो भारतीय कॉर्पोरेट नेतृत्व और भारत के खनन क्षेत्र के लिए गर्व का ऐतिहासिक क्षण है।

ऊपर से 30 डिग्री तापमान, नमी, बजरी वाला इलाका और बहुत कम दृश्यता-इन सभी चुनौतियों के बीच एथलीट्स ने 3.84 किमी लंबी सुरंग के 11 चक्कर पूरे कर मैराथन को पूरा किया। इस आयोजन का उद्देश्य बीकम एक्स फाउंडेशन और वाइड एट हार्ट फाउंडेशन के लिए 1 मिलियन डॉलर से अधिक की राशि जुटाना था।

सीईओ मिश्रा ने कहा कि इस मैराथन में हिस्सा लेना केवल एक एंड्योरेंस चैलेंज नहीं था, बल्कि यह इस बात का जीवंत उदाहरण है कि माइनिंग इंडस्ट्री कैसे सुरक्षित और तकनीकी रूप से आगे बढ़ी है। मुझे गर्व है कि हिन्दुस्तान जिंक इस रिकॉर्ड-ब्रेकिंग आयोजन का हिस्सा बना। यह साबित करता है कि सुरक्षा, तकनीक और सहयोग के साथ हम सबसे कठिन परिस्थितियों में भी असंभव को संभव बना सकते हैं।

नीरव मोदी की दो मर्सिडीज कारें नीलामी के लिए तैयार, ईडी ने दी अनुमति

- पीएनबी घोटाले में आरोपी की कारें अब आम जनता खरीद सकेगी

मुंबई।

पंजाब नेशनल बैंक घोटाले के आरोपी और भगोड़े व्यवसायी नीरव मोदी की दो लग्जरी मर्सिडीज कारें अब नीलामी के लिए उपलब्ध होंगी। विशेष पीएमएलए कोर्ट ने प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) को इन गाड़ियों की बि ी की अनुमति दी है। कोर्ट ने कहा कि कारें लंबे समय से ईडी की कस्टडी में हैं, बिना उपयोग खड़ी हैं और उनकी वैल्यू लगातार घट रही है। साथ ही मेंटेनेंस का खर्च बढ़ रहा है। सरकार अब इन्हें बेचकर नुकसान कम करना चाहती है। नीलामी ऑनलाइन और ऑफलाइन दोनों तरीकों से की जाएगी। इच्छुक खरीदार एमएसटीसी या बैंक ई-ऑक्शन पोर्टल पर बोली लगा सकते हैं। तारीख और प्रक्रिया जल्द ही ईडी की वेबसाइट और अखबारों में घोषित की जाएगी। नीरव मोदी और मेहुल चोकसी पर 13,8 50 करोड़ रुपये के घोटाले का आरोप है। आरोपी जनवरी 2018 में देश छोड़कर भाग गए थे और वर्तमान में लंदन में प्रत्यर्पण के खिलाफ कानूनी लड़ाई लड़ रहे हैं। इससे पहले ईडी नीरव मोदी की 2,600 करोड़ रुपये से अधिक की संपत्ति बेच

चुका है, जिसमें मुंबई और पुणे की प्रॉपर्टी, लंदन का अपार्टमेंट, हीरे और महंगी पेंटिंग्स शामिल थीं। अब ये दो मर्सिडीज कारें भी इस सूची में शामिल होंगी।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

पहले दिन का खेल समाप्त, दक्षिण अफ्रीका का स्कोर 247/6

– भारत ने दिन का अंत मजबूत वापसी के साथ किया

गुवाहाटी (एजेंसी)। भारत और दक्षिण अफ्रीका के बीच दूसरे और अंतिम टेस्ट के पहले दिन का खेल समाप्त हो गया है। बरसापारा क्रिकेट स्टेडियम में खेले जा रहे इस मुकाबले में मेजबान दक्षिण अफ्रीका ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी का फैसला किया और दिन का अंत छह विकेट पर 247 रन के साथ किया। टीम के लिए ट्रिस्टन स्टब्स ने सर्वाधिक 49 रन बनाए, जबकि कप्तान तेम्बा बावुमा ने 41 रनों का योगदान दिया।

दिन के अंत में सेनुरन मुथुसामी 25 रन और काइल वेरेने एक रन बनाकर क्रीज पर डटे हुए हैं। भारतीय गेंदबाज़ों ने शुरुआती दौर में दबाव झेलने के बाद शानदार वापसी की। कुलदीप यादव ने बेहतरीन गेंदबाजी करते हुए तीन विकेट चटकाए, जबकि जसप्रीत बुमराह, मोहम्मद सिराज और रविंद्र जडेजा ने एक-एक विकेट अपने नाम किया।

दक्षिण अफ्रीका की शुरुआत संभली हुई रही और टीम ने चायकाल तक एक विकेट पर 82 रन बना लिए थे। इस मैच में चायकाल लंच से पहले लिया गया। पहला विकेट एडन मारक्रम के रूप में गिरा, जो 27वें ओवर में 38 रन बनाकर आउट हुए। उन्होंने 81 गेंदों में पांच चौके लगाए और टीम को मजबूत प्लेटफॉर्म दिया।

चायकाल के बाद भारत ने तुरंत प्रभाव दिखाया। कुलदीप यादव ने अपने पहले ही ओवर में रायन रिकलटन को 35 रन पर आउट कर दूसरी सफलता दिलाई। रिकलटन ने 82 गेंदों में पांच चौकों की मदद से अपनी पारी को सजाया। लंच तक दक्षिण अफ्रीका दो विकेट पर 156 रन बनाकर मजबूत स्थिति में दिख रहा था, लेकिन बाद में भारतीय गेंदबाजों ने नियमित अंतराल पर विकेट झटककर मैच को संतुलन में ला दिया। अब दूसरे दिन का खेल दोनों टीमों के लिए अहम होगा। भारत की कोशिश जल्द से जल्द दक्षिण अफ्रीका को समेटने की होगी, जबकि मेजबान टीम 300 से ऊपर का स्कोर खड़ा करने का प्रयास करेगी।

बैडमिंटन ऑस्ट्रेलिया ओपन 2025: चाउ टिएन चेन को हराकर लक्ष्य सेन फाइनल में

सिडनी (एजेंसी)। भारत के स्टार शटलर लक्ष्य सेन ने ऑस्ट्रेलिया ओपन 2025 में शानदार प्रदर्शन करते हुए चीनी ताइपे के अनुभवी खिलाड़ी चाउ टिएन चेन को हराकर फाइनल में प्रवेश कर लिया। ओलंपिक पार्क स्पोर्ट्स सेंटर में खेले गए इस रोमांचक सेमीफाइनल मुकाबले में लक्ष्य ने 1 घंटा 26 मिनट की कड़ी जंग के बाद 17-21, 24-22, 21-16 से जीत दर्ज की।

इस मुकाबले में लक्ष्य सेन ने तीन मैच पॉइंट बचाते हुए वापसी की और विश्व रैंकिंग में छठे स्थान पर काबिज चाउ टिएन चेन को मात देकर इतिहास रच दिया। यह लक्ष्य की चेन के खिलाफ आठ मुकाबलों में चौथी जीत है।

पहला गेम चाउ टिएन चेन ने 4-0 की तेज बढ़त के साथ आसानी से जीत लिया। लेकिन दूसरे गेम में लक्ष्य ने शानदार लड़ाई दिखाई और निर्णायक क्षणों में बेहतर प्रदर्शन करते हुए 24-22 से गेम अपने नाम किया। तीसरे गेम में भारतीय शटलर ने 7-2 की बढ़त बनाई और ब्रेक तक 11-6 की बढ़त कायम रखी। एक बार बढ़त मिलने के बाद लक्ष्य ने मैच पर पूरा नियंत्रण बना लिया और 21-16 से जीत हासिल करते हुए फाइनल में जगह पक्की की।

2025 बीडब्ल्यूएफ वर्ल्ड टूर सीजन में लक्ष्य सेन का यह दूसरा फाइनल होगा। फाइनल में उनका मुकाबला चुन यी लिन (चीनी ताइपे) और युशी तनाका (जापान) के बीच होने वाले मैच के विजेता से होगा।

सबा करीम ने बुमराह के इम्पैक्ट की जमकर सराहना की

– जायसवाल को दी खास सलाह

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत और साउथ अफ्रीका के बीच कोलकाता के ईडन गार्डन्स में खेले गए पहले टेस्ट ने कई सवाल खड़े कर दिए विशेषकर भारत की कमजोर बैटिंग और साउथ अफ्रीकी गेंदबाजों की जबरदस्त धार को लेकर। इस लो-स्कोरिंग मैच में जहां भारतीय बल्लेबाज लगातार जूझते दिखाई दिए, वहीं जसप्रीत बुमराह एक बार फिर भारत के सबसे भरोसेमंद गेंदबाज साबित हुए। पूर्व भारतीय विकेटकीपर सबा करीम ने बुमराह की मैच-इंटेलिजेंस, फिटनेस और स्वभाव की खुलकर तारीफ करते हुए कहा कि बुमराह उन गेंदबाजों में से हैं जो हर परिस्थिति में सिर्फ अपनी प्रक्रिया पर भरोसा करते हैं और टीम के लिए ढाल बनकर खड़े रहते हैं।

सबा करीम के अनुसार बुमराह ऐसे गेंदबाज हैं जिन पर किसी भी कंडीशन का बहुत असर नहीं पड़ता। चाहे पिच बल्लेबाजों के लिए हो या गेंदबाजों के लिए, बुमराह अपनी नैचुरल लेंथ, वेरिएशन और सटीक लाइनों से हमेशा प्रभाव डालते हैं। करीम ने कहा कि 'बुमराह को स्पेल की लंबाई या विकेट की मदद से फर्क नहीं पड़ता। वह अपनी क्षमता से पार्टनरशिप तोड़ते हैं और कप्तान के लिए हर परिस्थिति में सबसे भरोसेमंद विकल्प बने रहते हैं।' उन्होंने ईडन टेस्ट में बुमराह द्वारा डाले गए लंबे स्पेल, उनकी फिटनेस और विकेट लेने की भूख की भी तारीफ की। हालांकि भारत को 124 रन के आसान से लक्ष्य का पीछा करते हुए 30 रन से शर्मनाक हार मिली थी, लेकिन बुमराह पूरे मैच में छाए रहे। उन्होंने दोनों पारियों में साउथ अफ्रीकी बल्लेबाजों पर दबाव बनाए रखा। सबा करीम ने यह भी माना कि अंतिम दिन उन्हें थोड़ा देर से गेंदबाजी के लिए लाया गया, वरना असर और भी बड़ा दिख सकता था।

सबा करीम ने इस दौरान भारतीय ओपनर यशस्वी जायसवाल की बैटिंग एप्रोच पर भी अपनी राय रखी। उन्होंने कहा कि जायसवाल का अटैकिंग माइंडसेट बेहतरीन है, लेकिन शॉट सिलेक्शन मैच की जरूरत के अनुरूप होना चाहिए। पहली पारी में जायसवाल अधीर दिखे और कंडीशन को ध्यान में रखकर अपने खेल में लचीलापन नहीं ला सके। करीम के अनुसार, 'हर स्थिति में हमला करना सही तरीका नहीं होता। कई बार शुरुआत धीमी रखकर इनिंग को सेट करना जरूरी होता है, खासकर ऐसी पिच पर जहां रन निकालना मुश्किल हो।' भारतीय टीम अब गुवाहाटी में होने वाले दूसरे टेस्ट में बराबरी की कोशिश करेगी। साउथ अफ्रीका 2010 के बाद पहली बार भारत में टेस्ट जीत चुका है और उसका आत्मविश्वास चरम पर है। ऐसे में बुमराह के प्रदर्शन और युवा बल्लेबाजों के बेहतर शॉट सिलेक्शन पर टीम की उम्मीदें टिकी रहेंगी।

ट्रैविस हेड की तूफानी सेंचुरी से इंग्लैंड ध्वस्त, दो दिन में ऑस्ट्रेलिया ने जीता पहला एशेज टेस्ट

पर्थ (एजेंसी)। पर्थ में खेले गए पहले एशेज टेस्ट का नतीजा चौंकाने वाला रहा, क्योंकि मुकाबला महज़ दो दिन में ही खत्म हो गया। मेजबान ऑस्ट्रेलिया ने इंग्लैंड को आठ विकेट से हराकर श्रृंखला में शानदार बढ़त बना ली। इस तेज़ जीत के हीरो रहे सलामी बल्लेबाज़ ट्रैविस हेड, जिन्होंने इंग्लैंड के गेंदबाज़ों की जमकर धुनाई करते हुए तहलका मचा दिया। 205 रनों के लक्ष्य का पीछा करते हुए ऑस्ट्रेलिया ने शुरुआत से ही आक्रामक रुख अपनाया। टीम ने सिर्फ 28.2 ओवर में दो विकेट खोकर लक्ष्य पूरा कर लिया। ट्रैविस हेड ने 83 गेंदों में विस्फोटक 123 रन ठोककर इंग्लैंड की गेंदबाज़ी लाइन-अप को उधेड़कर रख दिया। उनकी पारी में 16 चौके और 4 गगनचुंबी छक्के शामिल रहे। हेड ने महज़ 69 गेंदों में अपना शतक पूरा किया, जो उनकी आक्रामक मानसिकता और अद्भुत टाइमिंग का प्रमाण है।

दूसरे छोर पर मार्नस लाबुशेन ने भी संयमित लेकिन महत्वपूर्ण पारी खेलते हुए नाबाद 51 रन बनाए। दोनों बल्लेबाजों ने मिलकर इंग्लैंड के गेंदबाजों को कोई मौका नहीं दिया और मुकाबले को एकतरफा बना दिया। इंग्लैंड की ओर से गेंदबाज़ी फीकी रही और वे न तो गति से, न ही स्विंग से ऑस्ट्रेलियाई बल्लेबाज़ों को रोक पाए। पहले दिन ही इंग्लैंड की बल्लेबाज़ी लड़खड़ा गई थी, जिसका दबाव दूसरा दिन उनकी गेंदबाज़ी पर भी साफ दिखाई दिया। ऑस्ट्रेलिया की इस धमाकेदार जीत ने एशेज सीरीज़ में रोमांच बढ़ा दिया है और टीम का आत्मविश्वास भी चरम पर पहुंच गया है। दूसरी ओर, इंग्लैंड को अब अगले टेस्ट से पहले अपनी रणनीति और टीम कॉम्बिनेशन पर फिर से विचार करना होगा।

इससे पहले इंग्लैंड ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी का फैसला किया, लेकिन कप्तान बेन स्टोक्स का यह निर्णय पहले दिन कमजोर साबित हुआ जब पूरी टीम 172 रन बनाकर आउट हो गई। हालांकि, जवाब में ऑस्ट्रेलिया की टीम भी पहली पारी में संघर्ष करती नजर आई और सिर्फ 132 रनों पर सिमट गई। इंग्लैंड को पहली पारी के आधार पर 40 रनों की बढ़त मिली, जो मैच की परिस्थिति को देखते हुए महत्वपूर्ण साबित हुई। इस पिच पर हर रन का महत्व है, क्योंकि बल्लेबाजों के लिए यहां टिकना चुनौती बन गया है।

दूसरी पारी में इंग्लैंड का प्रदर्शन पहले से बेहतर होने की उम्मीद थी, लेकिन एक बार फिर उनकी बल्लेबाजी विफल साबित हुई। पूरी टीम 164 रन ही जोड़ पाई। इस मैच की तीनों पारियों में अब तक सिर्फ एक ही बल्लेबाज अर्धशतक तक पहुंच पाया है हैरी ब्रूक, जिन्होंने पहली पारी में 52 रन बनाए थे। दूसरी पारी में इंग्लैंड के लिए गस एटकिंसन ने 37 रनों की उपयोगी पारी खेली और ब्रायडन कार्स के साथ मिलकर 50 रनों की साझेदारी कर टीम को 200 से ऊपर की बढ़त दिलाने में मदद की। यही रन अब ऑस्ट्रेलिया के लिए बड़ी चुनौती बन सकते हैं। ऑस्ट्रेलिया की गेंदबाजी की बात करें तो टीम के प्रमुख तेज गेंदबाज जोश हेजलवुड और पैट कमिंस इस मैच में नहीं खेले, लेकिन उनके बिना भी ऑस्ट्रेलियाई आक्रमण ने शानदार प्रदर्शन किया और इंग्लैंड को दोनों पारियों में 200 के भीतर रोक दिया। इससे पता चलता है कि पर्थ की पिच कितनी कठिन है और बल्लेबाजों के लिए यहां रन बनाना कितना मुश्किल।

ऑस्ट्रेलिया को 205 रनों का लक्ष्य मिलने के बावजूद यह रन बनाना आसान नहीं होगा। पिच में लगातार असमान उछाल और सीम मूवमेंट दिख रही है, जो इंग्लैंड के तेज गेंदबाजों के लिए बड़ा हथियार बन सकती है। तीसरे दिन मैच का नतीजा आना लगभग तय माना जा रहा है, और मुकाबला दोनों टीमों के लिए बराबरी की टक्कर वाला बन गया है। अब देखना यह होगा कि इंग्लैंड का गेंदबाजी आक्रमण ऑस्ट्रेलिया को रोक पाता है या मेजबान टीम शुरुआती टेस्ट में बढ़त हासिल करती है।

महिला विश्व कप ट्रॉफी जीतने के बाद पहली बार देहरादून पहुंची स्नेहा राणा, रेलवे स्टेशन पर हुआ जोरदार स्वागत, रेलवे अधिकारियों ने कहा गर्व की बात

देहरादून। भारतीय महिला टीम की सदस्य आलराउंडर स्नेह राणा का देहरादून रेलवे स्टेशन पर धूमधाम से स्वागत हुआ। बीते दो नवंबर को भारतीय महिला टीम द्वारा वनडे क्रिकेट विश्व कप ट्रॉफी जीतने के बाद पहली बार स्नेह राणा देहरादून पहुंची। स्नेह क्रिकेटर होने के साथ-साथ देहरादून रेलवे स्टेशन में कमर्शियल कम टिकट क्लर्क पद पर तैनात हैं और रेलवे क्रिकेट टीम से भी खेलती हैं। इस दौरान रेल अधिकारियों और कर्मचारियों ने उन्हें भारतीय रेल के लिए गर्व का विषय बताया। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक देहरादून से सटे सिनोला गांव की रहने वाली स्नेह राणा का स्वागत रेलवे स्टेशन में ढोल-नगाड़ों के साथ किया गया। रेल अधिकारियों ने वनडे विश्व कप मैच में उनके शानदार प्रदर्शन की तारीफ की। स्नेह ने अपने क्रिकेट के सफर पर बात करते हुए कहा कि पहली बार जब वह पंजाब से खेलने जा रही थी तो वह इसी रेलवे स्टेशन से सफर किया था। इस दौरान एक टीटी ने उनके ट्रेन सफर को साझा किया। स्टेशन अधीक्षक रविंद्र कुमार ने कहा कि स्नेह राणा देश, प्रदेश, जिले के साथ-साथ भारतीय रेलवे के लिए भी गर्व और प्रेरणा हैं। सीटीआई सुहैल खान ने बताया स्नेह पूर्व में फिरोजपुर मंडल में तैनात थी। पिछले साल ही उनका देहरादून में तबादला हुआ है।

सुपर ओवर में बड़ा विवाद- वैभव सूर्यवंशी को बाहर बैठाकर भारत ने गंवाया फाइनल का टिकट

दोहा । दोहा में खेले गए एशिया कप राइजिंग स्टार्स 2025 के सेमीफाइनल मुकाबले में भारत ए टीम की हार जितनी रोमांचक थी, उतनी ही विवादों से घिरी भी रही। मैच का फैसला सुपर ओवर में हुआ, लेकिन इसी ओवर ने टीम मैनेजमेंट के फैसलों पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए। पावर हिटर वैभव सूर्यवंशी को बल्लेबाजी का मौका न देना टीम के बाहर होने का सबसे बड़ा कारण माना जा रहा है। युवा बल्लेबाज डगआउट में बेचैन बैठे रहे, उनके चेहरे पर मायूसी साफ दिख रही थी, लेकिन कोच सुनील जोशी और कप्तान जितेश शर्मा ने उन्हें मैदान पर भेजने का फैसला नहीं लिया। 40 ओवर के संघर्ष के बाद दोनों टीमों का स्कोर 194-194 रन पर बराबर रहा। सुपर ओवर में भारत ने पहले बल्लेबाजी की, लेकिन टीम ने हैरान कर देने वाला फैसला लिया। कप्तान जितेश शर्मा और रामनदीप सिंह को ओपनिंग के लिए भेजा गया, जबकि वैभव सूर्यवंशी जैसे विस्फोटक बल्लेबाज को डगआउट में ही रोके रखा गया। वैभव को देखकर साफ समझ आ रहा था कि वे बल्लेबाजी को बेताब हैं, लेकिन उन्हें मौका नहीं मिला। पहली गेंद पर कप्तान जितेश क्लीन बोल्ड हो गए और भारत की रणनीति शुरुआत से ही बिखर गई। सबसे चौंकाने वाली बात यह रही कि कप्तान के आउट होने के बाद भी कोच ने वैभव सूर्यवंशी को भेजने का फैसला नहीं किया। तीसरे नंबर पर अशुतोष शर्मा को उतारा गया, लेकिन वे भी पहली ही गेंद पर आउट हो गए। सुपर ओवर में टीम के पास सिर्फ तीन बल्लेबाज उतरने का मौका होता है और दो विकेट गिरते ही पारी समाप्त हो जाती है। ऐसे में भारत की पूरी प्लानिंग धराशायी हो गई और वैभव बिना खेले ही वापस लौटने पर मजबूर हो गए। बांग्लादेश को जीत के लिए बेहद आसान लक्ष्य मिला, जिसे उन्होंने एक वाइड बॉल पर ही हासिल कर लिया। भारत का फाइनल तक का सफर सुपर ओवर में लिए गए दो गलत फैसलों की वजह से थम गया। मैच के बाद फैंस भी टीम मैनेजमेंट की आलोचना करते नजर आए और यह सवाल उठाने लगे कि जब टीम को मैच जिताने के लिए पावर हिटर की जरूरत थी, तब वैभव सूर्यवंशी को क्यों रोका गया? यह हार ना सिर्फ खिलाड़ियों बल्कि करोड़ों भारतीय फैंस के लिए मायूसी लेकर आई है और आने वाले समय में इस फैसले पर लंबी चर्चा होना तय है।

टी 20 विश्वकप 2026: भारत का ग्रुप लगभग तय, पाकिस्तान से होगी टक्कर

नई दिल्ली (एजेंसी)। टी20 विश्व कप 2026 के लिए टीमों की संभावित ग्रुपिंग लगभग तय हो चुकी है। कुल 20 टीमें इस टूर्नामेंट में हिस्सा लेंगी और इन्हें 5-5 टीमों के चार ग्रुप्स में बांटा जाएगा। हालांकि इस ग्रुपिंग पर आईसीसी की आधिकारिक घोषणा अभी बाकी है, लेकिन उपलब्ध रिपोर्ट्स के अनुसार भारत का ग्रुप संतुलित और अपेक्षाकृत आसान माना जा रहा है।

भारत और पाकिस्तान एक ही ग्रुप में

एक रिपोर्ट के अनुसार टीम इंडिया जिस ग्रुप में है, उसमें पाकिस्तान भी शामिल होगा। इसका मतलब है कि भारत और पाकिस्तान के बीच कम से कम एक हाई-वोल्टेज मुकाबला होना तय है। इस ग्रुप में भारत और पाकिस्तान के अलावा अमेरिका (यूएसए), नामीबिया और नीदरलैंड की टीम होंगी। इन पांच टीमों में सिर्फ भारत और पाकिस्तान ही टेस्ट खेलने वाले देश हैं, जिससे टीम इंडिया के सुपर-8 में पहुंचने की राह अपेक्षाकृत आसान मानी जा रही है।

सह-मेजबान श्रीलंका का कठिन ग्रुप

टी20 वर्ल्ड कप 2026 का आयोजन भारत और श्रीलंका मिलकर करेंगे। सह-मेजबान श्रीलंका को जिस ग्रुप में रखा जा सकता है, उसे 'ग्रुप ऑफ डेथ' कहा जा रहा है। इस ग्रुप में ऑस्ट्रेलिया, जिम्बाब्वे, आयरलैंड और ओमान की टीमें शामिल होंगी। यह ग्रुप इसलिए कठिन है, क्योंकि इसमें चार टेस्ट प्लेइंग नेशन्स मौजूद रहेंगे।

अन्य संभावित ग्रुप्स

एक अन्य ग्रुप में इंग्लैंड, वेस्टइंडीज, इटली, बांग्लादेश और नेपाल की टीम हो सकती है। इस ग्रुप में तीन टेस्ट खेलने वाले देश होने से प्रतिस्पर्धा तेज होगी। वहीं दक्षिण अफ्रीका के ग्रुप में न्यूजीलैंड, अफगानिस्तान, यूएई और कनाडा को शामिल किया जा सकता है। यहां भी तीन टेस्ट नेशन्स के मौजूद होने से मुकाबले बेहद रोमांचक रहेंगे।

टूर्नामेंट में हर ग्रुप की टॉप-2 टीमें सुपर-8 में जगह बनाएंगी। इसके बाद दो नए ग्रुप बनाए जाएंगे, जहां से शीर्ष दो टीमें सेमीफाइनल के लिए क्वालीफाई करेंगी। आशा है कि सुपर-8 का दौर 15 फरवरी से शुरू होगा।

कहां होंगे मुकाबले?

भारत में टूर्नामेंट के मैच मुंबई, कोलकाता, चेन्नई, दिल्ली और अहमदाबाद में खेले जाएंगे। श्रीलंका में कोलंबो और कैंडी को मेजबानी मिलेगी। फाइनल मुकाबला अहमदाबाद के नरेंद्र मोदी स्टेडियम में होने की संभावना है, बशर्ते पाकिस्तान फाइनल में नहीं पहुंचता। वहीं कोलंबो को एक सेमीफाइनल की मेजबानी तभी मिलेगी जब पाकिस्तान या श्रीलंका में से कोई टीम अंतिम-4 में पहुंचे। टी20 विश्व कप 2026 अभी से चर्चा में है, और ग्रुपिंग को देखकर यह टूर्नामेंट बेहद रोमांचक होने वाला है।

टी20 विश्वकप 2026 के लिए संभावित ग्रुप

ग्रुप ए - इंडिया, पाकिस्तान, यूएसए, नामीबिया, नीदरलैंड्स।

ग्रुप बी- ऑस्ट्रेलिया, श्रीलंका, ज़िम्बाब्वे, आयरलैंड, ओमान।

ग्रुप सी- इंग्लैंड, वेस्टइंडीज, इटली, बांग्लादेश, नेपाल।

ग्रुप डी- साउथ अफ्रीका, न्यूज़ीलैंड, अफगानिस्तान, यूएई, कनाडा।

भारत ने ऑस्ट्रेलिया को 9 विकेट से हराया, ब्लाइंड महिला टी20 वर्ल्ड कप के फाइनल में जगह पक्की

कोलंबो । भारत ने शनिवार को पी. सारा ओवल में खेले गए महिला टी20 वर्ल्ड कप क्रिकेट फॉर द ब्लाइंड के पहले सेमीफाइनल में शानदार प्रदर्शन करते हुए ऑस्ट्रेलिया को 9 विकेट से मात देकर फाइनल में प्रवेश कर लिया। भारतीय टीम की जीत में बी2 कैटेगरी की खिलाड़ी बसंती हंसदा का अहम योगदान रहा, जिन्हें उनके हरफनमौला प्रदर्शन के लिए 'प्लेयर ऑफ द मैच' चुना गया। ऑस्ट्रेलिया ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी की, लेकिन भारतीय गेंदबाजों के सामने उनकी शुरुआत बेहद खराब रही। टीम 37 रन तक पहुँचते-पहुंचते अपने पांच विकेट गंवा चुकी थी। इसके बाद चानाकन बुआखाओ और जूली न्यूमैन ने पारी को संभालने की कोशिश की। न्यूमैन ने 25 रन बनाए, जबकि बुआखाओ ने 34 रन का योगदान दिया। बी3 कैटेगरी की कोर्टनी लुईस ने भी 14 रन जोड़े, जिससे टीम निर्धारित 20 ओवर में 9 विकेट पर 109 रन तक पहुँची। इन सबके अलावा 20 एक्स्ट्रा रन भी स्कोरबोर्ड में जुड़े। भारत की ओर से बी2 सिमरनजीत कौर, बी1 जमुना रानी और बी1 अनु कुमारी ने एक-एक विकेट हासिल किया। गेंदबाजी में अनुशासन और सटीक लाइन-लेंथ ने भारतीय टीम को शुरुआत से ही बढ़त दिलाई। लक्ष्य का पीछा करने उतरी भारतीय टीम ने जोरदार शुरुआत की। बी3 की गंगा कदम और बी2 बसंती हंसदा ने पहले विकेट के लिए मात्र 11 ओवर में 93 रनों की शानदार साझेदारी की। बसंती ने 39 गेंदों में 3 चौकों की मदद से 45 रन बनाए और रन आउट हुईं। इसके बाद बी1 बैटर करुणा ने सिर्फ 5 गेंदों में 16 रन ठोककर मैच को तेजी से खत्म कर दिया। भारत ने 11.5 ओवर में लक्ष्य हासिल कर फाइनल में प्रवेश कर लिया। गंगा कदम 31 गेंदों में 41 रन बनाकर नाबाद रहीं। अब यह तय होगा कि भारत फाइनल में नेपाल से भिड़ेगा या पाकिस्तान से, क्योंकि दूसरा सेमीफाइनल इन दोनों के बीच खेला जाना है। भारत ने लीग चरण के सभी पांच मुकाबले जीतने के बाद सेमीफाइनल में जगह बनाई थी।

गंभीर के आलोचकों पर भड़के बल्लेबाजी कोच सितांशु कोटक

गुवाहाटी । भारतीय क्रिकेट टीम के बल्लेबाजी कोच सितांशु कोटक ने मुख्य कोच गौतम गंभीर की आलोचना करने वालों को आड़े हाथों लिया है। कोटक के अनुसार ऐसा लगता है जैसे कुछ कुछ लोग अपने फायदे के लिए इस प्रकार का अभियान चला रहे हैं। उन्होंने कहा, '' गंभीर की लगातार आलोचना हो रही है। मैं इसलिये ऐसा कह रहा हूं क्योंकि मैं स्टाफ हूं और मुझे ये अच्छा नहीं लग रहा है। यह कोई सही तरीका नहीं है।' इस पूर्व बल्लेबाज ने कहा, '' शायद कुछ लोगों का ये व्यक्तिगत एजेंडा हो सकता है। वे करते रहे पर ये तरीका सही नहीं है।' गौतलब है कि कोलकाता में पहले टेस्ट के लिये इस्तेमाल की गई पिच को लेकर भी गंभीर की काफी आलोचना हुई थी। इस मैच में भारतीय टीम की बल्लेबाजी असफल रही थी और टीम 124 रन के साधारण से लक्ष्य को भी हासिल नहीं कर पायी। वहीं गंभीर ने क्यूरेटर का बचाव करते हुए कहा था कि पिच वैसी ही थी, जैसी मांगी गई थी। वहीं कुछ सप्ताह पहले शुभमन गिल ने कहा था कि भारतीय टीम अच्छी पिचों पर खेलना चाहती है जो बल्लेबाजों और गेंदबाजों दोनों की मदद करे ।

केकेआर से अब भी खेलना चाहते वेंकटेश अय्यर

मुम्बई । बल्लेबाज वेंकटेश अय्यर ने कहा है कि वह अभी भी कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) से खेलना चाहते हैं और इसी कारण कोच अभिषेक नायर के संपर्क में बने हुए हैं। साथ ही कहा कि उन्हें उम्मीद है कि नीलामी में एक बार फिर से अवसर मिल सकता है। वेंकटेश को हाल ही में केकेआर ने रिलीज कर दिया था। वेंकटेश का कहना है कि टीम के रिलीज किये जाने के बाद भी उनका दिल उसी के साथ है। इसी कारण वह केकेआर के साथ जाना चाहते हैं। 2025 की नीलामी में केकेआर द्वारा 23.75 करोड़ रुपये में खरीदे जाने के बाद सबसे चर्चित खिलाड़ियों में से एक रहे इस ऑलराउंडर ने कहा कि वह फ्रैंचाइज़ी द्वारा उन पर रखे गए भरोसे के लिए आभारी हैं और उम्मीद करते हैं कि यह जुड़ाव जारी रहेगा। वहीं केकेआर ने आगामी सीज़न के लिए वेंकटेश सहित कई बड़े खिलाड़ियों को रिलीज़ किया है। अय्यर के साथ, इस सूची में आंद्रे रसेल, क्विंटन डी कॉक, मोइन अली, एनरिक नॉर्टजे, स्पेंसर जॉनसन और रहमानुल्लाह गुरबाज़ शामिल थे। अय्यर ने यह भी बताया कि अगर केकेआर में वापसी संभव नहीं होती है, तो वह लीग की बाकी नौ टीमों में से किसी के लिए भी खेलने को तैयार हैं। उन्होंने ज़ोर देकर कहा कि उनका योगदान बल्लेबाज़ी और गेंदबाज़ी से कहीं आगे जाता है, और ज़रूरत पड़ने पर वह नेतृत्व संबंधी सुझाव देने के लिए तैयार हैं। उन्होंने कहा कि हमारे जैसे खिलाड़ियों के लिए, आईपीएल में खेलना एक मौका है। इससे कोई फ़र्क़ नहीं पड़ता कि मैं किस टीम के लिए खेलता हूँ। मैं अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करूँगा। अगर मुझे अपने दिल से पूछना पड़े, तो मैं अब भी केकेआर के लिए खेलना चाहूँगा। मैंने केकेआर के साथ एक चैंपियनशिप जीती है। मैं इस विरासत को आगे बढ़ाना चाहता हूँ।

भारतीय महिला क्रिकेट का स्वर्णिम अध्याय: अंजुम चोपड़ा ने विश्व कप जीत को बताया सबसे बड़ा गेम चेंजर

गुवाहाटी (एजेंसी)। पूर्व भारतीय क्रिकेटर और कप्तान अंजुम चोपड़ा ने आईसीसी महिला विश्व कप में पहली जीत के लिए टीम इंडिया की सराहना की और कहा कि उन्हें अभी भी टीम इंडिया के शानदार प्रदर्शन की वो अच्छी और सुखद यादें याद आती हैं और उन्होंने इसे महिला क्रिकेट में सबसे बड़ा बदलाव करार दिया। 2 नवंबर को, वापसी कर रही शेफाली वर्मा और दीप्ति शर्मा के हरफनमौला प्रदर्शन की बदौलत भारत ने इतिहास रच दिया। उन्होंने पहली बार फाइनल में पहुँची दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ 299 रनों के लक्ष्य का बचाव करते हुए नवी मुंबई के डीवाई पाटिल स्टेडियम में 52 रनों से खिताबी मुकाबला जीतकर वनडे और टी20 अंतरराष्ट्रीय दोनों प्रारूपों में अपना पहला विश्व खिताब हासिल किया।

यह जीत 2005 और 2017 के विश्व कप फाइनल में मिली दो हार के बाद और भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) द्वारा भारत में महिला क्रिकेट को बढ़ावा देने के लिए किए गए कई प्रयासों, जैसे पुरुष टीम के बराबर मैच फीस और महिला प्रीमियर लीग (डब्ल्यूपीएल) की शुरुआत के बाद मिली। शुक्रवार को फिक्की टर्फ 2025 - 15वें ग्लोबल स्पोर्ट्स समिट के मौके पर विश्व कप जीत के बारे में पत्रकारों से बात करते हुए, चोपड़ा ने कहा कि वह इस विश्व कप के बहुत करीब महसूस करती हैं।

अंजुम ने कहा कि यह मेरे लिए अब भी एक खास पल है। जब भी मैं अपने फ़ोन पर वह रील या वीडियो देखती हूँ, तो जो खिलाड़ी इस समय सुर्खियों में हैं, हरमन का कैच, सेमीफ़ाइनल की जीत और हमारे अभियान की पहली जीत, यह सब एक सुखद स्मृति के रूप में मेरे सामने आ जाता है। जब भारत लगातार तीन मैच हार गया था, तो यह बहुत मुश्किल था। लेकिन जब हमने ऑस्ट्रेलिया को (सेमीफ़ाइनल में) हराया, तो लोगों ने कहा कि हमें खुश होना चाहिए। लेकिन विश्व चैंपियनशिप केवल जीतने वालों को मिलती है। मैं खेल नहीं रही थी, लेकिन मैं अब भी इस विश्व कप के बहुत करीब महसूस करती हूँ, और मैं लोगों को बताती हूँ कि मैं एक विश्व चैंपियन हूँ।

अंजुम ने डब्ल्यूपीएल को महिला खिलाड़ियों के लिए एक ÷बड़ा कदम÷ और उन लोगों के लिए एक बेहतरीन टूर्नामेंट बताया जो इस खेल को अपनाना चाहते हैं और इसमें प्रगति करना चाहते हैं। उन्होंने आगे कहा, 'डब्ल्यूपीएल महिला खिलाड़ियों के लिए एक बड़ा कदम साबित हुआ है। पहले से दूसरे सीज़न तक भारतीय खिलाड़ियों में काफ़ी सुधार हुआ है, हालाँकि बहुत ज़्यादा नहीं। यह एक खिलाड़ी के तौर पर छलांग लगाने की बात नहीं है, बल्कि सही दिशा में आगे बढ़ने की बात है। यह विश्व कप जीत महिलाओं के खेल में सबसे बड़ा बदलाव रही है। हम लगातार ये सम्मान पाने की कोशिश कर रहे थे, लेकिन यह एक शुरुआत है, और हमें जो इनाम मिला है, वह बहुत ख़ास है। मैं डब्ल्यूपीएल को खिलाड़ियों के लिए इस खेल को अपनाने और इसमें प्रगति करने के लिए एक बेहतरीन विकल्प मानती हूँ।'

तुम्हें कितने मार्क्स मिले...?

पेपर का रिजल्ट आने पर अपने बच्चे से कभी न पूछें ये सवाल

यह बात सच्ची है कि जब आप अपने बच्चे से अक्सर 'तुम्हें कितने मार्क्स मिले?' ये सवाल पूछते हैं, तो यह कई तरह से उनकी सेल्फ़-वर्थ, सिखने की प्रक्रिया और मनोधर्म पर नकारात्मक प्रभाव डाल सकता है। आज हम आपको बताते हैं कि ये सवाल बच्चे के लिए खतरनाक साबित हो सकता है।

क्यों यह सवाल नुकसान पहुंचाता है

जब सबसे पहला सवाल ये होता है कि 'कितने अंक आए?', तो बच्चे को यह संदेश जाता है कि अंक = मूल्य = आपकी योग्यता। पर वास्तव में 'अंक' सिर्फ एक परीक्षा का परिणाम हैं, व्यक्ति की सम्पूर्ण क्षमता या गुण नहीं। उदाहरण के लिए, एक लेख कहता है कि यह हो सकता है कि बच्चों को यह महसूस हो जाए कि उनका पूरा मूल्य सिर्फ उनकी ग्रेड्स से तय होता है। जब यह सवाल बार-बार पूछा जाए, तो बच्चे में यह डर बन सकता है कि अगर अंक कम आए तो उन्हें मम्मा-पापा की नाराज़गी या शर्मिंदगी झेलनी पड़ेगी। यह दबाव उनकी पढ़ाई, आत्मविश्वास और मानसिक स्वास्थ्य को प्रभावित कर सकता है।

सिखने की प्रक्रिया पर ध्यान कम देना

दिए गए मार्क्स के पीछे क्या हुआ- जैसे तैयारी कैसे हुई, कौन-सी चीज कठिन लगी, किस तरीके से समझा जा सकता था, इन पर कम ध्यान जाता है। परिणाम पर ज्यादा फोकस होने से बच्चों में 'स्कोर करने की रणनीति' बन सकती है बजाय 'समझने की रणनीति' के। यदि संवाद का मुख्य आधार सवाल 'कितने अंक?' हो जाए, तो बच्चे हो सकता है कि उस बातचीत को अपेक्षा-पूर्ति के रूप में देखें- न कि खुली बातचीत के रूप में। इससे पिता-माता-बच्चा के बीच भरोसा कम हो सकता है।

बेहतर तरीका — क्या-क्या पूछा जा सकता है

- 'तुम्हारी एक्साम के दौरान सबसे कठिन क्या लगा? उस पर काम कैसे कर सकते हैं?'
- 'क्या तुमको लगता है तुमने उस विषय में यह तरीके आजमाए? अगर नहीं, तो अगली बार कैसे करोगे?'
- 'क्या वो हिस्सा था जिसमें तुमने अच्छा किया? उस पर हम कैसे और सुधार कर सकते हैं?'
- 'पढ़ाई के अलावा तुम्हें क्या-क्या मजेदार लगा आज स्कूल में?'

ऐसे सवाल बच्चों की सोचना, भावनाओं को समझने और संवाद बढ़ाने में मदद करते हैं।

सिर्फ कुछ मिनटों में बनाएं ये पांच टेस्टी सैंडविच, बनाने का तरीका भी है बेहद आसान

शायद ही कोई व्यक्ति ऐसा होगा, जिसे सैंडविच खाना पसंद न हो। तो अगर आपको सैंडविच खाना पसंद है, तो ये खबर आपके लिए खास होने वाली है। चाहे आप ऑफिस जा रहे हों, बच्चों के टिफिन की तैयारी कर रहे हों या घर पर कुछ हल्का और टेस्टी खाना चाहते हों—सैंडविच हर मौके के लिए परफेक्ट ऑप्शन माना जाता है।

ऐसे में आज हम आपको पांच तरह के स्वादिष्ट सैंडविच की रेसिपी बताने जा रहे हैं जिन्हें आप कुछ ही मिनटों में घर पर बना सकते हैं। ये न सिर्फ खाने में लाजवाब हैं बल्कि हेल्दी और एनर्जेटिक भी हैं। तो चलिए जानते हैं इन्हें बनाने का आसान तरीका और खास टिप्स जिससे आपके सैंडविच बनें बिल्कुल कैफे स्टाइल!

1. वेज ग्रिल सैंडविच

ये सैंडविच बनाना काफी आसान है। इसके लिए सबसे पहले तो ब्रेड पर बटर लगाएं, उसमें टमाटर, खीरा, आलू, और चटनी लगाएं। अब इसे सैंडविच मेकर में गोल्डन ब्राउन होने तक ग्रिल करें। इसे चटनी और कैचअप के साथ परोसें।

2. पनीर टिक्का सैंडविच

पनीर टिक्का सैंडविच खाने में काफी स्वादिष्ट लगता है। इसे बनाने के लिए सबसे पहले पनीर को मसालों और दही में मेरिनेट करें। इसके बाद इसे इसे ब्रेड के बीच में रखकर ग्रिल करें और पुदीना चटनी के साथ परोसें।

3. एग मेयो सैंडविच

अगर आपको अंडे खाना पसंद है तो आप उबले अंडे को कद्दूकस करके उसमें मेयोनेज को मिक्स करें। दोनों चीजों को मिक्स करें और फिर नमक, काली मिर्च डालें और टोस्टेड ब्रेड पर लगाएं। बस इसे फिर ग्रिल कर लें और कैचअप के साथ परोसें।

4. चीज कॉर्न सैंडविच

ये सैंडविच ज्यादातर हर किसी को पसंद आता है। ये सैंडविच बनाने के लिए सबसे पहले स्वीट कॉर्न को उबाल लें। अब इसमें चीज और थोड़ा ओरिगेनो मिलाएं। अब इसे इसे ब्रेड में भरकर ग्रिल करें। ये सिंपल सा सैंडविच बच्चों से लेकर बड़े भी खूब चाव से खाते हैं।

5. स्पाइसी चटनी सैंडविच

जो लोग तीखा खाना पसंद करते हैं तो उनके लिए ये सैंडविच कमाल का है। इसे बनाने के लिए सबसे पहले ब्रेड पर हरी चटनी फैलाएं। इस हरी चटनी को तीखा ही रखें। अब चटनी फैलाने के बाद टमाटर और प्याज रखें। आखिर में इसे हल्का टोस्ट करें और गर्मागर्म सर्व करें।

बोर्ड परीक्षा के लिए बच्चे की बेहतर तैयारी के लिए अभिभावक करें ये काम

जो बच्चे इस साल बोर्ड की परीक्षा देने वाले उन्हें मानसिक और शारीरिक रूप से तैयार करने के लिए अभिभावकों को भी कुछ तरीके अपनाने चाहिए, ताकि बच्चा बोर्ड परीक्षा में बेहतर परिणाम ला सके।

10वीं या 12वीं कक्षा में पढ़ रहे बच्चे के लिए बोर्ड परीक्षा एक अहम पड़ाव होता है, जो उनके भविष्य को तय करने में मदद करता है। अच्छे अंक आने पर बेहतर कॉलेज में प्रवेश, छात्रवृत्ति और करियर के लिए क्षेत्र तय करने में मदद मिलती है। ऐसे में भारत के अधिकतर सभी स्कूलों,कोचिंग क्लासेज बच्चों को बोर्ड परीक्षा के लिए तैयार करते हैं।

माता-पिता अपने बच्चे की बोर्ड परीक्षा के लिए सबसे अधिक चिंतित होते हैं। ऐसे में वह बच्चे पर पढ़ाई का अतिरिक्त दबाव बनाने लगते हैं। लेकिन इसका असर बच्चों के मानसिक स्वास्थ्य पर भी होता है और अतिरिक्त दबाव उन्हें परेशान कर सकता है। बोर्ड परीक्षा बच्चों के लिए जीवन का एक महत्वपूर्ण चरण होती है और इसमें अभिभावकों की भूमिका बहुत महत्वपूर्ण होती है। ऐसे में जो बच्चे इस साल बोर्ड की परीक्षा देने वाले उन्हें मानसिक और शारीरिक रूप से तैयार करने के लिए अभिभावकों को भी कुछ तरीके अपनाने चाहिए, ताकि बच्चा बोर्ड परीक्षा में बेहतर परिणाम ला सके।

प्रोत्साहित करें

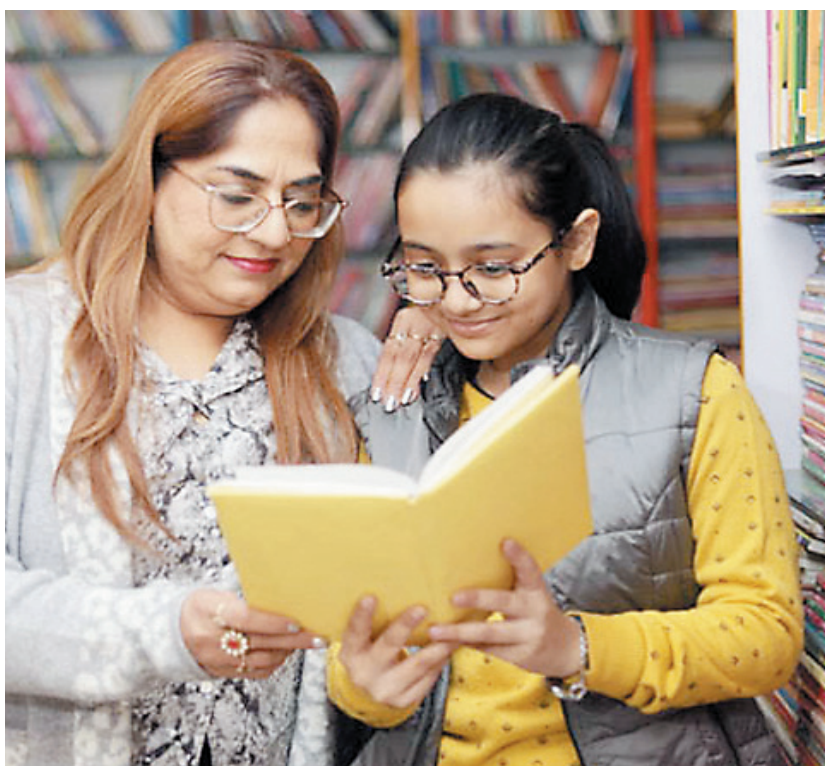

बच्चा दबाव में तब आता है, जब माता पिता अपनी चिंता अत्यधिक जाहिर करते हैं, वो भी नकारात्मक तरीके से। उन पर दबाव बनाने के बजाए माता पिता को बच्चे को परीक्षा के लिए प्रेरित करना चाहिए। साथ ही बच्चे के छोटे-छोटे प्रयासों और उपलब्धियों की सराहना करें।परीक्षा को जीवन-मरण का प्रश्न बनाने की बजाय इसे एक सीखने का अवसर मानें।

पढ़ाई की योजना बनाने में मदद करें

बच्चे के साथ मिलकर एक प्रभावी टाइम टेबल तैयार करें। टाइमटेबल ऐसा हो ताकि पढ़ाई और आराम के बीच संतुलन बनाए रखा जा सके। कठिन विषयों को अधिक समय दें और पिछले साल के प्रश्न पत्र और महत्वपूर्ण टॉपिक्स की पहचान करें।

मानसिक स्वास्थ्य का ध्यान रखें

इस बात का ध्यान रखें कि बच्चा मानसिक रूप से परेशान न हो। उसका उत्साहवर्धन करने का प्रयास करें। ऐसी बातें करें जो उसे उत्साहित करें ना कि निराश करें। जैसे 'तुम यह कर सकते हो' और 'मैं तुम्हारे साथ हूं' आदि बातें कहें। बच्चे की तुलना अन्य बच्चों से न करें।

परिणाम को लेकर ज्यादा चिंता न करें

बच्चे को यह समझाएं कि मेहनत का परिणाम हमेशा सकारात्मक होता है। परीक्षा के बाद भी उसे यह भरोसा दिलाएं कि आपका प्यार और समर्थन उसके साथ है। परिक्षा में बेहतर अंक को भविष्य के लिए एकमात्र रास्ता न बनाएं।

नियमित ब्रेक और नींद का ध्यान रखें

दिनभर पढ़न से बच्चा होनहार नहीं हो जाएगा। जरूरी है कि हर एक दो घंटे की पढ़ाई के बाद उसे 10-15 मिनट का ब्रेक मिले। इस ब्रेक में वह दिमाग को फ्रेश करें। शारीरिक गतिविधि करे ताकि उसके दिमाग को आराम और सेहत दुरुस्त रह सके। इसके साथ ही नींद बेहतर जरूरी है। बच्चे को कम से कम 7-8 घंटे की नींद लेने के लिए प्रोत्साहित करें।

खानपान का ध्यान रखें

बच्चे को पौष्टिक भोजन दें, जिसमें फल, सब्जियां, नट्स, और प्रोटीन शामिल हो। जंक फूड देने से बचें। ये सेहत के लिए तो नुकसानदायक होता ही है, एकाग्रता भी भंग करता है। परीक्षा से ध्यान भटकाने वाले कारकों को कम करें, जैसे बच्चे के मोबाइल और सोशल मीडिया उपयोग को नियंत्रित करें। घर का माहौल ऐसा हो जहां वह पढ़ाई के लिए ध्यान केंद्रित कर सके और शांत वातावरण में मन लगा कर पढ़ सके।

रिवीजन और मॉक टेस्ट पर ध्यान दें

परीक्षा के करीब आते-आते बच्चे को पूरे सिलेबस का रिवीजन करने के लिए प्रेरित करें। समय सीमा के साथ मॉक टेस्ट दें ताकि बच्चे को परीक्षा का अनुभव हो सके।

आत्मनिर्भर बनने के लिए प्रेरित करें

बच्चे को समस्याओं को खुद हल करने की आदत डालें। जब बच्चा किसी प्रश्न में अटका हो, तब उसे मार्गदर्शन दें, लेकिन उसे पूरी तरह आप पर निर्भर न बनाएं।

बच्चों में जोड़ों के दर्द के 7 संकेत, आज नजरअंदाज किया तो उम्र भर रहेंगे परेशान

बच्चों में जोड़ों से जुड़ी दिक्कतें केवल उम्रदराज लोगों में नहीं, बल्कि छोटे बच्चों में भी हो सकती हैं। कई बार माता-पिता इसे सामान्य बढ़ने का दर्द समझकर नजरअंदाज कर देते हैं, लेकिन यदि ये दर्द बार-बार हों या रात में बढ़ जाएं, तो ये

जोड़ों की समस्या का संकेत हो सकता है। यहां बाल रोग विशेषज्ञों द्वारा बताए गए 7 प्रमुख संकेत दिए गए हैं जिन्हें नजरअंदाज नहीं करना चाहिए।

रात में बढ़ने वाला दर्द

अगर बच्चे को दिन में ठीक रहता है लेकिन रात को दर्द बढ़ जाता है, तो यह सामान्य नहीं है। ऐसा दर्द सूजन या जोड़ों में सूक्ष्म संक्रमण का संकेत हो सकता है।

चलने या दौड़ने में कठिनाई

यदि बच्चा अचानक लंगड़ाने लगे, धीरे चले या दौड़ने से बचे, तो ये संकेत हैं कि उसके जोड़ों में दर्द या जकड़न (ह्यह्लद्बद्धद्बद्गह्यह्य) हो सकती है।

सूजन या लालिमा

किसी एक या अधिक जोड़ों में सूजन, लालपन या गर्माहट महसूस होना सूजन (द्बठ्ठद्धद्यड्डद्वद्वड्डह्लद्बश्ठ्ठ) का संकेत है। यह आर्थराइटिस या संक्रमण से भी हो सकता है।

सुबह उठते ही जकड़न

यदि बच्चा सुबह उठते ही अपने हाथ-पैरों को मोड़ने या सीधा करने में परेशानी बताता है, तो यह जोड़ों में सूजन या आर्थराइटिस का लक्षण हो सकता है।

किसी विशेष जोड़ में बार-बार दर्द

अगर दर्द हर बार एक ही घुटने, टखने या कोहनी में हो रहा है, तो यह केवल थकान नहीं, बल्कि जोड़ों की कोई आंतरिक समस्या हो सकती है।

बुखार या थकान के साथ दर्द

अगर जोड़ों का दर्द बुखार, कमजोरी या भूख न लगने के साथ हो, तो तुरंत डॉक्टर को दिखाना चाहिए। यह संक्रमण या ऑटोइम्यून बीमारी का संकेत हो सकता है।

बच्चे का खेलने से बचना

यदि बच्चा पहले की तरह खेलना, कूदना या चढ़ना-उतरना छोड़ दे, तो यह दर्द से बचने की कोशिश हो सकती है।

कब डॉक्टर को दिखाए

अगर बच्चे का दर्द 2 हफ्तों से ज़्यादा बना रहे, जोड़ों में सूजन या बुखार आ जाए या फिर बच्चा लंगड़ाने लगे या चलने से बचे तो डॉक्टर को जरूर दिखाए। विशेषज्ञ सलाह देते हैं कि बच्चों के जोड़ों के दर्द को 'द्दह्म्श्2द्बठ्ठद्द श्चड्डद्बठ्ठ' मानकर टालना ठीक नहीं। जल्दी जांच कराने पर समस्या का इलाज सरल और प्रभावी हो सकता है। संतुलित आहार, पर्याप्त पानी और हल्की फिजिकल एक्टिविटी बच्चों के जोड़ों को मजबूत रखते हैं।

शुरू हो गई हैं सर्दियां, बनाकर तैयार करें ये पांच तरह के लड्डू ताकि न हो तबियत खराब

सर्दियों का मौसम आते ही शरीर को अतिरिक्त पोषण और गर्माहट की जरूरत होती है। इस मौसम में हमारी इम्यूनिटी अक्सर कमजोर पड़ जाती है, जिससे सर्दी-जुकाम जल्दी हो सकती है। ऐसे में घर पर बने देसी लड्डू न केवल स्वाद में लाजवाब होते हैं, बल्कि सेहत के लिए भी बेहद फायदेमंद हैं। पारंपरिक तरीके से बनाए गए लड्डू शरीर को एनर्जी, गर्मी और जरूरी न्यूट्रिएंट्स देते हैं।

सर्दी के मौसम में कुछ खास तरह के लड्डू पाचन को बेहतर बनाते हैं, जोड़ों के दर्द से राहत देते हैं और शरीर को अंदर से मजबूत बनाते हैं। अगर आप ठंड में स्वस्थ और एक्टिव रहना चाहते हैं, तो अपनी डाइट में इन देसी लड्डुओं को जरूर शामिल करें। आइए जानते हैं ऐसे पांच तरह के लड्डू जो सर्दियों में आपकी तबीयत खराब होने से बचा सकते हैं।

तिल-गुड़ के लड्डू

तिल और गुड़ का मेल सर्दियों में सबसे बेहतरीन माना जाता है। ये शरीर को गर्म रखता है और ब्लड में हीमोग्लोबिन का स्तर बढ़ाता है। इसमें कैल्शियम और आयरन भरपूर होता है, जो हड्डियों को मजबूत बनाता है।

गोंद के लड्डू

गोंद से बने लड्डू जोड़ों के दर्द और ठंड से होने वाली कमजोरी में फायदेमंद होते हैं। इसमें घी, मेवा और गेहूं का आटा मिलाकर बनाया जाता है जो एनर्जी बूस्टर की तरह काम करता है।

मेथी के लड्डू

मेथी के लड्डू सर्दियों में शरीर को अंदर से गर्म रखते हैं और ब्लड शुगर को नियंत्रित करते हैं। महिलाओं के लिए ये खासतौर पर फायदेमंद माने जाते हैं क्योंकि ये हॉर्मोनल बैलेंस को भी सपोर्ट करते हैं।

मूंगफली के लड्डू

मूंगफली प्रोटीन का अच्छा स्रोत है। इसके लड्डू ठंड के मौसम में ऊर्जा प्रदान करते हैं और इम्यूनिटी बढ़ाते हैं। गुड़ के साथ मिलाकर खाने से ये स्वादिष्ट और पौष्टिक दोनों बन जाते हैं।

सूखे मेवे के लड्डू

बादाम, काजू, अखरोट, किशमिश और खजूर से बने लड्डू विटामिन्स और मिनरल्स से भरपूर होते हैं। ये शरीर को ताकत देते हैं और स्किन ग्लोइंग बनाए रखते हैं। तो आप चाहें तो इसे भी बनाकर तैयार कर सकते हैं।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

ड्रग पार्टी मामले में अभिनेत्री श्रद्धा कपूर के भाई को एएनसी का समन्स

मुंबई (एजेंसी)। सोशल मीडिया इन्फ्लुएंसर ओरी के बाद अब बॉलीवुड अभिनेत्री श्रद्धा कपूर के भाई सिद्धांत कपूर को मुंबई पुलिस की एंटी-नारकोटिक्स सेल (एएनसी) ने ड्रग पार्टी केस में समन्स भेजा है। सिद्धांत कपूर को इस केस में 25 नवंबर को पेश होने के लिए कहा गया है। ओरी, जो पहले समन्स भेजे जाने के बावजूद पेश नहीं हुए थे, उन्हें अब 26 नवंबर की नई तारीख दी गई है। मिली जानकारी के मुताबिक, दाऊद इब्राहिम के गैंग का एक खास सदस्य और भगोड़े ड्रग किंगपिन सलीम डोला का करीबी मोहम्मद सलीम मोहम्मद सुहैल शेख ने मुंबई और दुबई में रेव पार्टियां ऑर्गनाइज़ की थीं। मुंबई क्राइम ब्रांच की एंटी-नारकोटिक्स सेल के मुताबिक, इन पार्टियों में कथित तौर पर दाऊद इब्राहिम की मरहूम बहन हसीना पारकर का बेटा अलीशा, अभिनेत्री नोरा फतेही, श्रद्धा कपूर और उनके भाई सिद्धांत कपूर शामिल हुए थे। इन पार्टियों में शामिल होने वाले दूसरे लोगों में कुछ बड़े और खास लोग भी शामिल थे। मुंबई कोर्ट में पुलिस की तरफ से फाइल की गई रिमांड एप्लीकेशन में कहा गया है कि फिल्ममेकर अब्बास-मस्तान, रैपर लोका, ओरी और राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (अजित पवार) के नेता जीशान सिद्दीकी भी इन पार्टियों में कथित तौर पर मौजूद थे। मुंबई पुलिस की एएनसी इस हाई-प्रोफाइल पार्टी केस की जांच कर रही है।

राहुल गांधी मामले की सुनवाई अब 18 दिसंबर को

वाराणसी (एजेंसी)। लोकसभा में विपक्ष के नेता और कांग्रेस सांसद राहुल गांधी से जुड़े एक मामले की सुनवाई वाराणसी कोर्ट में शुक्रवार को होनी थी, लेकिन उनके कोर्ट में उपस्थित नहीं होने के चलते तारीख आगे बढ़ा दी गई। अब इस मामले की सुनवाई 18 दिसंबर को होगी। इस मामले की सुनवाई कर रहे विशेष न्यायाधीश एमपी-एमएलए यजुर्वेद विक्रम सिंह ने कहा, कि मामले की अगली सुनवाई (18 दिसंबर) पर राहुल गांधी या उनके वकील कोर्ट में पेश हों, ताकि सुनवाई हो सके। यहां बताते चलें कि राहुल गांधी द्वारा अमेरिका के न्यूयॉर्क में ब्राउन यूनिवर्सिटी में भगवान राम को कथित तौर पर काल्पनिक कहने के आरोप पर याचिका दायर की गई थी। इसे लेकर 12 मई को वकील हरिशंकर पांडेय ने पुनरीक्षण याचिका दाखिल की थी, जिसमें उन्होंने दावा किया कि राहुल गांधी ने 21 अप्रैल को अमेरिका के बोस्टन स्थित ब्राउन यूनिवर्सिटी में स्टूडेंट्स के साथ हुए एक सेशन में विवादित बयान दिए। बताया जा रहा है कि इस मामले में कोर्ट में पहले याचिकाकर्ता की मेंटेनिबिलिटी यानी मानसिकता पर बहस होगी, इसके बाद ही तय हो पाएगा कि राहुल गांधी के खिलाफ मामला चलाया जाए या नहीं।

तुर्की और चीन में बने हाई-टेक वेपन्स का बड़ा जखीरा दिल्ली पुलिस ने पकड़ा

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली पुलिस की क्राइम ब्रांच ने अंतरराष्ट्रीय हथियार तस्करी करने वाले एक बड़े रैकेट का भंडाफोड़ कर दिया है। पुलिस ने गिरोह से जुड़े चार आरोपियों को गिरफ्तार किया है, जो पाकिस्तान से ड्रोन के जरिए आए अत्याधुनिक हथियारों की सप्लाई कुख्यात गैंगस्टरों तक पहुंचाने की कोशिश कर रहे थे। इन हथियारों की खेप पंजाब के रास्ते भारत लाई गई थी और इन हथियारों को लॉरेंश बिश्नोई, बमबीहा, गोगी और हिमांशु भाऊ गैंग तक सप्लाई होना था। बरामद हथियारों में तुर्की और चीन में बने हाई-टेक वेपन्स शामिल हैं। क्राइम ब्रांच को इनपुट मिला था कि कुछ तस्कर दिल्ली में हथियारों की बड़ी सप्लाई करने पहुंचने वाले हैं। इसके बाद रोहिणी इलाके में जाल बिछाकर इन आरोपियों को पकड़ा गया। पुलिस ने मौके से भारी मात्रा में आधुनिक हथियार बरामद किए हैं और पूरे नेटवर्क की जांच जारी है। गिरफ्तार किए गए आरोपी पंजाब और यूपी निवासी हैं। पुलिस ने बताया कि हथियारों की यह बड़ी खेप दिल्ली के रोहिणी इलाके से बरामद की गई। कुछ तस्कर राजधानी में हथियारों की सप्लाई करने वाले हैं। इसके बाद टीम ने मौके पर ट्रैप लगाकर आरोपियों को गिरफ्तार किया।

उप-मुख्यमंत्री सचिव के नाम का दुरुपयोग, एमएलसी को भेजा धमकी भरा पत्र

पटना (एजेंसी)। पटना में राजनीतिक हलकों में हड़कंप मच गया है। उप-मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी के निजी सचिव रणवीर बरियार के नाम का दुरुपयोग कर एक धमकी भरा और अभद्र टिप्पणी वाला पत्र एमएलसी नीरज कुमार को भेजा गया। पत्र स्पीड पोस्ट के माध्यम से भेजा गया था, जिससे मामला और गंभीर बन गया। पत्र की जानकारी मिलने पर निजी सचिव ने सचिवालय थाना में एफआईआर दर्ज कराई। पुलिस ने पत्र के स्रोत और सामग्री की जांच शुरू कर दी है। जांच में पता चला कि यह पत्र कर्नाटक के मैसूर से भेजा गया था। इसमें निजी सचिव का नाम और पदनाम इस्तेमाल किया गया, जिसका उद्देश्य राजनीतिक भ्रम और डर फैलाना था। पुलिस का मानना है कि यह कार्य किसी विरोधी तत्व या दुर्भावनाशील व्यक्ति का हो सकता है। यह सिर्फ अभद्र टिप्पणी नहीं, बल्कि उच्च पदस्थ अधिकारी के नाम पर जनप्रतिनिधि को धमकाने का गंभीर प्रयास माना जा रहा है। इस घटना ने राजधानी पटना में प्रशासनिक और राजनीतिक हलकों में चिंता बढ़ा दी है।

दिल्ली पुलिस ने अपने साइ-हाक ऑपरेशन में बड़ी संख्या में स्कैमर्स को पकड़ा

नई दिल्ली (एजेंसी)। म्यूल अकाउंट के जरिए दिल्ली से ऑपरेट हो रहे साइबर सिंडिकेट में दिल्ली पुलिस ने अपने साइ-हाक ऑपरेशन में बड़ी संख्या में स्कैमर्स को पकड़ा है। दिल्ली पुलिस इस बारे में बड़ा खुलासा करने वाली है। पुलिस सूत्रों के मुताबिक, आई4सी की मदद से दो दिन तक चले ऑपरेशन में सभी जिलों में स्थित साइबर थानों को शामिल किया गया था। यह ऑपरेशन खत्म हुआ है। सूत्रों ने बताया कि इस पूरे ऑपरेशन में दिल्ली व बाकी दूसरे इलाकों से 700 से अधिक साइबर क्रिमिनल पकड़े हैं। इन सभी से पूछताछ जारी थी। वहीं, पुलिस साइ-हाक ऑपरेशन की फाइनल फिगर जुटाने में लगी थी। सूत्रों ने बताया कि यह संख्या 1000 तक पहुंच सकती है। ऑपरेशन के पहले ही दिन ही 12 घंटों के भीतर 350 से अधिक संदिग्ध को हिरासत में लिया जा चुका था। साइबर क्राइम से जुड़ी शिकायतों पर तुरंत एफआईआर भी दर्ज की जा रही है। डिस्ट्रिक्ट स्तर पर सभी डीसीपी ऑपरेशन को लीड कर रहे हैं। करीब 180 थाने, 15 जिलों के सभी साइबर थाने, क्राइम ब्रांच की साइबर टीम और स्पेशल सेल की आईएफएसओ यूनिट टीमें इस अभियान का हिस्सा बनी है।

केंद्रीय मंत्री शेखावत ने एसआईआर प्रक्रिया पर विपक्ष को घेरा, कांग्रेस पर साधा निशाना

जोधपुर (एजेंसी)। केंद्रीय जल शक्ति मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत ने विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) प्रक्रिया को लेकर विपक्षी दलों, खासकर कांग्रेस के सवालों पर करारा प्रहार किया। उन्होंने कहा कि निर्वाचन आयोग संवैधानिक अधिकारों के तहत निष्पक्ष चुनाव सुनिश्चित करने के लिए यह कार्य कर रहा है। जोधपुर एयरपोर्ट पर मीडिया से बातचीत में शेखावत ने स्पष्ट किया कि मतदाता सूची का समय-समय पर पुनरीक्षण चुनाव आयोग की जिम्मेदारी है। उन्होंने कहा, संविधान द्वारा प्रदत्त अधिकारों के अंतर्गत आयोग यह प्रक्रिया पूरी कर रहा है। देश में कई बार मतदाता सूचियों का विशेष गहन पुनरीक्षण हो चुका है, जो चुनावों की शुचिता बनाए रखने के लिए आवश्यक है।

कांग्रेस पर तीखा हमला बोलते हुए केंद्रीय मंत्री ने कहा कि यह पार्टी हमेशा से राजनीतिक स्वार्थ में लिप्त रही है। उन्होंने महाराष्ट्र चुनाव के बाद कांग्रेस नेताओं द्वारा मतदाता सूचियों में गड़बड़ी के आरोपों का जिक्र किया। शेखावत ने व्यंग्यात्मक लहजे में कहा, कांग्रेस और उसके मुखिया कभी हाइड्रोजन बम तो कभी एटम बम जैसे दावे करते रहे। अब एसआईआर प्रक्रिया शुरू होते ही वे इस पर राजनीति कर रहे हैं। लेकिन बिहार चुनाव में जनता ने स्पष्ट संदेश दिया है कि बांटने, तोड़ने और दुर्व्यवहार की राजनीति अब नहीं चलेगी। देश सिर्फ विकास और विकसित भारत की दिशा में प्रेरित राजनीति को स्वीकार करेगा। उन्होंने आगे कहा कि कई राज्यों में अभी चुनाव बाकी हैं और बंगाल जैसे राज्यों में जनता फिर से अपना फैसला सुनाएगी। एसआईआर प्रक्रिया पर उठे सवालों का जवाब देते हुए शेखावत ने बताया कि यह चरणबद्ध तरीके से पूरे देश में लागू की जाएगी। फिलहाल 12 राज्यों में यह प्रक्रिया चल रही है और इनके पूरा होने के बाद अन्य राज्यों में शुरू होगी। उन्होंने जोर देकर कहा कि एसआईआर से मतदाता सूचियों की सटीकता बढ़ेगी, जो लोकतंत्र की मजबूती के लिए जरूरी है।

कांग्रेस की आलोचना में शेखावत ने पार्टी के इतिहास को भी निशाने पर लिया। उन्होंने कहा, कांग्रेस ने अपने अस्तित्व से लेकर अब तक हर कदम राजनीति और सत्ता से प्रेरित रखा। यहां तक कि वंदे मातरम जैसे राष्ट्रीय गीत को भी सत्ता और कुर्सी के लिए बांटने का पाप किया। इसी सोच ने देश के विभाजन की नींव रखी। कांग्रेस ने जीवन भर बांटने और तोड़ने की राजनीति की। राजनीतिक स्वार्थ को सर्वोपरि रखते हुए सभी निर्णय लिए। अब भी वे कुछ अलग सोच सकती हैं, इसकी संभावना नहीं लगती। केंद्रीय मंत्री ने विपक्ष को चेतावनी देते हुए कहा कि जनता अब ऐसी विभाजनकारी राजनीति को बर्दाश्त नहीं करेगी। उन्होंने विकास की राजनीति पर जोर दिया और कहा कि मोदी सरकार का फोकस देश को एकजुट रखते हुए आगे बढ़ाना है। एसआईआर जैसी प्रक्रियाएं इसी दिशा में उठाए गए कदम हैं, जो चुनावी प्रक्रिया को और पारदर्शी बनाएंगी। शेखावत की यह टिप्पणियां ऐसे समय में आई हैं जब विपक्ष एसआईआर को लेकर सवाल उठा रहा है, लेकिन मंत्री ने इसे राजनीतिक दांव-पेच करार दिया। उन्होंने विश्वास जताया कि जनता सच्चाई समझती है और विकास के पथ पर साथ देगी।

गोवा जिला पंचायत चुनाव : आप सभी सीटों पर लड़ेगी चुनाव

पणजी (एजेंसी)। आम आदमी पार्टी ने गोवा जिला पंचायत चुनावों के लिए 22 उम्मीदवारों की घोषणा की है और सभी 50 सीटों पर पूरी ताकत से चुनाव लड़ने का ऐलान किया है। यह कदम दिखाता है कि आप गोवा के गांवों, कस्बों और स्थानीय निकायों को सक्रिय और मजबूत बनाने पर ध्यान केंद्रित कर रही है। आप ने पिछले कुछ वर्षों में अपनी संगठनात्मक पकड़ को बढ़ाया है और चुनाव जीतने की क्षमता वाली ठोस संरचना में बदल दिया है। घोषित सूची आप की साफ-सुथरी राजनीति, पारदर्शिता और जनसेवा की पहचान को दिखाती है। इसमें युवाओं, महिलाओं, सामाजिक कार्यकर्ताओं और अलग-अलग समुदायों के प्रतिनिधियों का संतुलित और समावेशी मिश्रण है। गोवा की जनता पानी, सड़क, बिजली, स्वास्थ्य और पारदर्शी प्रशासन की मांग को लेकर आप की तरफ देख रही है, और यह घोषणा उसी भरोसे की पुष्टि करती है। खबर के अनुसार, गोवा में बीजेपी सरकार के प्रति जनता की नाराज़गी बढ़ती दिख रही है। विकास के दावे केवल सोशल मीडिया तक सीमित हैं, जबकि पंचायतों की शक्तियों को लगातार कमजोर किया गया है। ग्रामीण इलाकों में महंगाई, रोजगार की कमी और भ्रष्टाचार के मुद्दे लगातार उठ रहे हैं, जबकि सरकार की प्राथमिकता केवल राजनीतिक प्रचार में नज़र आती है। आप ने साफ कर दिया है कि वह केवल चुनाव लड़ने नहीं, बल्कि गोवा की राजनीति को एक नया रास्ता दिखाने आई है, जिसमें जनता, पंचायतें और स्थानीय नेतृत्व केंद्र में हों, न कि सत्ता का एकाधिकार।

मणिपुर में कुछ समूह जानबूझकर अवैध प्रवासियों की मूल समस्या से ध्यान भटकाने में लगे : पूर्व सीएम सिंह

इंफाल (एजेंसी)। मणिपुर के पूर्व मुख्यमंत्री एन बीरेन सिंह ने दावा किया कि कुछ शक्तिशाली समूह जानबूझकर राज्य में अवैध प्रवासियों की मूल समस्या से ध्यान भटकाने की कोशिश में जुटे हैं। पूर्व सीएम सिंह ने कहा कि राष्ट्र-विरोधी और राज्य-विरोधी तत्वों को घुसपैठियों से जुड़े असल मुद्दे से ध्यान भटकाने की अनुमति नहीं होनी चाहिए।

उन्होंने पोस्ट में कहा, जब मैंने राजग सरकार के दौरान पड़ोसी देश से आए अवैध प्रवासियों और शरणार्थियों की पहचान शुरू की, तब पड़ोसी राज्यों के नेताओं ने इसकी कड़ी आलोचना की। सिंह ने कहा, ''आज नगालैंड और मिजोरम सहित हर पड़ोसी राज्य ने आखिरकार स्थिति की गंभीरता को समझकर सख्त कार्रवाई कर रहा है।''

उनका बयान हाल ही में मीडिया में आई उन खबरों के बाद आया है जिनमें कहा गया था कि मिजोरम सरकार ने राज्य के 11 जिलों में शरण लिए हुए म्यांमार के 31,214 शरणार्थियों का 58.15 प्रतिशत बायमैट्रिक नामांकन पूरा किया है।

पूर्व सीएम सिंह ने कहा कि मिजोरम अवैध प्रवासियों की पहचान करने में प्रभावशाली गति से आगे बढ़ रहा है, लेकिन इसकी सबसे पहले जिम्मेदारी लेने वाला राज्य मणिपुर जातीय हिंसा के नाम पर ज्वलंत मुद्दे पर चुप्पी साधे हुए है।

उन्होंने दावा किया कि प्राथमिकता में यह बदलाव कोई संयोग नहीं है। उन्होंने कहा, ''कुछ शक्तिशाली समूह जानबूझकर अवैध प्रवासियों की मूल समस्या से ध्यान हटाने की कोशिश कर रहे हैं ताकि राज्य और केंद्र सरकार गौण मुद्दों में उलझकर मणिपुर के सामने मौजूद मुख्य खतरे को भूल जाएं।''

तमिलनाडु विधानसभा चुनाव 2026: सीट शेयरिंग के लिए कांग्रेस ने बनाई कमेटी, डीएमके के साथ ही लड़ेगी चुनाव

चेन्नई (एजेंसी)। तमिलनाडु में 2026 में होने वाले विधानसभा चुनाव से पहले कांग्रेस ने अपने सहयोगी दल द्रमुक (डीएमके) के साथ सीट शेयरिंग पर औपचारिक बातचीत शुरू करने की तैयारी कर ली है। इसी कड़ी में पार्टी अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे के निर्देश पर एक पांच सदस्यीय कमेटी का गठन किया गया है, जो गठबंधन की रूपरेखा और सीटों के बंटवारे पर डीएमके से बातचीत का नेतृत्व करेगी।

कांग्रेस की ओर से तमिलनाडु-पुडुचेरी के इंचार्ज गिरीश चोडनकर को कमेटी का अध्यक्ष बनाया गया है। इसके साथ ही टीएनसीसी अध्यक्ष के. सेल्वापेरुंथगई, कांग्रेस विधायक दल के नेता एस. राजेश कुमार और दो अन्य वरिष्ठ नेताओं को भी कमेटी में शामिल किया गया है। टीएनसीसी ने शनिवार को इसका आधिकारिक ऐलान किया।

विजय की पार्टी से गठबंधन की अटकलों पर फिलहाल लगा विराम

पिछले कुछ हफ्तों में राजनीतिक गलियारों में चर्चा थी कि कांग्रेस 2026 के चुनाव में एक्टर विजय की नई पार्टी तमिलगा वेत्री कझगम (टीवीके) के साथ गठबंधन कर सकती है। हालांकि कांग्रेस नेता पी. चिदंबरम ने इन अटकलों को सिरे से खारिज कर दिया है। उन्होंने साफ कहा कि कांग्रेस आगामी विधानसभा चुनाव मौजूदा डीएमके-कांग्रेस गठबंधन के तहत ही लड़ेगी। कमेटी का गठन इंडिया ब्लॉक की एकता को मजबूत करने के प्रयास के तौर पर भी देखा जा रहा है।

गठबंधन की पिछली सफलताएँ

तमिलनाडु की कुल 234 विधानसभा सीटों में से कांग्रेस और डीएमके ने साल 2021 में मिलकर चुनाव लड़ा था। कांग्रेस ने 25 सीटों पर मुकाबला किया और 18 सीटों पर जीत दर्ज की थी। जबकि डीएमके ने 159 सीटें जीतीं और 10 साल बाद सत्ता में वापसी की। इसी जीत के बाद एमके स्टालिन पहली बार मुख्यमंत्री बने।

बच्चा चोरी और ह्यूमन ट्रैफिकिंग मामले में 7 लोग दोषी करार, 24 को सुनाई जा सकती है सजा

वाराणसी(एजेंसी)। वाराणसी जिला एवं सत्र न्यायालय की फास्ट ट्रैक कोर्ट ने बच्चा चोरी और ह्यूमन ट्रैफिकिंग मामले में 7 लोगों को दोषी करार दिया है। इसी मामले के 8 आरोपियों को संदेह का लाभ मिला और उन्हें दोषमुक्त करार दिया गया। दोषियों को 24 नवंबर को सजा सुनाई जा सकती है। गौरतलब है कि बच्चा चोरी और ह्यूमन ट्रैफिकिंग के मामले में पुलिस ने 16 लोगों के खिलाफ अदालत में चार्जशीट दाखिल की थी। इस गिरोह के 10 सदस्यों को झारखंड, राजस्थान और यूपी के बनारस से गिरफ्तार किया गया था। गिरफ्तार आरोपियों के कब्जे व निशानदेही पर अगवा कर बेचे गए तीन बच्चों को बरामद किया गया था। पुलिस ने तब बच्चे को अगवा करने में इस्तेमाल कार को भी बरामद कर सीज किया था। इन आरोपियों में गिरोह का मास्टर माइंड समेत तीन महिलाएं भी शामिल रही हैं। इस मामले की सुनवाई फास्ट ट्रैक कोर्ट में हुई, जहां गवाहों, साक्ष्यों और पुलिस चार्जशीट के आधार पर 7 लोगों को दोषी करार दिया गया है। अब सभी दोषियों को 24 नवंबर को सजा सुनाई जा सकती है। इस मामले में पुलिस सूत्रों का कहना था, कि बच्चों की चोरी कर राजस्थान, झारखंड और बिहार आदि राज्यों में मौजूद दलालों को सौंप दिया जाता था। फिर दलाल इन बच्चों को दो से पांच लाख तक में निःसंतान दंपती या अन्य जरुरतमंद को बेच देते थे।

अयोध्या राम मंदिर में ध्वजारोहण समारोह: अतिथियों के सत्कार की पूरी व्यवस्था

-पहले दिन पूजन विधिवत संपन्न, देवताओं का किया आह्वान

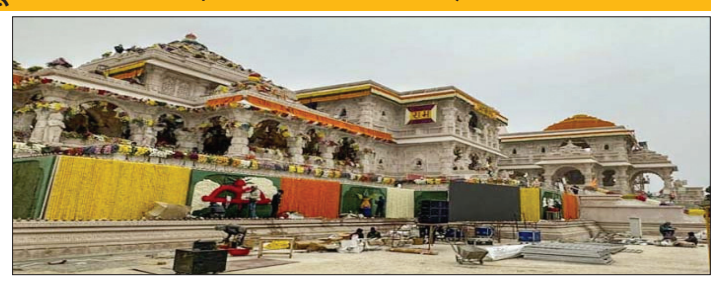

अयोध्या (एजेंसी)। अयोध्या में श्रीराम मंदिर में होने वाले ऐतिहासिक ध्वजारोहण समारोह को सफल बनाने के लिए तैयारी है। अतिथियों के सत्कार से लेकर धार्मिक अनुष्ठानों तक, हर व्यवस्था को सूक्ष्मता से संचालित किया जा रहा है। आमंत्रित आगंतुकों के लिए सात स्थानों पर आठ भोजनालय बनाए हैं, जहां लाखों पानी की बोतलों समेत सभी तरह की सेवाओं की व्यवस्था है। इन भोजनालयों में जलपान के बाद अतिथियों को कार्यक्रम स्थल भेजा।

केंद्रीय मंत्री राजेंद्र सिंह ÷पंकज÷ ने बताया कि सीता रसोई के अलावा देशभर में अन्न सेवा करने वाले भक्त संगठन भी भोजनालयों में मदद कर रहे हैं। यह सभी भोजनालय आगंतुकों को निर्बाध, गरिमामय व सहज सेवाएं प्रदान कर रहे हैं। ध्वजारोहण कार्यक्रम के पहले दिन पूजन की शुरुआत भव्य कलश यात्रा के बाद से ध्वजारोहण कार्यक्रम के प्रथम चरण के रूप में वैदिक पूजन-अर्चन की शुरुआत हुई। विभिन्न आचार्यों ने पूर्ण वैदिक विधि से देवताओं का आवाहन किया और कई महत्वपूर्ण अनुष्ठान संपन्न कराए। पूजन क्रम में गणपति पूजन, पंचांग पूजन, षोडष मातृका पूजन, मंडप प्रवेश पूजन, योगिनी पूजन, क्षेत्रपाल पूजन, वास्तु पूजन, नवग्रह पूजन एवं रामभक्त मंडल सहित सभी पूज्य मंडलों का आवाहन पूजन सम्पन्न हुआ। इसके बाद अरणि मंथन से अग्निकुंड में अग्नि स्थापना की गई। यजमान डॉ. अनिल मिश्र ने अपनी अर्द्धांगिनी के साथ पूजन किया। मुख्य आचार्य चंद्रभान शर्मा, उपाचार्य रविंद्र पैठणे, यज्ञ ब्रह्मा पंकज शर्मा सहित अन्य आचार्यों ने कार्यक्रम संपन्न कराया। पूजन व्यवस्था प्रमुख आचार्य इंद्रदेव मिश्र व आचार्य पंकज कौशिक के निर्देशन में सभी अनुष्ठान सफलतापूर्वक पूर्ण हुए। अतिथियों की आरामदायक व्यवस्था और वैदिक विधानों की निरंतरता इस ऐतिहासिक ध्वजारोहण कार्यक्रम को विशिष्ट और गरिमामय बना रही है।

ट्रंप और ममदानी के मुलाकात पर शशि थरुर ने कांग्रेस को आईना दिखाया

नई दिल्ली (एजेंसी)। कांग्रेस सांसद शशि थरूर ने अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप और न्यूयॉर्क शहर के मेयर ज़ोहरान मामदानी के बीच हुई मुलाकात पर अपनी राय दी है। न्यूयॉर्क मेयर चुनाव से पहले ट्रंप और मामदानी दोनों ने एक-दूसरे पर खूब निशाना साधा था, लेकिन वाइट हाउस में शुक्रवार को हुई उनकी मुलाकात सौहार्दपूर्ण रही। मुलाकात के एक वीडियो क्लिप पर प्रतिक्रिया देकर कांग्रेस नेता थरूर ने कहा कि लोकतंत्र को इसतरह काम करना चाहिए। उन्होंने कहा कि वह भारत में इस तरह का माहौल देखना पसंद करुंगा।

कांग्रेस नेता थरूर ने लिखा, चुनावों में अपने दृष्टिकोण के लिए जोश के साथ लड़ें। बिना किसी अलंकारिक रोक के विरोध किया। लेकिन एक बार जब चुनाव खत्म हुआ और जनता अपना फैसला सुना चुकी हो, तब उस राष्ट्र के सामान्य हित में एक-दूसरे के साथ सहयोग करना सीखें। जनता की सेवा करने के लिए आप दोनों प्रतिबद्ध हैं। उन्होंने कहा कि वह भारत में भी इसतरह की कोशिश के लिए प्रयास कर रहे हैं।

ट्रंप ने कहा कि मुलाकात बहुत ही उत्पादक रही और उम्मीद जाहिर की कि न्यूयॉर्क को एक महान मेयर मिलेगा। ट्रंप ने ममदानी की प्रशंसा कर कहा कि उन्हें पूरा विश्वास है कि डेमोक्रेट नेता अच्छा काम करेगा और कुछ रूढ़िवादी लोगों को आश्चर्यचकित करेगा। जब एक रिपोर्टर ने ममदानी से पूछा कि क्या इसकी पुष्टि करेगा, कि ट्रंप फासीवादी हैं, तब अमेरिकी राष्ट्रपति ने मजाकिया लहजे में कहा कि मेयर हां में जवाब दे सकते हैं। ट्रंप ने कहा, यह ठीक है। आप कह सकते हैं। यह समझाने से आसान है। मुझे कोई आपत्ति नहीं है।

बता दें कि थरूर की कुछ टिप्पणियों ने अतीत में कांग्रेस पार्टी के भीतर हलचल मचा दी थी। थरूर ने कहा था कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का रामनाथ गोयनका व्याख्यान आर्थिक दृष्टिकोण और सांस्कृतिक आह्वान दोनों के रूप में कार्य करता है। उन्होंने कहा कि बुखार और खांसी से जूझने के बावजूद उन्हें भाषण के दौरान दर्शकों में शामिल होकर खुशी हुई। उनके इस बयान पर कांग्रेस नेता संदीप दीक्षित ने उन्हें पाखंडी कहा, जबकि सुप्रिया श्रीनेत ने कहा कि उन्हें पीएम के भाषण में प्रशंसा के योग्य कुछ भी नहीं मिला।

यूपी में डिजिटल नक्शे तैयार करने के लिए अगले साल से ड्रोन सर्वेक्षण

लखनऊ (एजेंसी)। उत्तरप्रदेश राज्य के नगरीय निकाय क्षेत्रों की भूमि के सटीक व डिजिटल नक्शे तैयार करने के लिए अगले साल से ड्रोन सर्वेक्षण का कार्य शुरू होगा। पायलेट प्रोजेक्ट (प्रायोगिक परियोजना) के तौर पर अनूप शहर में चल रहे सर्वेक्षण के पूरा होने के बाद अन्य नगरीय निकायों के लिए सर्वेक्षण की कार्ययोजना तैयार होगी। सर्वेक्षण के बाद संबंधित नगरीय निकाय क्षेत्रों में स्थित औद्योगिक क्षेत्र, बाजार, रिहायशी क्षेत्र, सड़क, रेल ट्रैक, तालाब, नदी व हरित क्षेत्र की सटीक जानकारी मिलेगी। इसके आधार पर राजस्व रिकार्ड के डिजिटल नक्शे तैयार किए जाएंगे।

केंद्रीय भूमि संसाधन विभाग के डिजिटल इंडिया भूमि रिकार्ड आधुनिकीकरण कार्यक्रम (डीआइएलआरएमपी) के तहत यूपी के ग्रामीण क्षेत्रों का सर्वेक्षण पूरा करने के बाद शहरी क्षेत्रों में सर्वेक्षण होना है। डीआइएलआरएमपी के तहत केंद्र सरकार हर प्रकार की भूमि का रिकार्ड तैयार करा रही है। इस रिकार्ड के तैयार होने के बाद सभी रिहायशी कालोनियों के भी नक्शे तैयार किए जाएंगे। अभी तक टैक्स प्रणाली के मद्देनजर शहरी क्षेत्रों के नक्शे तैयार किए गए हैं।

ड्रोन सर्वेक्षण के बाद सभी शहरों का नक्शा तैयार किया जाएगा, इससे भूमि के मालिकाना अधिकार को लेकर स्पष्टता आएगी। साथ ही भूमि की खरीद व बिक्री में धोखाधड़ी पर रोक लगेगी। एकीकृत भूमि सूचना प्रबंधन प्रणाली विकसित करने के लिए किए सभी शहरों व कालोनियों के नक्शों की जियो-रेफरेंसिंग (वास्तविक दुनिया के भौगोलिक निर्देशांकों को डिजिटल मानचित्र या छवि के साथ जोड़ने की प्रक्रिया) पूरी की जाएगी।

राजस्व विभाग ने पहले चरण के सर्वेक्षण के लिए टांडा, नवाबगंज, चित्रकूट धाम, गोरखपुर, हरदोई, झांसी, चुनार, पूरनपुर व तिलहर के नगरीय निकायों का चयन किया गया है।

पायलेट प्रोजेक्ट के तौर पर 18 फरवरी से अनूप शहर में सर्वेक्षण किया जा रहा है। इस सर्वेक्षण के समाप्त होने के बाद अन्य नगरीय निकाय क्षेत्रों के सर्वेक्षण की कार्ययोजना तैयार की जाएगी। चूंकि अनूप शहर की आबादी करीब 46 हजार है और 10 हजार मकान हैं इसलिए पायलेट प्रोजेक्ट के तौर पर इसका चयन किया गया है।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com | www.facebook.com/krantisamay1 | www.twitter.com/krantisamay1

संक्षिप्त समाचार

बांग्लादेश में 5.5 तीव्रता का भूकंप, बंगाल में भी तेज झटके ; नरसिंगडी में रहा केंद्र

ढाका, एजेंसी। बांग्लादेश में 5.5 तीव्रता का भूकंप आने के बाद पश्चिम बंगाल में भी तेज झटके महसूस किए जाने की खबर है। अमेरिकी एजेंसी- यूएसजीएस ने बताया है कि भूकंप का केंद्र बांग्लादेश के नरसिंगडी के पास रहा। फिलहाल, किसी भी तरह के जानमाल के नुकसान की खबर नहीं मिली है। इस संबंध में सूचनाएं लगातार अपडेट हो रही हैं। यूएसजीएस ने बताया कि भूकंप के झटके शुक्रवार सुबह 10.08 बजे महसूस किए गए। भूकंप से जुड़ी एक अन्य मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक शुक्रवार सुबह बांग्लादेश के कुछ हिस्सों में भूकंप आया। डेली स्टार की इस खबर के अनुसार, बांग्लादेश ओपन यूनिवर्सिटी के पूर्व कुलपति और भूविज्ञान विभाग के पूर्व अध्यक्ष प्रोफेसर सैयद हुमायूं अख्तर ने बताया कि बांग्लादेश के कुछ हिस्सों में आए भूकंप के झटके बहुत तेज थे। प्रोफेसर अख्तर के मुताबिक हाल के दिनों में, बांग्लादेश में इतनी तीव्रता के झटका महसूस नहीं किए गए हैं। रिपोर्ट्स में बताया गया कि सीमा पार बसे कोलकाता और आसपास के इलाकों के निवासियों ने भी भूकंप के हल्के झटके महसूस करने की बात कही। लोगों ने बताया कि भूकंप के दौरान पंखे और दीवार पर लटकने वाली चीजें हिलती दिखीं। हालांकि, पश्चिम बंगाल से भूकंप में किसी के घायल होने या हताहत होने की खबर नहीं है।

अमेरिका के अलास्का में अगले 65 दिन तक सूरज नहीं निकलेगा

अलास्का , एजेंसी। अमेरिका के अलास्का में स्थित उटकियाग्विक शहर में इस साल का आखिरी सूर्यास्त 18 नवंबर को दर्ज किया गया। अब यहां अगले 65 दिन तक सूरज नहीं निकलेगा। यह टाउन पीरीयड पोलर नाइट कहलाती है। यह शहर उत्तरी अमेरिका का सबसे उत्तरी कस्बा है और आर्कटिक सर्कल से करीब 483 किलोमीटर आगे है। यहां करीब 4,600 लोग रहते हैं। सर्दियों में पृथ्वी का उत्तरी गोलार्ध सूरज से दूर झुक जाता है, इसलिए दिसंबर के आसपास यहां कई हफ्तों तक सूरज ऊपर नहीं उठता। थोड़ी रोशनी सिर्फ दोपहर में दक्षिण दिशा में हल्की लालिमा (ट्वाइलाइट) और कभी-कभी आकाश में नॉर्दर्न लाइट्स से मिलती है। अगला सूर्योदय यहां 22 जनवरी 2026 को होगा। यहां तापमान अक्सर माइनस 30-40 डिग्री फॉरेनहाइट तक चला जाता है। गर्मियों में उल्टा होता है। मई के मध्य से अगस्त के शुरू तक यहां सूरज बिल्कुल नहीं डूबता, यानी 24 घंटे दिन रहता है।

मेहुल प्रत्यर्पण मामले की बेल्जियम सुप्रीम कोर्ट में 9 को सुनवाई

ब्रसेल्स, एजेंसी। भगोड़ा हीरा व्यापारी मेहुल चोकसी के प्रत्यर्पण को चुनौती देने वाला मामला बेल्जियम की सर्वोच्च न्यायालय कोर्ट ऑफ कैसेशन में 9 दिसंबर को सुना जाएगा। चोकसी ने बेल्जियम की शीर्ष अदालत में 17 अक्टूबर के एंटवर्प कोर्ट ऑफ अपील के फैसले को चुनौती दी है, जिसमें भारत की ओर से प्रत्यर्पण की मांग को वैध और लागू करने योग्य माना गया था। कोर्ट ऑफ कैसेशन केवल कानूनी पहलुओं की समीक्षा करती है और नए सबूत या तथ्य पेश नहीं किए जा सकते। एडवोकेट जनरल हेनरी वांडरलिंडेन ने बृहस्पतिवार को कहा कि सुनवाई लिखित रूप में होगी। यदि अदालत अपील स्वीकार नहीं करती है तो यह केवल कानूनी कारणों से होगा। बता दें कि 17 अक्टूबर को एंटवर्प कोर्ट ऑफ अपील की चार सदस्यीय पीठ ने मुंबई विशेष न्यायालय की ओर से मई 2018 और जून 2021 में जारी गिरफ्तारी वारंट को लागू होने योग्य करार दिया था। कोर्ट ने कहा था कि चोकसी को भारत प्रत्यर्पित किए जाने पर उचित न्याय और मानवाधिकारों का उल्लंघन होने का खतरा नहीं है। चोकसी पर पीएनबी घोटाले में 13,000 करोड़ रुपये की हेराफेरी का आरोप है, जिसमें सीबीआई के अनुसार अकेले चोकसी ने 6,400 करोड़ रुपये का गबन किया। जनवरी 2018 में घोटाले के सामने आने से पहले वह एंटिगुआ और बारबुडा भाग गया था और बाद में बेल्जियम में देखा गया।

आईएईए ने ईरान से मांगी यूरेनियम के भंडार पर सटीक जानकारी

वाशिंगटन, एजेंसी। संयुक्त राष्ट्र की परमाणु निगरानी संस्था (आईएईए) ने ईरान से हथियार-स्तर के करीब संवर्धित यूरेनियम के भंडार पर सटीक जानकारी मांगी है। आईएईए ने चेतावनी भरे लहजे में कहा कि वह निरीक्षकों को अपने परमाणु स्थलों तक पूर्ण व त्वरित पहुंच भी प्रदान करे। वियना में आईएईए के महानिदेश राफेल ग्रॉसी ने बुधवार को कहा कि एजेंसी को ईरान के निम्न और उच्च संवर्धित यूरेनियम के भंडार की तत्काल जांच करने की आवश्यकता है, जिसे निरीक्षक पिछले पांच महीने में नहीं कर पाए हैं।

ब्राजील में संयुक्त राष्ट्र जलवायु सम्मेलन स्थल पर लगी आग, 21 घायल, बाहर निकाले गए हजारों लोग

बेलेम, एजेंसी। ब्राजील के बीलेम में चल रहे सीओपी30 क्लाइमेट समिट के मुख्य स्थल 'ब्लू जोन' में गुरुवार दोपहर आग लग गई, जिससे हड़कंप मच गया। इस आग की वजह से कम से कम 21 लोग घायल हो गए। वहीं आग लगते ही हजारों प्रतिनिधि, अधिकारी, पत्रकार और कर्मचारी सुरक्षा के लिए बाहर की ओर दौड़ पड़े, वहीं मौके पर मौजूद हजारों लोगों को तेजी से बाहर निकाला गया और इस वार्ता को रोकनी पड़ी। शुरुआती जांच में सामने आया है कि आग की संभावना इलेक्ट्रिकल उपकरण, संभवतः माइक्रोवेव से लगी। अब ऐसे में सवाल खड़ा होता है कि क्या जलवायु सुरक्षा पर ध्यान देने वाले सम्मेलन में भी सुरक्षा नियमों का पालन नहीं होता? स्थानीय समयानुसार आग दोपहर 2 बजे लगी और सुरक्षा फुटेज में देखा गया कि आग ने पवेलियन की दीवार और छत के अंदर लगे फैब्रिक को जलाया। धुंआ उठता देख लोग चिल्लाते हुए बाहर निकले। दूसरी ओर पूरी तरह से तैयार फायर ब्रिगेड की टीम ने आग पर सिर्फ छह मिनट में काबू में कर लिया। बताया जा रहा है कि घायल लोगों में 19 लोग धुएं के कारण घायल हुए, वहीं दो लोग घबराहट के चलते।

यह घटना समिट के शुरू होने के बाद तीसरी बड़ी घटना है। इससे पहले स्थानीय आदिवासी प्रदर्शनकारियों ने स्थल पर प्रदर्शन किया और प्रवेश मार्ग को ब्लॉक किया था। आयोजक ब्राजील और यूएनएफसीसीसी ने कहा कि सुरक्षा कर्मियों ने तुरंत सुरक्षा उपाय किए और आग को नियंत्रित किया।

यूएन महासचिव ने क्या कहा : वहीं इस हादसे को लेकर संयुक्त राष्ट्र के महासचिव एंटोनियो गुटेरेस ने कहा कि दुनिया देख रही है और सभी को महत्वपूर्ण समझौते पर पहुंचने की अपील की। समिट के आखिरी दिन से 24 घंटे से भी कम समय बचा है और लगभग 200 देशों के प्रतिनिधि अभी भी सहमति बनाने की कोशिश में हैं। ब्राजील ने इसे वैश्विक जलवायु कार्रवाई को तेज करने और पुराने वादों को वास्तविक परिणाम में बदलने के लिए बहुत जरूरी बताया।

फायर ब्रिगेड और इमरजेंसी टीम अलर्ट पर : स्थानीय प्रशासन ने बताया कि आग पर काबू पाने के लिए अतिरिक्त दमकल गाड़ियां भेजी गई हैं। अधिकारियों ने कहा कि सभी सुरक्षा प्रोटोकॉल सक्रिय कर दिए गए हैं और फिलहाल आग के कारणों की जांच की जा रही है। संयुक्त राष्ट्र जलवायु परिवर्तन फ्रेमवर्क सचिवालय ने तुरंत अलर्ट जारी करते हुए सभी लोगों को स्थल खाली करने का निर्देश दिया। संदेश में कहा गया ध्यान दें: जोन बी में आग की घटना हुई है। कृपया तुरंत स्थल खाली करें। आगे की जानकारी जल्द दी जाएगी। एक यूएन सुरक्षा अधिकारी के मुताबिक, आग पर काबू पा लिया गया है, लेकिन सुरक्षा जांच के कारण अभी किसी को अंदर जाने की अनुमति नहीं है। उन्होंने बताया कि स्थिति का पूरा आकलन किया जा रहा है और सभी 13 घायलों को मौके पर ही धुएं से प्रभावित होने पर इलाज दिया गया और उनकी हालत पर नजर रखी जा रही है। इस सम्मेलन में 190 से अधिक देशों के प्रतिनिधि शामिल हो रहे हैं। सीओपी30 जलवायु सम्मेलन अमेजन क्षेत्र के बेलेम शहर में 10 नवंबर से 21 नवंबर तक आयोजित किया जा रहा है।

कई किलोमीटर दूर से दिखा धुएं का गुबार : आग लगते ही हजारों लोगों के बीच अफरातफरी मच गई। घटनास्थल से आए वीडियो और तस्वीरों में लोग अपनी जान बचाने के लिए इधर-उधर भागते दिखे। वहीं, पवेलियन से आग की लपटें और काले धुएं का गुबार उठता दिखाई दिया। धुआं कई किलोमीटर दूर से भी देखा जा सकता था। मौके पर कई एम्बुलेंस और फायरब्रिगेड की गाड़ियां पहुंचीं और तुरंत कार्रवाई कर सभी लोगों को सुरक्षित बाहर निकाल लिया।

छह मिनट में आग पर काबू पाया गया : कार्यक्रम के आयोजक यूएन सीओपी30 प्रेसीडेंसी और यूएनएफसीसीसी ने एक जॉइंट स्टेटमेंट में बताया कि लगभग छह मिनट में आग पर काबू पा लिया गया। यूनाइटेड नेशन्स फ्रेमवर्क कनवेंशन ऑन क्लाइमेट चेंज (यूएनएफसीसीसी) के वार्षिक सीओपी30 क्लाइमेट समिट 10 से 21 नवंबर तक होने वाला है। इसमें 190 से ज्यादा देशों के हजारों लोग भाग लेने पहुंचे हैं। आयोजकों ने अपने बयान में मेहमानों से कार्यक्रम से जुड़ी जानकारी के लिए अगली सूचना तक इंतजार करने कहा गया है। आग लगने से कई अहम बैठकें टली आग की वजह से कई अहम बैठकें रद्द या टल गईं। अब सम्मेलन का समय शुक्रवार शाम तक खत्म होने की बजाय देर रात या शनिवार तक खिंच सकता है। फिलहाल स्थल को पूरी तरह जांचने के बाद ही प्रतिनिधियों को दोबारा प्रवेश दिया जाएगा।

7 किलोमीटर लंबी सुरंग और अंदर 80 कमरे, हमास के अड्डे पर इजरायली सेना ने बोला धावा

गाजा, एजेंसी। इजरायल की सेना ने गाजा पट्टी में हमास की एक बड़ी सुरंग का पता लगाया है, जहां हाल ही में लेफ्टिनेंट हैदर गोल्डिन का शव रखा गया था। गोल्डिन 2014 के इजरायल-हमास युद्ध के दौरान गाजा में घात लगाकर हमले में मारे गए थे। इस महीने की शुरुआत में इजरायल को उनके अवशेष मिले थे। एक्स पर एक पोस्ट में ढ्ढष्ठस्न ने उस सुरंग का वीडियो साझा किया जहां गोल्डिन का शव रखा गया था। आईडीएफ ने कहा कि यह सुरंग रफाह के घनी आबादी वाले इलाके के नीचे से गुजरती है। संयुक्त राष्ट्र की फिलिस्तीनी शरणार्थी एजेंसी के कंपाउंड, मस्जिदों, क्लीनिकों और किंडरगार्टन स्कूलों से होकर जाती है। यह सुरंग हमास कमांडरों की ओर से हथियार रखने, हमले की योजना बनाने और लंबे समय तक ठहरने के लिए इस्तेमाल की जाती थी। आईडीएफ के अनुसार, सुरंग 7 किलोमीटर से अधिक लंबी, 25 मीटर गहरी है और इसमें 80 कमरे हैं। इसे एलीट याहलोम कॉम्बैट इंजीनियरिंग यूनिट और शायेटेट 13 नेवल कमांडो यूनिट ने खोजा। सैन्य बलों को सीनियर हमास कमांडरों के कमांड पोस्ट के रूप में इस्तेमाल होने वाले कमरे मिले, जिनमें मुहम्मद शबाना भी शामिल है, जिसे मई में हमास नेता मोहम्मद सिनवार के साथ मार गिराया गया था। आईडीएफ ने कहा कि उसने मारवान अल-हम्स को गिरफ्तार किया है, जो लेफ्टिनेंट हैदर गोल्डिन

की मौत की घोषणा करने में शामिल हमास आतंकवादी है। अल-हम्स पर रफाह में व्हाइट-क्राउन्ड सुरंग में गोल्डिन के दफन स्थान की जानकारी होने का भी शक है।

गाजा पट्टी में इजरायल के हवाई हमले जारी : इजरायली सेना के मुताबिक, जुलाई 2025 का ऑपरेशन पिछले 6 महीनों में लेफ्टिनेंट हैदर गोल्डिन को वापस लाने और इजरायल में दफनाने के लिए किए गए दर्जनों गोपनीय ऑपरेशनों का हिस्सा था। इस बीच, गुरुवार को दक्षिणी गाजा पट्टी के खान यूनिस में इजरायली हवाई हमलों में 5 लोग मारे गए और 18 घायल हो गए। खान यूनिस के पूर्व में बनी सुहैला शहर में एक घर पर हमले में 3 लोग मारे गए, जिनमें एक नवजात शिशु भी शामिल है और 15 घायल हुए। पास के अबासन शहर में एक अन्य हमले में एक व्यक्ति मारा गया और तीन घायल हुए। ये हवाई हमले ऐसे समय हुए जब हमास और इजरायल एक-दूसरे पर लगभग छह सप्ताह पुराने नाजुक युद्धविराम का उल्लंघन करने का आरोप लगा रहे हैं।

अमेरिका -सऊदी एफ-35 डील के बीच इजरायल ने जताया भरोसा

यरूशलम, एजेंसी। अमेरिका सऊदी अरब को एफ-35 लड़ाकू विमान बेचने की तैयारी कर रहा है। इस पर इजरायल ने प्रतिक्रिया दी है। इजरायल का कहना है कि उसे भरोसा है कि वाशिंगटन उसे आगे भी आधुनिक अमेरिकी हथियारों तक विशेष पहुंच देता रहेगा। सिन्हुआ न्यूज एजेंसी की रिपोर्ट के मुताबिक, इजरायल अभी मिडिल ईस्ट का अकेला ऐसा देश है जो एडवांस्ड स्टेल्थ एयरक्राफ्ट चला रहा है। अमेरिकी कानून के अनुसार, क्षेत्र में किसी भी देश को ऐसे हथियार तभी दिए जा सकते हैं जब इससे इजरायल की सैन्य बढ़त कम न हो। प्रवक्ता शोश बेड्रोसियन ने कहा, 'अमेरिका और इजरायल के बीच लंबे समय से यह समझ बनी हुई है कि रक्षा के मामले में इजरायल की गुणवत्ता-आधारित बढ़त बनी रहे। यह कल भी सच था, आज भी सच है और प्रधानमंत्री (बेंजामिन नेतन्याहू) का मानना ??है कि यह कल और भविष्य में भी सच होगा। ' यह टिप्पणी इजरायली सरकार की ओर से पहली आधिकारिक प्रतिक्रिया थी। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने सोमवार को व्हाइट हाउस में सऊदी क्राउन प्रिंस मोहम्मद बिन सलमान के साथ बैठक के दौरान डील की घोषणा की थी। प्रस्तावित सौदे में 48 एफ-35 विमान शामिल हैं। इससे पहले, पिछले अमेरिकी प्रशासन ऐसे सौदों पर झिझकते रहे थे, लेकिन अब यह एक बड़ा बदलाव है। सऊदी अरब के साथ इस डील से ये तस्वीर बदलने वाली है। वहीं इसे लेकर जब ट्रंप से सवाल किया गया, तो उन्होंने कहा कि इजरायल को इस डील के बारे में पहले से जानकारी है। सऊदी अरब और इजरायल दोनों ही अमेरिका के अच्छे दोस्त हैं। इजराइल और सउदी अरब के बीच अभी औपचारिक राजनयिक संबंध नहीं हैं। वाशिंगटन यात्रा के दौरान सऊदी क्राउन प्रिंस ने कहा कि उनका देश इजरायल से संबंध सामान्य करना चाहता है, लेकिन इसके लिए उन्हें दो-राष्ट्र समाधान की स्पष्ट राह चाहिए, जिसमें फिलिस्तीन को एक स्वतंत्र राज्य के रूप में मान्यता शामिल हो।

ईरान की तेल तस्करी पर अमेरिकी कार्रवाई, भारत की दो कंपनियां भी नए प्रतिबंधों की सूची में

वॉशिंगटन, एजेंसी। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप प्रशासन ने ईरान की तेल तस्करी और गुप्त व्यापार नेटवर्क को रोकने के लिए बड़े पैमाने पर नए प्रतिबंध लगाए हैं। इन प्रतिबंधों में भारत की एक शिपिंग कंपनी और एक पेट्रोलियम ट्रेडर समेत कई देशों की 17 कंपनियां, व्यक्ति और जहाज शामिल हैं। मामले में अमेरिकी विदेश विभाग ने बताया कि ये कदम इसलिए उठाए गए हैं ताकि उस पैसों के प्रवाह को रोका जा सके जिससे ईरान अपना परमाणु कार्यक्रम, सेना और आतंकवादी समूहों को समर्थन देता है। बता दें कि भारत की पेट्रोलियम ट्रेडर कंपनी टीआर6 पीईटीआरओ पर आरोप है कि उसने अक्तूबर 2024 से जून 2025 के बीच ईरान से आठ मिलियन डॉलर से अधिक का बिटुमेन खरीदा। अमेरिका के अनुसार यह ईरानी तेल की खरीद की श्रेणी में आता है, जो प्रतिबंधों का उल्लंघन है। इसलिए कंपनी को कड़े आर्थिक प्रतिबंधों में डाल दिया गया।

भारतीय शिपिंग कंपनी आरएन शिप प्रबंधन पर भी कार्रवाई : दूसरी तरफ अमेरिकी द्वारा लगाए गए प्रतिबंध की श्रेणी में मुंबई स्थित आरएन शिप मैनेजमेंट प्राइवेट लिमिटेड भी शामिल है। इस कंपनी पर आरोप है कि उसने ऐसे जहाज चलाए जो ईरानी कच्चा तेल दूसरी कंपनियों के लिए गुप्त रूप से ले जाते थे। कंपनी से जुड़े दो भारतीय नागरिक जैर हुसैन इकबाल हुसैन सैयद और जुल्फिकार हुसैन रिजवी सैयद को भी प्रतिबंधित कर दिया गया है। यह कंपनी उन कई देशों के नेटवर्क का हिस्सा मानी जा रही है, जिनमें यूएई, पनामा, जर्मनी, ग्रीस और गाम्बिया शामिल हैं, जो ईरान के लिए चोरी-छिपे तेल परिवहन में मदद करते हैं।

ईरान की एयरलाइन पर भी कार्रवाई : इसके साथ ही अमेरिका ने ईरान की निजी एयरलाइन माहान एयर और उसकी सहायक कंपनी यज्द इंटरनेशनल एयरवेज पर प्रतिबंध बढ़ाए हैं। दावा है कि एयरलाइन ईरान की आईआरजीसी-कोड्स फोर्स के साथ मिलकर सीरिया और लेबनान में हथियार और लड़ाके पहुंचाती है। माहान एयर के कई विमानों को ब्लॉक्ड प्रॉपर्टी घोषित कर दिया गया है।

अमेरिका का दावा और प्रतिबंधों का प्रभाव, समझिए अमेरिका के मुताबिक, ईरान हाल ही में इस्राइल के साथ 12-दिवसीय युद्ध में हार के बाद अपनी सेना को फिर से खड़ा करने के लिए तेल के इस गुप्त कारोबार पर निर्भर है। ट्रेजरी सेक्रेटरी स्कॉट बेसेंट ने कहा कि ईरान की आय रोकना उसके परमाणु कार्यक्रम को सीमित करने के लिए जरूरी है। अब बात अगर इन प्रतिबंधों से पड़ने वाले प्रभावों की करें तो इन कंपनियों और व्यक्तियों की संपत्ति अमेरिका में फ्रीज कर दी गई है।

ऐसे में अमेरिकी नागरिक और कंपनियां इनके साथ कोई भी व्यापार नहीं कर सकेंगे। साथ ही प्रतिबंधों का उल्लंघन करने पर कड़े जुर्माने या कानूनी कार्रवाई हो सकती है। मामले में अमेरिका का कहना है कि इन कदमों का उद्देश्य दंड देना नहीं, बल्कि ईरान को अपने व्यवहार में बदलाव लाने के लिए मजबूर करना है।

दक्षिण अफ्रीकी राष्ट्रपति के बयान पर अमेरिका का सख्त रुख, व्हाइट हाउस बोला- दावा पूरी तरह झूठा

वॉशिंगटन, एजेंसी। दक्षिण अफ्रीका में आयोजित जी20 शिखर सम्मेलन का अमेरिका द्वारा बहिष्कार किए जाने पर व्हाइट हाउस ने सख्त प्रतिक्रिया दी है। व्हाइट हाउस प्रेस सचिव कैरोलाइन लेविट ने कहा कि अमेरिका आधिकारिक बातचीत का हिस्सा नहीं है और दक्षिण अफ्रीकी राष्ट्रपति द्वारा लगाए जा रहे दावे पूरी तरह गलत हैं।

लेविट ने कहा अमेरिका दक्षिण अफ्रीका में जी20 की आधिकारिक वार्ताओं में भाग नहीं ले रहा है। आज मैंने देखा कि दक्षिण अफ्रीकी राष्ट्रपति अमेरिका और राष्ट्रपति ट्रंप के खिलाफ बयान दे रहे थे, जिसे राष्ट्रपति और उनकी टीम बिल्कुल पसंद नहीं करती। उन्होंने बताया कि दक्षिण अफ्रीका में मौजूद अमेरिकी राजदूत का उद्देश्य केवल अगले जी20 मेजबान देश के रूप में अमेरिका का प्रतिनिधित्व करना है। लेविट ने कहा वे सिर्फ कार्यक्रम के अंत में होने वाले औपचारिक 'सेन्ड-ऑफ' में शामिल हैं, न कि किसी भी आधिकारिक बातचीत में, जैसा कि दक्षिण अफ्रीकी राष्ट्रपति गलत तरीके से दावा कर रहे हैं। ट्रंप और न्यूयॉर्क के मेयर-इलेक्ट जोहरान मदानी की बैठक पर भी प्रतिक्रिया व्हाइट हाउस प्रेस सचिव ने ट्रंप और न्यूयॉर्क के मेयर-इलेक्ट जोहरान मदानी की होने वाली मुलाकात पर भी बयान दिया। उन्होंने कहा राष्ट्रपति ने घोषणा की है कि मेयर-इलेक्ट कल व्हाइट हाउस आएंगे। हमारी टीमें बैठक की तैयारियां कर रही हैं। लेविट ने टिप्पणी करते हुए कहा यह बहुत कुछ दर्शाता है कि कल व्हाइट हाउस में एक कम्युनिस्ट आने वाला है क्योंकि डेमोक्रेट पार्टी ने देश के सबसे बड़े शहर के लिए उन्हें चुना है। लेकिन यह भी दिखाता है कि राष्ट्रपति ट्रंप किसी से भी मिलने और बातचीत करने के लिए तैयार हैं, चाहे वे किसी भी राजनीतिक विचारधारा से हों। उन्होंने कहा कि राष्ट्रपति अमेरिकी लोगों के हित में काम करना चाहते हैं, चाहे वे रेड स्टेट में रहते हों, ब्लू स्टेट में या ऐसे शहरों में जो अब पहले से ज्यादा वामपंथी होते जा रहे हैं। अमेरिका और दक्षिण अफ्रीका के संबंध गौरतलब है कि अमेरिका और दक्षिण अफ्रीका के बीच तनातनी को देखते हुए राजनीतिक विश्लेषकों का कहना है कि ट्रंप के कदम से दोनों देशों के बीच पहले से तनावपूर्ण व्यापारिक रिश्ते और खराब हो सकते हैं। ट्रंप पहले ही दक्षिण अफ्रीकी उत्पादों पर भारी टैरिफ लगा चुके हैं और कुछ गोरे किसानों को राजनीतिक शरण देने की पेशकश कर चुके हैं। ऐसे में अब आशंका जताई जा रही है कि अमेरिका के साथ जुड़े कुछ देश भी ट्रंप के समर्थन में सम्मेलन से हट सकते हैं। जी20 शिखर सम्मेलन इस सप्ताहांत जोहानसबर्ग में होना है, जिसमें दुनिया के कई शीर्ष नेता शामिल होंगे।

नेपाल : दिशाहीन सरकार होने का आरोप, जेन-जी ने की कार्की को हटाने की मांग

काठमांडू, एजेंसी। जेन-जी आंदोलन की अपेक्षाओं को पूरा न कर पाने का आरोप लगाते हुए 23 समूहों ने पीएम सुशीला कार्की सरकार हटाने की मांग की है। समूहों ने बृहस्पतिवार को राष्ट्रपति रामचंद्र पौडेल को ज्ञापन सौंपते हुए आरोप लगाया कि कार्की सरकार 8-9 सितंबर के विद्रोह से मिले जनादेश के अनुसार काम करने में नाकाम रही है। ज्ञापन के अनुसार, मौजूदा सरकार की ओर से पांच मुख्य मागों में से किसी को भी पूरा न किया जाना अस्वीकार्य है। इन मागों में बड़े भ्रष्टाचार प्रकरणों में संलिप्त लोगों पर कार्रवाई, प्रत्यक्ष निर्वाचित प्रधानमंत्री के लिए संविधान संशोधन, विद्रोह के दौरान हुए नरसंहार के जिम्मेदारों पर कार्रवाई, घायलों का उपचार और शहीद परिवारों को क्षतिपूर्ति व भरण-पोषण शामिल हैं। उसने कहा, विद्रोह की नींव पर बनी सरकार ने विद्रोहियों की न्यूनतम अपेक्षाएं भी पूरा नहीं कीं।

बारा में फिर बढ़ा तनाव, कर्फ्यू, 10 घायल : नेपाल के बारा जिले में बृहस्पतिवार उस समय फिर से तनाव पैदा हो गया, जब जेन जेड के युवाओं से अपदस्थ पीएम केपी शर्मा ओली की पार्टी के सदस्यों संग हुई झड़प में 10 घायल हो गए। इसके बाद अधिकारियों को भारतीय सीमा से लगे नेपाल के बारा जिले में हालात काबू करने को फिर से कर्फ्यू लगाना पड़ा। प्रदर्शनकारी पुलिस से भिड़े और उन पर पथराव किया। छह पुलिसकर्मी घायल हो गए। जेन-जेड के चार प्रदर्शनकारी भी घायल हुए। एक अलग घटना में, जेन जेड ने सिमारा बाजार में पुलिस चौकी को फूंक दिया। नेपाल के मधेश प्रदेश के सभामुख रामचन्द्र मंडल पद से हटाए गए हैं। बुधवार को हुई प्रदेश सभा की बैठक में उनके खिलाफ पद के अनुरूप आचरण न करने संबंधी प्रस्ताव दो तिहाई मतों से पारित हुआ। नेपाल कम्युनिस्ट पार्टी (एमाले) से प्रदेश सभा (प्रोविंशियल असेंबली) के स्पीकर बने मंडल को मुख्यमंत्री की नियुक्ति पर हुए सियासी विवाद के बाद प्रोविंशियल असेंबली के समीकरण बदलने के बाद पद से हटा दिया गया है।

एपस्टीन फाइल्सः 'स्टार रिपोर्ट तो 48 घंटे में ही..,' लेविंस्की ने दस्तावेज जारी करने में देरी पर जताई नाराजगी

वॉशिंगटन, एजेंसी। अमेरिकी कार्यकर्ता और लेखिका मोनिका लेविंस्की ने एपस्टीन फाइल्स को जारी करने में लगने वाले समय पर नाराजगी जाहिर की। लेविंस्की ने कहा कि सरकार इन दस्तावेजों को सार्वजनिक करने में काफी देर कर रही है। राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने मंगलवार को उस विधेयक पर हस्ताक्षर किए हैं, जिसमें न्याय विभाग को यौन अपराधी जेफरी एपस्टीन से जुड़े सभी दस्तावेज सार्वजनिक करने का आदेश दिया गया है। इस कानून के तहत अटॉर्नी जनरल पैम बॉन्डी को तीस दिनों के भीतर ये दस्तावेज जारी करने होंगे। प्रतिनिधि सभा और सीनेट दोनों में यह विधेयक उस समय पारित हुआ, जब एपस्टीन की बातचीत से जुड़े ईमेल सामने आए। इन ईमेल में 'ट्रंप ब्लोइंग बुब्बा' नाम का जिक्र किया गया था। इसके बाद यह इंटरनेट 'ट्रंप ब्लोइंग बुब्बा' वायरल होने लगा। लोग समझ बैठ के कि बुब्बा से बिल क्लिंटन का इशारा है, क्योंकि उनका यही उपनाम रहा है। बाद में एपस्टीन के भाई मार्क ने स्पष्ट किया कि बुब्बा किसी निजी व्यक्ति के लिए इस्तेमाल किया गया था, न कि क्लिंटन के लिए। लेकिन तब तक इंटरनेट पर यह विवाद काफी बढ़ चुका था। इस बीच, सोशल मीडिया में लोगों ने नया शब्द 'डोनिका लेविंस्की' गढ़ दिया, ताकि ट्रंप और लेविंस्की की पुरानी कहानी के बीच तुलना की जा सके। दूसरी ओर, ट्रंप ने न्याय विभाग और एफबीआई को निर्देश दिया कि वे एपस्टीन के क्लिंटन और अन्य लोगों से संबंधों की जांच करें और एजेंसियों ने इसें मंजूर भी कर लिया। इस घटनाक्रम के बीच लेविंस्की ने एपस्टीन के दस्तावेजों को सार्वजिक करने में देरी को लेकर ट्रंप प्रशासन पर निशाना साधा। उन्होंने रॉयटर्स की एक रिपोर्ट का स्क्रीनशॉट साझा किया, जिसमें लिखा था- न्याय विभाग तीस दिनों के भीतर एपस्टीन फाइल्स जारी करेगी, बॉन्डी का बयान।' उन्होंने पैम बॉन्डी की तस्वीर के बगल में उन्होंने पैम बॉन्डी की तस्वीर के बगल में एक संवाद बॉक्स

(टेक्स्ट बबल) लगाया, जिसमें लिखा- 'अजीब है कि जब कांग्रेस ने स्टार रिपोर्ट जारी करने के लिए वोट किया था, वह 48 घंटों के अंदर ही ऑनलाइन आ गई थी... शायद उससे भी जल्दी।' यह तस्वीर पहले लेविंस्की ने अपने इंस्टाग्राम स्टोरी पर डाली, बाद में इसे एक्स पर भी साझा किया गया। स्टार रिपोर्ट वह सरकारी दस्तावेज था, जिसे स्वतंत्र वकील केन स्टार ने तैयार किया था। इसमें उन्होंने क्लिंटन की जांच की थी और कहा था कि क्लिंटन ने जनवरी 1998 में शपथपत्र में झूठी जानकारी दी थी। उस समय क्लिंटन यौन उत्पीड़न से जुड़े एक मामले में प्रतिवादी के तौर पर पेश हो रहे थे। मोनिका लेविंस्की कौन हैं? लेविंस्की व्हाइट हाउस में इंटर्न रही हैं। 1990 के दशक के अंत में तत्कालीन राष्ट्रपति बिल क्लिंटन के साथ अपने संबंधों के कारण वह दुनियाभर में सुर्खियों में आई थीं। उनका और क्लिंटन का यह संबंध 'क्लिंटन-लेविंस्की स्कैंडल' के रूप में प्रसिद्ध हुआ। इसकी वजह क्लिंटन पर झूठ बोलने और न्याय में बाधा डालने के आरोप लगे और उनके खिलाफ महाभियोग की कार्यवाही भी चली। पहले बिल क्लिंटन ने मोनिका के साथ किसी तरह के संबंधों से इनकार किया था और बयान दिया था- मेरे उस महिला के साथ कोई यौन संबंध नहीं हैं। लेकिन बाद में सूबत सामने आने के बाद उन्होंने स्वीकार किया कि उनके और मोनिका के बीच अनुचित शारीरित संबंध थे। यह स्वीकारोक्ति 1998 में आई थी, जब जांच और गवाही में तथ्यों की वजह से वह दबाव में आ गए थे। तब उन्होंने कहा था, मैंने ऐसा व्यवहार किया था जो गलत था..उन मुलाकातों में अनुचित अंतरंग संपर्क शामिल था। इसके बाद ही उनके खिलाफ महाभियोग की कार्यवाही हुई थी।

मोनिका ने जांच के दौरान अपनी गवाही में कहा था कि उनका और बिल क्लिंटन का संबंध था। उन्होंने अपनी डायरियों, पत्रों और बातचीत के सबूत भी जांच एजेंसियों को दिए थे, जिसने क्लिंटन को सच स्वीकार करने को मजबूत किया था। आज मोनिका एक टेलीविजन व्यक्तित्व, कार्यकर्ता और लेखिका हैं।

स्वामी, मुद्रक व् प्रकाशकः सुरेश मौर्या द्वारा अष्ठ विनायक ओफ़्सेट एफपी, 149 प्लोट 26 खोडीयारनगर, सिद्धिविनायक मंदीर के पास ,भाटेना) हो.सो अंजना सुरत गुजरात से मुद्रित एवं 191 महादेव नगर उधना सुरत गुजरात से प्रकाशित संपादक : सुरेश मौया (M) 9879141480 RNI No.:GUJHIN/2018/75100 (Subject to Surat jurisdiction)

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

9वीं मंज़िल पर स्थित चाय पार्टनर कैफ़े से 28 वर्षीय डॉक्टर राधिका ने कूदकर जान दे दी।

दो महीने बाद होने थे शादी; उसी 'चाय पार्टनर' कैफ़े से कूदी जहाँ मंगेतर के साथ जाती थी

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

सूरत के सरथाणा क्षेत्र में एक शॉपिंग कॉम्प्लेक्स की 9वीं मंज़िल पर स्थित चाय पार्टनर कैफ़े से 28 वर्षीय फिज़ियोथेरेपी डॉक्टर राधिका ने कूदकर जान दे दी। यह खबर पूरे क्षेत्र में सनसनी फैलाने वाली साबित हुई। उनके दो महीने बाद विवाह होने वाला था। डॉक्टर राधिका अक्सर अपने मंगेतर के साथ इसी कैफ़े में आती थीं और वहीं से उन्होंने छलांग लगाकर अपनी जीवनलीला समाप्त कर ली।

व्हाट्सएप मैसेजों ने खोला राज

डॉ. राधिका के आत्महत्या मामले में पुलिस जांच के दौरान व्हाट्सएप मैसेज सामने आए हैं। राधिका ने आत्महत्या से पहले मंगेतर को मैसेज किया था:

'छोटी-छोटी बातों के बारे में पैरेंट्स को नहीं बताया जाता... '

इन मैसेजों से स्पष्ट होता है कि राधिका और उनके मंगेतर के बीच पिछले कुछ समय से तनाव चल रहा था। यह तनाव इस दुखद घटना की जड़ हो सकता है।

पुलिस के अनुसार दोनों ... एक-दूसरे से लगातार वॉइस कॉल और वीडियो कॉल पर बात किया करते थे। आत्महत्या से पहले राधिका अकेले कैफ़े पहुँची थीं। उन्होंने चाय भी पी और स्टाफ से बातचीत भी की। उसके बाद अचानक उन्होंने यह कदम उठा लिया।

परिवार की जानकारी

मिली जानकारी के अनुसार, राधिका मूल रूप से जामनगर जिले के कलावड़ तालुका के मोटी भेगड़ी गांव की रहने वाली थीं। वर्तमान में परिवार के साथ सूरत के सरथाणा क्षेत्र के विश्वा रेजिडेंसी में रहती थीं। परिवार में माता-पिता और एक भाई है। पिता हीरा उद्योग में तराशी का काम करते हैं। राधिका सरथाणा-जकातनाका के विकास शॉपर्स की पहली मंज़िल पर अपना श्रीजी फिज़ियो क्लिनिक चलाती थीं। वह आत्मनिर्भर और परिवार की उम्मीदों का केंद्र थीं।

19 फरवरी को होने वाली थी शादी

राधिका की छह महीने पहले सगाई हुई थी और 19 फरवरी 2026 को शादी तय थी। वह इस शादी को लेकर काफी उत्साहित थीं और हर दिन मंगेतर से बातचीत करती थीं। 21 नवंबर की सुबह वह रोज़ की तरह क्लिनिक गईं, दोपहर में घर लौटीं और फिर वापस क्लिनिक चली गईं। शाम को उन्होंने स्टाफ से कहा कि 'मैं योगी चौक जा रही हूँ' और निकल गईं।

9वीं मंज़िल से छलांग

शाम 7:15 बजे के आसपास राधिका सरथाणा बिज़नेस हब की 9वीं मंज़िल पर स्थित चाय पार्टनर कैफ़े पहुँचीं। वहां अन्य कपल भी मौजूद थे। अचानक राधिका कुर्सी से उठीं, रेलिंग पर चढ़ीं और नीचे कूद गईं। जोरदार आवाज़ सुनकर लोग मौके की ओर दौड़े।

सिर सहित शरीर के कई हिस्सों में गंभीर चोट लगने से उनकी मौके पर ही मौत हो गई। घटना के बाद परिवार के लोग स्थल पर पहुँचे और रो-रोकर बेहाल हो गए। पुलिस ने शव को पोस्टमॉर्टम के लिए स्मिमेर भेजा।

प्रेमी से विवाद कारण होने का शक

प्रारंभिक जांच और व्हाट्सएप मैसेजों के आधार पर पुलिस का मानना है कि राधिका और उनके मंगेतर के बीच लंबे समय से विवाद चल रहा था। मंगेतर इन झगड़ों की जानकारी अपने परिवार को देता था। इसी बात से राधिका मानसिक तनाव में थीं और उन्होंने अपनी भावनाएँ मैसेज में भी व्यक्त की थीं।

परिवार में शादी की खुशियों का माहौल था, जो राधिका के अचानक निर्णय से मातम में बदल गया।

सरथाणा पुलिस ने उनका मोबाइल कब्जे में लेकर और परिवार के बयान दर्ज कर जांच तेज कर दी है।

वापी में वित्त मंत्री कन्नू देसाई की अध्यक्षता में यूनिटी मार्च

सरदार पटेल की 150वीं जयंती पर जिला-स्तरीय पदयात्रा आयोजित

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

वलसाड जिले के वापी में वित्त, शहरी विकास और शहरी आवास मंत्री कन्नूभाई देसाई की अध्यक्षता में जिला-स्तरीय यूनिटी मार्च आयोजित किया गया। भारत के लौह पुरुष सरदार वल्लभभाई पटेल की 150वीं जयंती के उपलक्ष्य में 'यूनिटी मार्च सरदार 150' के अंतर्गत इस पदयात्रा का आयोजन किया गया था। इस अवसर पर लोकसभा के डंडक और वलसाड-डांग के सांसद धवलभाई पटेल भी विशेष रूप से उपस्थित रहे।

यूनिटी मार्च को प्रस्थान करवाते हुए मंत्री कन्नूभाई देसाई ने कहा कि सरदार पटेल ने अखंड भारत और एक भारत का निर्माण किया था। श्रेष्ठ भारत बनाने के लिए पूरे देश का एकजुट होना और संविधान के अनुसार चलना अत्यंत आवश्यक है। भारत में अनेक धर्म और संस्कृतियाँ होने के बावजूद यह दुनिया का सबसे बड़ा लोकतांत्रिक देश है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने केवडिया में स्टैच्यू ऑफ यूनिटी का निर्माण कर सरदार पटेल को सर्वोच्च सम्मान दिया है।

मंत्री ने आगे बताया कि आज़ादी के बाद सरदार पटेल ने देश के 564 रियासतों को केवल दो वर्षों में भारत में मिलाकर देश को एक किया था। सोमनाथ मंदिर का पुनर्निर्माण भी सरदार पटेल का ही योगदान है। देश में सुशासन की शुरुआत भी सरदार पटेल ने ही की थी, इसलिए उनके एकता के मार्ग पर सभी को आगे बढ़ना चाहिए।

यह पदयात्रा वापी नगरपालिका कार्यालय से प्रारंभ होकर झंडा चौक, गांधी सर्कल, सेलवास चार रास्ता, भड़क मोरा, सरदार चौक और अंबेमाता मंदिर होते हुए श्यामजी कृष्ण वर्मा चौक तक पहुँची। मार्ग में वापी सर्किट हाउस पर यूनिटी रथ का स्वागत भी किया गया। पदयात्रा में लोगों ने 'सरदार अमर रहो' के नारे लगाए। स्कूल के विद्यार्थियों ने विभिन्न राज्यों की पारंपरिक पोशाकों और स्वतंत्रता सेनानियों की वेशभूषा में एकता-थीम आधारित प्लेकार्ड के साथ भाग लिया।

वापी नगरपालिका के अधिकारी-कर्मचारी, पुलिस, एनसीसी कैडेट और गुजरात योग बोर्ड के सदस्य सहित बड़ी संख्या में लोग इस पदयात्रा में शामिल हुए।

कार्यक्रम के अंत में मंत्री और अन्य विशिष्ट अतिथियों ने सरदार पटेल की 150वीं जयंती पर आयोजित निबंध और भाषण प्रतियोगिता के विजेताओं को पुरस्कार प्रदान किए। उपस्थित सभी लोगों ने स्वदेशी शपथ भी ग्रहण की।

नई सिविल अस्पताल में 28 वर्षीय ब्रेनडेड अक्षय विलास पाटिल के अंगदान से तीन लोगों को मिलेगा नया जीवन

लीवर और दोनों किडनी का दान: नई सिविल अस्पताल का 84वाँ सफल अंगदान

महाराष्ट्र के ठाणे जिले के माहिम के पाटिल परिवार के मानवतावादी निर्णय से तीन जरूरतमंद मरीजों को मिलेगा नया जीवन

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

सूरत की नई सिविल अस्पताल में आज 84वाँ सफल अंगदान किया गया। महाराष्ट्र के ठाणे जिले के माहिम के रहने वाले 28 वर्षीय ब्रेनडेड अक्षय विलास पाटिल के ब्रेनडेड घोषित होने के बाद उनके परिवार ने भावुक लेकिन बड़ा

निर्णय लेकर उनका लीवर और दोनों किडनी दान कर दिए, जिससे तीन जरूरतमंद मरीजों को नया जीवन मिलेगा।

मिली जानकारी के अनुसार, मूल रूप से ठाणे जिले के माहिम के गांव जेपाड़ा में रहने वाले अक्षय 14 नवंबर की रात 8 बजे बाइक लेकर पालघर गए थे। पास के गाँव की मेन रोड पर बाइक फिसलने से वे गिर पड़े। स्थानीय ग्रामीणों ने 108 एम्बुलेंस बुलाकर उन्हें माहिम सरकारी अस्पताल पहुँचाया, जहाँ से उन्हें एक निजी अस्पताल ले जाया गया। हालत गंभीर होने पर डॉक्टरों ने उन्हें वलसाड अस्पताल भेजा। सिर में गंभीर चोट लगने के कारण 108 एम्बुलेंस से उन्हें सूरत नई सिविल अस्पताल में भर्ती कराया गया। उनकी हालत नाजुक होने पर उन्हें ढ्रष्ट में रखा गया।

22 नवंबर को RMO डॉ. केतन नायक, डॉ. निलेश काछडिया, न्यूरोलॉजिस्ट डॉ. जय पटेल और न्यूरो सर्जन डॉ. केयुर प्रजापति ने उन्हें ब्रेनडेड घोषित किया।

इसके बाद डॉ. निलेश काछडिया, डॉ. केतन नायक (RMO) और इकबाल कड़ीवाला (गुजरात नर्सिंग काउंसिल उपाध्यक्ष) ने अक्षय की माता और परिवार को अंगदान का महत्व समझाया, जिसके बाद उन्होंने सहमति जताई।

अक्षय पाटिल की माता गुलाब विलास पाटिल और उनके भाई—विपुल, विराट और प्रफुल विलास पाटिल—सहित परिवार ने दुख की घड़ी में भी भारी मन से अंगदान की अनुमति दी।

परिवार ने कहा— 'इस दु:ख के समय यह सोचकर थोड़ी सांत्वना मिलती है कि हमारे प्रियजन की धड़कन अब किसी और के शरीर में चलेगी। उनका एक हिस्सा किसी की ज़िंदगी में फिर रोशनी लाएगा।'

ब्रेनडेड अक्षय विलास पाटिल का लीवर और दोनों किडनी को अपोलो अस्पताल, गांधीनगर ले जाया गया।

सिविल अस्पताल की मेडिकल सुपरिंटेंडेंट डॉ. धारित्री परमार के मार्गदर्शन में डॉक्टरों, नर्सिंग स्टाफ, सुरक्षा कर्मियों और स्वयंसेवकों ने इस पूरी अंगदान प्रक्रिया में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

नई सिविल अस्पताल के निरंतर मानवतापूर्ण प्रयासों से अब तक कुल 84 सफल अंगदान हो चुके हैं, जो सूरत के मानवीय मूल्यों और जागरूक नागरिकता का अद्वितीय उदाहरण है।

चलिए, एकता का संदेश फैलाएँ — राष्ट्र के उत्थान के लिए समर्पित हों

सरदार वल्लभभाई पटेल की 150वीं जयंती के पर चोर्यासी विधानसभा की 'सरदार 150 यूनिटी मार्च'

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

सूरत,देश की एकता के प्रतीक सरदार वल्लभभाई पटेल की 150वीं जयंती के उपलक्ष्य में चोर्यासी विधानसभा क्षेत्र की 'सरदार ञ्च150 यूनिटी मार्च'

> सरदार वल्लभभाई पटेल की 150वीं जयंती के अवसर पर चोर्यासी विधानसभा की 'सरदार 150 यूनिटी मार्च' पदयात्रा को सचिन रेलवे ओवरब्रिज के नीचे सचिन प्लाज़ा से विधायक संदीपभाई देसाई और मेयर दिक्षेश मावाणी ने रवाना किया

पदयात्रा को सचिन रेलवे ओवरब्रिज नीचे सचिन प्लाज़ा से विधायक संदीपभाई देसाई और मेयर दिक्षेश मावाणी ने हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। सचिन की इस यूनिटी मार्च में सचिन चार रास्ता पर सांसद मुकेशभाई दलाल भी शामिल हुए।

सूरत महानगर पालिका और सूरत जिला प्रशासन द्वारा आयोजित यह 3 किमी की एकता पदयात्रा सचिन प्लाज़ा से शुरू होकर कृष्णा कॉम्प्लेक्स, एल.डी. हाई स्कूल, A to Z अस्पताल, सचिन तीन रास्ता होते हुए सचिनगाम स्थित महादेव मंदिर तक पहुँची। मार्ग में प्रत्येक स्थान पर पादयात्रा का भव्य स्वागत किया गया।

इस अवसर पर विधायक संदीपभाई देसाई ने कहा कि पूरे गुजरात में सरदार वल्लभभाई पटेल की 150वीं जयंती के निमित्त राज्यव्यापी यूनिटी मार्च का भव्य आयोजन हो रहा है। चोर्यासी विधानसभा की इस पदयात्रा से सरदार साहब के एकता, राष्ट्रभावना और राष्ट्रीय एकजुटता का सशक्त संदेश जनमानस तक पहुँचेगा।

उन्होंने बारडोली सत्याग्रह की ऐतिहासिक भूमिका को याद करते हुए कहा कि सरदार पटेल के नेतृत्व में हुए सत्याग्रह में बारडोली क्षेत्र की महिलाओं का अद्भुत योगदान रहा। उन्होंने पुरुषों के समान साहस और संकल्प से आंदोलन में भाग लिया। इसी सत्याग्रह के दौरान बारडोली तालुका के अकोटी गाँव की भीखीबेन पटेल ने सरदार पटेल को संबोधित करते हुए कहा था— 'आप तो हमारे सरदार हो', जिसके बाद पूरे देश में वल्लभभाई पटेल 'सरदार' नाम से प्रसिद्ध हुए।

पदयात्रा में उपस्थित सभी लोगों ने स्वदेशी वस्तुओं के उपयोग और आत्मनिर्भर भारत निर्माण का संकल्प लिया।

> विधायक संदीपभाई देसाई के नेतृत्व में सचिन रेलवे ओवरब्रिज नीचे सचिन प्लाज़ा से सचिनगाम स्थित महादेव मंदिर तक 3 किमी की 'सरदार 150 यूनिटी मार्च' पदयात्रा आयोजित
>
> 'यूनिटी मार्च राष्ट्रभावना को मजबूत बनाने वाली ऐतिहासिक पहल है' — विधायक संदीप देसाई

इस अवसर पर सूरत शहर संगठन प्रमुख परेशभाई पटेल, दंडक धर्मेशभाई वानियावाला, अग्रणी माधुभाई, कई पार्षदों सहित पदाधिकारी-अधिकारी और बड़ी संख्या में नागरिक उपस्थित थे।

गणदेवी के नीलकंठ महादेव मंदिर में चोरी, CCTV में कैद

आधी रात आया शख्स पहले पैर छूता है, फिर पीपल के नीचे रखा शिवलिंग उठाकर फरार

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

नवसारी जिले के गणदेवी तालुका के ऊंडाच गाँव में स्थित नीलकंठ महादेव मंदिर से शिवलिंग की चोरी हो गई है। यह घटना देर रात हुई थी और CCTV कैमरे में रिकॉर्ड हुई है। राघव फलिया क्षेत्र में स्थित इस मंदिर परिसर में पीपल के पेड़ के नीचे स्थापित शिवलिंग को अज्ञात व्यक्ति वाहन से आए और चोरी कर ले गए।

सुबह जब ग्रामीण दर्शन करने मंदिर पहुँचे तो शिवलिंग गायब देखकर चोरी की जानकारी हुई। ग्रामीणों ने तुरंत पुलिस को सूचना दी। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुँची और CCTV फुटेज के आधार पर जांच शुरू कर दी है।

खेल-खेल में लिया गया स्वास्थ्य संकल्प

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

सूरत,अग्रवाल विकास ट्रस्ट महिला शाखा द्वारा स्वास्थ्य संकल्प कार्यक्रम का आयोजन सिटीलाइट स्थित महाराजा अग्रसेन पैलेस के वृंदावन हॉल में किया गया।

महिला शाखा अध्यक्षा रुचिका रुंगटा ने बताया की डायटीशियन सारुल जैन ने हाउजी के द्वारा हमारे ख़ान पान को किस तरह से संतुलित रखना चाहिए इसकी जानकारी दी। साथ ही फिजियोथेरेपिस्ट डॉ विस्मय शाह द्वारा बहुत से रोज़मर्रा की ज़िंदगी मैं आसानी से किए जाने वाले व्यायाम बताया गया। आयोजन में 150 से अधिक महिलाओं ने हिस्सा लिया। इस मौके पर महिला शाखा की प्रीति गोयल, अल्का अग्रवाल, रीतू गोयल सहित अनेकों सदस्या उपस्थित रहीं।

'कौशल कार्निवल 2025' का हुआ आयोजन

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

सूरत,महाराजा अग्रसेन इंटरनेशनल स्कूल, सूरत में विद्यार्थियों की आंतरिक क्षमताओं को मंच प्रदान करने तथा लर्निंग बाई डूइंग की संकल्पना को प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से एजुकेशन फेयर 'कौशल कार्निवल 2025 का भव्य आयोजन शनिवार को स्कूल परिसर में किया गया।

कार्यक्रम का उद्घाटन मुख्य अतिथि सूरत जिला शिक्षा अधिकारी डॉ. भागीरथ सिंह परमार ने दीप प्रज्वलित कर किया।

आयोजन के अंतर्गत सभी विद्यार्थियों ने विभिन्न विषयों से संबंधित प्रोजेक्ट्स तैयार किये थे जिसमे रोबोटिक्स मॉडल्स, विषय-आधारित शैक्षणिक प्रोजेक्ट्स, क्रिएटिव एंड इनोवेटिव वर्क आदि सहित कुल 285 प्रोजेक्ट्स प्रदर्शित किए गए।

इस मौक़े पर अग्रवाल एजुकेशन फ़ाउंडेशन के अध्यक्ष अशोक टिबड़ेवाल सहित अनेकों ट्रस्टी उपस्थित रहें। अध्यक्ष अशोक टिबड़ेवल ने कहा कि इस कार्यक्रम के माध्यम से विद्यार्थियों का समग्र शैक्षणिक, बौद्धिक एवं रचनात्मक विकास हो रहा है और उन्हें अपनी प्रतिभा प्रदर्शित करने का एक सशक्त मंच प्राप्त हुआ है।